शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-116

कांग्रेस का खतरनाक खेल | पित्रोदा ने राहुल के प्लान की व्याख्या कर देशवासियों को चौंकाया

दिवंगत हिंदुओं की सम्पत्ति जब्त कर ली जाएगी

राहुल की 'सम्पति सर्वे और जब्ती योजना' केवल गैर मुस्लिमों पर लागू होगी

शुभ-लाभ सरोकार

आपकी मृत्यु के बाद आधी सम्पत्ति जब्त करने के कानून की वकालत कर कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के पीछे की मंशा को सामने लाकर रख दिया है, जिसमें राहुल गांधी ने सम्पत्ति का सर्वे कराने और उसे दोबारा बांटने की बात कही थी। राहुल गांधी के इस वक्तव्य के पक्ष में सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून का हवाला दिया है। लोगों की सम्पत्ति की जांच कराना और जिसकी ज्यादा सम्पत्ति हो उसे सरकार द्वारा अपने कब्जे में ले लेना। फिर इस सम्पत्ति को उन्हें दे देना, जिनके पास सम्पत्ति कम है। ये जितना सुनने में क्रांतिकारी लग रहा है, वास्तविकता में उतना ही खतरनाक है, जिसका अंदाजा किसी को नहीं है।

एक बार मान भी लें कि इंडी गठबंधन बहुमत पाता है और कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह अपने घोषणा पत्र में किए दावे के अनुसार सारे पर्सनल-लॉ वापस लाएगी। जिसमें शरियत, तीन तलाक सहित वह सभी गैर-हिंदू कानून, जिसपर कोर्ट भी रोक लगा चुका है और मौजूदा सरकार कानून बना चुकी है, उन्हें कांग्रेस वापस लाएगी। इसमें अनुच्छेद 370 और 35-ए भी शामिल है।

पर्सनल लॉ से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी मुस्लिमों की जायदाद कायम रहेगी

जिसका अर्थ है कि जम्मू-कश्मीर में पहले की तरह ही अलग निशान, अलग प्रधान, अलग विधान चलने लगेगा। साथ ही मुस्लिमों के सारे वाद-विवाद, जिसमें उत्तराधिकार कानून भी है, वो सब पर्सनल लॉ के दायरे में आ जाएंगे।

अब सैम पित्रोदा, राहुल गांधी के बयान और कांग्रेस के घोषणा पत्र की मानें तो पर्सनल लॉ से छेड़छाड़ नहीं होगी जिससे मुस्लिमों का उत्तराधिकारी वाला नियम जस का तस रहेगा। बदलेगा तो गैर मुस्लिमों का, जिसमें सबसे ज्यादा हिंदू प्रभावित रहेंगे।

और सैम पित्रोदा ने जिस कानून की बात कर कांग्रेस की मंशा स्पष्ट कर दी है, अगर वह लागू हुआ तो केवल गैर मुस्लिमों जिनमें हिंदू संख्या अधिक है उनकी सम्पत्ति का 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार के पास चला जाएगा।

खाड़ी देशों से 30,000 मुस्लिम वोट के लिए केरल पहुंचे

तिरुअनंतपुरम, 25 अप्रैल एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत दूसरे चरण के मतदान के लिए चल रहे चुनाव प्रचार का शोर आज शाम 5 बजे से थम जाएगा। इस बीच केरल से चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां खाड़ी देशों में रह रहे मुस्लिम

वोटर तेजी से केरल पहुंच रहे हैं। अब तक करीब 30,000 मुस्लिम वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए केरल पहुंच चुके हैं। इन मुस्लिम वोटरों को अपने वोटिंग राइट का इस्तेमाल करने के लिए दुबई, सउदी अरेबिया समेत कई देशों से केरल लाने का काम इंडियन मुस्लिम लीग की विदेशी सांस्कृतिक शाखा केरल मुस्लिम सांस्कृतिक समिति (केएमसीसी) कर रही है। मुस्लिम लीग ने मलयाली मुस्लिमों के लिए मतदान के उद्देश्य से कई फ्लाइट्स किराए पर लिए हैं।

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस की खतरनाक साजिशों से सावधान रहें

ये धन भी चुराते हैं और आरक्षण भी चुरा लेते हैं

आगरा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने इंडी गठबंधन के उस आरोप का करारा जवाब दिया जिसमें भाजपा पर संविधान खत्म करने का आरोप लगाया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस संविधान बनाने वाले बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करती रही है। पीएम ने कहा, इनकी साजिशों से सावधान रहें, ये धन भी चुराते हैं और आरक्षण भी चुरा लेते हैं। उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को मतदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जो

आगरा की जनसभा में विपक्ष पर करारा प्रहार

आए दिन बाबा साहेब का अपमान करती है, संविधान का अपमान करती है और सामाजिक न्याय की तो धज्जियां उड़ा देती है। कांग्रेस ने कभी कर्नाटक में, कभी आंध्र प्रदेश में, कभी अपने घोषणा पत्र में बार-बार धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत, लेकिन, सपा-कांग्रेस का इंडी गठबंधन घोर तुष्टिकरण में जुटा है। 2024 के चुनाव में कांग्रेस ने जो मेनिफेस्टो जारी किया है, उस पर 100 प्रतिशत मुस्लिम लीग की छाप है। कांग्रेस का पूरा मैनिफेस्टो सिर्फ वोटबैंक को मजबूत करने के लिए समर्पित है। जबकि, हमारा संकल्प पत्र देश को मजबूत करने के लिए समर्पित है। पीएम मोदी ने कहा, उत्तर प्रदेश में जो दो लड़कों में दोस्ती है, इसका आधार भी ये तुष्टिकरण की राजनीति ही है। दोनों मिलकर भाषण में तो ओबीसी की रट लगाते हैं लेकिन पिछले दरवाजे से ओबीसी का हक छीनकर अपने वोटबैंक को मजबूत करने के लिए देना चाहते हैं। कांग्रेस ने ठान लिया है कि वह धर्म के आधार पर रिजर्वेशन लाकर रहेगी। इसके लिए कांग्रेस ने तरीका निकाला है कि 27 प्रतिशत का ओबीसी का जो कोटा है, उसमें से कुछ चोरी कर लिया जाए, छीन लिया जाए और धर्म के आधार पर आरक्षण दे दिया जाए।

खुल कर सामने आ रहा है कांग्रेस का नक्सल कनेक्शन

मारे गए नक्सली के घर शोक जताने पहुंची तेलंगाना की मंत्री

तेलंगाना सरकार की मंत्री सीताक्का हैं पूर्व-नक्सली

हैदराबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नक्सलियों का सफाया किए जाने के बाद बस्तर के जंगलों से ऑपरेट कर रहे नक्सली आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जंगलों में भाग कर अपनी जान बचा रहे हैं। शहर में रहने वाले नक्सलियों के रहनुमा उन्हें संरक्षण देने के काम में लगे हैं। ऐसे संरक्षण देने वालों की भी पहचान की जा रही है। लेकिन नक्सलियों को संरक्षण देने वालों में कांग्रेसियों का नाम भी सामने आ रहा है। जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है, वहां के नेता तो नक्सलियों के समर्थन में खुलेआम काम कर रहे हैं और सार्वजनिक स्थलों पर नक्सलियों की हिमायत कर रहे हैं।आश्चर्यजनक यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता और तेलंगाना सरकार में मंत्री अनुसुइया दनसारी उर्फ सीताक्का ने छत्तीसगढ़ मुठभेड़ में मारे गए माओवादी आतंकी शंकर राव के घर जाकर उसे खुलेआम श्रद्धांजलि देने से संकोच नहीं किया।

नक्सली कमांडर कांग्रेस की नेता और मंत्री तक बन गई!

हैदराबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। 1980 और 1990 के शुरुआती दशक में सीताक्का जंगल में रहती थीं। 1994 में उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसर्पण किया।

कोया जनजाति से आने वाली अनसूया सीताक्का कम उम्र में ही माओवादी आंदोलन में शामिल हो गई थी। सीताक्का उसी आदिवासी क्षेत्र में एक सक्रिय सशस्त्र नक्सल गुट के कमांडर के बतौर नेतृत्व संभालने लगी। कई बार सीताक्का की पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई। सीताक्का के पति और भाई भी नक्सली थे। दोनों ही एक मुठभेड़ में मारे गए। इसके बाद माओवादी आंदोलन से अलग होकर सीताक्का ने साल 1994 में एक माफी योजना के तहत पुलिस के सामने आत्मसर्पण कर दिया। उसके बाद सीताक्का ने उच्च शिक्षा ग्रहण की।

कांग्रेस और सपा फिर से षडयंत्र करने आपके बीच आए हैं: योगी

आगरा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐतिहासिक और पौराणिक नगरी आगरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन हुआ है। इस अवसर पर मैं आगरा की जनता की ओर से पीएम मोदी का स्वागत करता हूं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर देश का सम्मान बढ़ा है।

विकास के कार्य हुए हैं। जिन लोगों को भारत के अंदर, विकास की योजनाएं, सुरक्षित भारत अच्छा नहीं लगा रहा है, वे फिर गठबंधन करके आए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व पर किए गए आपके विश्वास का परिणाम है कि दुनिया के अंदर भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। भारत आतंकवाद व नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। विकास के बड़े-बड़े कार्य हुए हैं। जनता को बिना भेदभाव गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ताकत के रूप में उभरता दिख रहा है। जिन्हें गरीब कल्याणकारी व विकास की योजनाएं और सुरक्षित भारत अच्छा नहीं लग रहा है, वे फिर से षडयंत्र करने आपके बीच आए हैं। सीएम योगी ने कहा कि देश के आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पंच प्रण का आह्वान किया था। यह भारत के अंदर गुलामी के अंशों को समाप्त करने, विरासत का सम्मान करने, आत्मनिर्भर व विकसित भारत की संकल्पना के लिए प्रत्येक भारतवासियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाने का आह्वान करता है तो दूसरी ओर भारत के प्रति नफरत की भावना के साथ खड़े कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के लोग हैं, जिनका इतिहास देश के खिलाफ गद्दारी और अतीत जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने का रहा है। सत्ता में आने पर उन लोगों ने अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ी जाति व गरीबों के हकों पर डकैती डालने का कुत्सित प्रयास किया है।

कांग्रेस राज में दिल्ली का एटीएम बना तेलंगाना : अमित शाह

हैदराबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरूवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने सत्ता में आने के कुछ ही समय के भीतर राज्य को दिल्ली का एटीएम बना दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मेडक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव के समर्थन में राज्य के सिद्दीपेट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, इतने कम समय में कांग्रेस ने तेलंगाना को दिल्ली का एटीएम बना दिया। कांग्रेस पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के भ्रष्टाचार की जांच नहीं कर रही है, चाहे वह कालेश्वरम (परियोजना) हो या भूमि घोटाला।अमित शाह ने तेलंगाना के लोगों को आश्वासन दिया कि अगर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो वह राज्य को भ्रष्टाचार से मुक्त करा देंगे। उन्होंने लोगों से राज्य से भाजपा को 12 लोकसभा सीटें देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में नहीं मनाते क्योंकि वे एमआईएम से डरते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बीजेपी ने तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने का फैसला किया है क्योंकि पार्टी मजलिस से नहीं डरती है। शाह ने दोहराया कि भाजपा तेलंगाना में मुस्लिम आरक्षण भी खत्म कर देगी और इसे एससी, एसटी और ओबीसी को दे देगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई लंबित समस्याओं का समाधान किया है। यह आरोप लगाते हुए कि कांग्रेस और बीआरएस राम मंदिर का निर्माण नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि पांच साल में पीएम मोदी ने केस जीता, मंदिर की आधारशिला रखी और इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाकर पीएम मोदी ने कश्मीर को हमेशा के लिए भारत में शामिल कर लिया। इस अवसर पर मेडक से भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव, मल्काजगिरी से पार्टी उम्मीदवार एटाला राजेंदर और पार्टी के अन्य नेता मौजूद थे।

पीएम मोदी तेलंगाना को भ्रष्टाचार से मुक्त करेंगे

मुस्लिम समुदाय को ओबीसी बनाने पर संवैधानिक विवाद

कर्नाटक सरकार को समन भेजेगा एनसीबीसी

बेंगलुरु, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में पूरे मुस्लिम समुदाय को आरक्षण का लाभ देने के लिए ओबीसी वर्ग में शामिल करने के राज्य सरकार के फैसले पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने गंभीर आपत्ति जताई है। एनसीबीसी इसे लेकर कर्नाटक के मुख्य सचिव को समन भेजने की तैयारी कर रहा है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने यह जानकारी दी। हंसराज अहीर ने कहा कि कर्नाटक में मुस्लिम धर्म की सभी जातियों और समुदायों को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा मानते हुए उन्हें पिछड़ा वर्ग के राज्य सूची में सेकेंड बी कैटेगरी के तहत अलग से बतौर मुस्लिम जाति शामिल किया गया है। हंसराज अहीर ने कहा कि इस वर्गीकरण की वजह से मुस्लिमों को शिक्षण संस्थानों और राज्य सेवा की नौकरियों में संविधान के अनुच्छेद 15 (4) और 16 (4) के तहत आरक्षण का लाभ मिलेगा। एनसीबीसी ने कहा कि सभी मुस्लिमों को ओबीसी वर्ग में आरक्षण देने से मुस्लिम समुदाय की विविधता और जटिलताओं की भी अनदेखी हुई है।

लोकसभा चुनाव का दूसरा चरण

13 राज्यों की 88 सीटों पर आज होगा मतदान

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में एक अलग माहौल बना हुआ है। पहले चरण के बाद दूसरे चरण के लिए राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। 26 अप्रैल का चुनाव कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शशि थरूर, रामायण सीरियल के राम अरुण गोविल के साथ-साथ हेमा मालिनी, ओम बिरला और गजेंद्र शेखावत के लिए काफी अहम है। यह सभी उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं और मतदान कल है।

हेमा मालिनी, ओम बिरला सहित कई भाजपा नेता अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से जीत की हैट्रिक लगाने की कोशिश करेंगे। दूसरे चरण का चुनाव शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को होने वाला है। 13 राज्यों की 88 सीटों पर चुनाव होना है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले चरण का चुनाव हुआ था, जिसमें 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों के लिए वोट पड़े थे। करीब 65.5 फीसदी मतदान हुआ था।

अब लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को केरल की सभी 20 सीटों, कर्नाटक की 28 में से 14 सीटों, राजस्थान की 13 सीटों, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ-आठ सीटों, मध्य प्रदेश की सात सीटों, असम तथा बिहार की पांच-पांच सीटों और छत्तीसगढ़ तथा पश्चिम बंगाल की तीन-तीन सीटों पर मतदान होना है। मणिपुर, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर में एक-एक सीट पर चुनाव होगा।

राहुल गांधी केरल के वायनाड से मौजूदा सांसद हैं। वे एक बार फिर चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, उन्हें सीपीआई के एनी राजा और भाजपा के के. सुरेंद्रन टक्कर दे रहे हैं। साल 2019 के चुनाव में राहुल गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीआई के पीपी सुनीर के खिलाफ सात लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी।इसके अलावा तिरुअनंतपुरम सीट पर कांग्रेस की चौथी बार जीत की उम्मीद की जा रही है। यहां से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर चुनावी मैदान में हैं। उन्हें भाजपा के केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाकपा के पन्नयन रवींद्रन के खिलाफ खड़ा किया गया है। मथुरा से 2014 से सांसद हेमा मालिनी कांग्रेस के मुकेश धनगर के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं।

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 23^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,190/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,295/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,339.44
+486.50 +0.66% ↑

एनएसई :22,570.35
167.95 (0.75%) ↑

मतदान जागरूकता के लिए ऑनलाइन फोटो कैम्पेनिंग आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा लोकसभा मतदान जागरूकता अभियान के तहत विषय आपका लेंस आपकी आवाज आपका वोट ऑनलाइन फोटो कैम्पेनिंग आयोजित की गई। जिसमें लोकतंत्र के सार को समझ कर मतदान का महत्व संदेश लिखा गया। समाज पर मतदान के प्रभाव को दर्शाती तस्वीरें तकनीकी तौर पर बनायी गई। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने वोट क्यों दें? के महत्व को समझाते हुए बताया कि लोकतंत्र में मतदान एक मौलिक अधिकार और जिम्मेदारी है। आपका वोट आपके समुदाय और देश के भविष्य को आकार देता है।

एक मजबूत, समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक वोट मायने रखता है। जो परिवर्तन आप देखना चाहते हैं उसका आरंभ खुद से करें। मतदान के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करें। आज का तकनीकी दौर है और सोशल मीडिया सबको बहुत प्रभावित करता है।

यह ध्यान में रखते हुए फोटोग्राफी के माध्यम से लोकतंत्र को बढ़ावा देने में सभी सदस्य एवं पदाधिकारी जुड़े। इस कार्य में अद्वितीय सहयोग तकनीकी गुर बेंगलूरु नॉर्थ की सहमंत्री एवं संयोजिका भाविका कोठारी का मिला। जिन्होंने अथक परिश्रम कर लगभग हर सदस्य के मतदान जागरूकता संदेश के साथ पोस्ट बनाये और साझा किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, रेशम पुनमिया, सहमंत्री पिंकी मेहता, कोषाध्यक्ष मधु कटारिया विशेष रूप से सहयोगी बनी। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने सभी को धन्यवाद दिया एवं सभी को मतदान केंद्र जाकर मतदान करने की प्रेरणा दी।

मुझे समर्थन दे मै सदैव आपके साथ रहूँगा: बोम्मई

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। हावेरी क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई कांतिलाल भंसाली अभिमानी सदस्यों द्वारा आयोजित जन संपर्क अभियान के तहत गदग तेरापंथ सभा भवन पहुंचे। वहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया। राजस्थानी समाज से मत याचना करते हुए उन्होंने कहा लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देकर मुझे भारी मतों से विजय बनाएं। मै हमेशा आप के समर्थन में रहूँगा और गदग हावेरी क्षेत्र के विकास के लिये कार्य करुंगा। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। गांव में रहने वाली गरीब माताओं से लेकर युवाओं के भविष्य व देश की सुरक्षा हर पहलू पर नरेंद्र मोदी कार्य कर रहे हैं। पीएम मोदी की लोकप्रियता सबसे बेहतर है। किसी से उनका मुकाबला नहीं है। बसवराज बोम्मई ने कहा देश के लिये जैसे सैनिक देशभक्ति, अनुशासन से कार्य करते है वैसे ही राजस्थानी समाज के कांतिलाल भंसाली पिछले चार दशकों से भारतीय जनता पार्टी के लिये कार्य कर रहे है। हुब्बल्ली के भवरलाल जैन व सुरेश कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन रमेश भंसाली ने किया। मंच पर पंकज बाफना, रूपचंद पारलेचा, सुरेश कोठारी, कांतिलाल भंसाली, भवरलाल जैन, रमेश राजपुरोहित उपस्थित थे। सैकड़ों की संख्या में राजस्थानी समाज के लोग उप-स्थित थे।

मैया शांकभरी का मंगलपाठ एवं कीर्तन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। माँ शाकंभरी सेवा समिति के तत्वावधान में मैया शांकभरी का मंगलपाठ एवं कीर्तन शिव संतोष टेकड़ीवाल के निवास राजराजेश्वरी नगर में बहुत ही धूमधाम से सम्पन हुआ।

सर्वप्रथम आयोजक परिवार की ओर से शिवकुमार संतोष, संदीप नेहा, सुमित रंगोली, कोमल, आशु, सभ्य, सौर्य, विदिशा, सार्थक टेकड़ीवाल एवं खुशबू, दृष्टि, अद्विक बंसल व अन्य भक्तों ने मैया का विधिवत पूजन कर ज्योत प्रज्वलित किया। पंडित श्री मृत्युंजय कटारे एवं अलका खेड़वाल ने संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। महेन्द्र स्वामी जयपुर, अनूप अग्रवाल, हरिकिशन सारडा, किशन बगड़िया, श्याम बगड़िया, बन्दना तुलस्यान, संजय चौधरी ने शांकभरी मैया व राणी सती दादीजी व अन्य देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुती देकर भक्तों को खूब झुमाया। इस अवसर पर चुनड़ी उत्सव, मेहँदी उत्सव, 56 भोग, सवामणी, प्रसाद अर्पण किया।

इस अवसर पर डॉ. विजयकुमार (अपोलो-बनरघट्टा रोड), बालकृष्ण, कमलेश धानुका, अनिल, सरिता शर्मा, शीतल अग्रवाल, संजय नोपानी, सिद्धार्थ नोपानी, पद्म भूदोलिया, विजय, सरिता अग्रवाल, श्री श्याम मन्दिर के संस्थापक सदस्य रेवतमल झँवर सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। माँ शांकभरी सेवा समिति की तरफ से बालकृष्ण धानुका एवं श्री दादी धाम प्रचार समिति की तरफ से प्रकाश चौधरी ने आये हुए सभी भक्तों का स्वागत व आभार प्रकट किया।

विभिन्न जगहों पर शुद्ध एवं शीतल जल सेवा का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा राहगीरों के लिए जगह जगह शुद्ध एवं शीतल जल सेवा का शुभारंभ किया गया। जिसमे 6 अलग अलग व्यापारिक क्षेत्र में वाटर डिस्पेंसर लगाए गए। अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि बेंगलूरु में बढ़ती गर्मी के वाता-वरण में कुछ ही दिनों में अलग अलग दस जगह पर दस वाटर डिस्पेंसर लगाए जायेंगे जिससे राहगीरों को शुद्ध एवं शीतल जल उपलब्ध हो सके। मानव सेवा के प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रमोद गुलेच्छा एवं गिरीश राकेचा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के मुख्य लाभार्थी कुशल राज, प्रमोद कुमार गुलेच्छा एवं फ्यूचर किचन सिंक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गौतमचंद एवं निकेश बाफना रहे। मंत्री विकास खटोड़ ने लाभार्थी परिवार की अनुमोदना करते हुए स्वागत एवं अभिनंदन किया। सहमंत्री हेमंत गुलेच्छा ने बताया कि अभी तक शाखा ने 6 अलग अलग व्यापारिक क्षेत्रों में वाटर डिस्पेंसर लगाए है, जिसमें जेसी रोड, सुधामनगर, एसपी रोड, चिकपेट में रोड, एवेन्यू रोड, ओल्ड तरुगपेट क्षेत्र में सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम के शुभारंभ में ट्रस्ट मंडल के मंत्री कुशल राज गुलेच्छा, शाखा चेयरमैन भरत रांका, सलाहकार ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष मनीष गु-लेच्छा, विकास पारेख, सहमंत्री हेमंत गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, गौतम कोठारी, अरुण भंसाली, नीलेश मेहता, उत्तम छाजेड, मनीष धारीवाल, गिरीश बोहरा, कुणाल भरकतिया, हेमंत कवाड़, सुरेश बाफना, अरविंद चोपड़ा, विनोद बाफना, तेजस छाजेड़ सहित शाखा के कई सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी शाखा के प्रचार मंत्री कल्पेश लुंकड़ ने दी।

समुदाय विशेष को लुभाने के लिए सीएम ने पिछड़े वर्ग के साथ किया ऐतिहासिक अन्याय: सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री वी. सुनीलकुमार ने आक्रोश व्यक्त किया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया चुपचाप राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को समुदाय विशेष को पिछड़े वर्गों की सूची में शामिल करने की सिफारिश करके पिछड़े वर्ग के साथ ऐतिहासिक अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा हमारे छात्रों और युवाओं की शैक्षिक और नौकरी आरक्षण हिस्सेदारी समुदाय विशेष के साथ साझा करने के अलावा, शहरी-ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनावों में पिछड़े वर्गों को समुदाय विशेष के साथ उनकी हिस्सेदारी भी साझा करने की कोशिश की जा रही हैं।

बताओ सिद्धरामैया, आप पिछड़े वर्ग से नाराज क्यों हैं? इसमें पिछड़े वर्ग का संवैधानिक अधिकार छीनकर मुसलमानों को देने की भ्रष्ट एवं तुष्टीकरण की राजनीति की साजिश निहित है। उन्होंने कहा कि इससे यह साबित हो गया है कि पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा के स्वघोषित चैंपियन सिद्धरामैया के लिए मुस्लिम वफादारी ओबीसी समुदाय से ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह ओबीसी समाज के प्रति मातृ हृदय दिखाने के बजाय सौतेला रवैया दिखा रहे हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि यदि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने समय रहते इस संबंध में आपत्ति नहीं जताई होती तो पिछड़ा वर्ग को भविष्य में जो कीमत चुकानी पड़ती वह काफी भयानक होती। समुदाय के प्रति इस ऐतिहासिक अन्याय से आपको क्या लाभ मिलता है?

आयोग को यह अनुशंसा करने से पहले आपने किससे चर्चा की? गुप्त निर्णय लेने का अधिकार किसने दिया?

एनसीबीसी कर्नाटक के मुख्य सचिव को करेगा तलब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने गुरुवार को कहा कि राज्य में मुस्लिम समुदाय को दिए गए पूर्ण आरक्षण को लेकर कर्नाटक के मुख्य सचिव को तलब किया जाएगा। एनसीबीसी ने आरक्षण उद्देश्यों के लिए पूरे मुस्लिम समुदाय को पिछड़ी जाति के रूप में वर्गीकृत करने के कर्नाटक सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि इस तरह का व्यापक वर्गीकरण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करता है। एनसीबीसी अध्यक्ष अहीर ने कहा कर्नाटक में मुस्लिम धर्म की सभी जातियों/समुदायों को नागरिकों का सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़ा वर्ग माना जाता है और उन्हें राज्य की पिछड़ा वर्ग सूची में श्रेणी आईआईबी के तहत अलग से मुस्लिम जाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उन्होंने कहा यह वर्गीकरण उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और राज्य की सेवाओं में पदों और रिक्तियों पर आरक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। एनसीबीसी ने इस बात पर जोर दिया है कि हालांकि मुस्लिम समुदाय के भीतर वास्तव में वंचित और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्ग हैं, पूरे धर्म को पिछड़ा मानने से मुस्लिम समाज के भीतर विविधता और जटिलताओं की अनदेखी होती है। अहीर ने कहा कि इस मामले पर राज्य सरकार से मिली प्रतिक्रिया संतोषजनक नहीं है और वह इस कदम पर स्पष्टीकरण देने के लिए कर्नाटक के मुख्य सचिव को बुलाएंगे। कर्नाटक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, मुस्लिम धर्म के भीतर सभी जातियों और समुदायों को पिछड़े वर्गों की राज्य सूची में श्रेणी आईआईबी के तहत सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। आयोग ने पिछले साल एक क्षेत्रीय दौरे के दौरान शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी के लिए कर्नाटक की आरक्षण नीति की जांच की।

जबकि कर्नाटक स्थानीय निकाय चुनावों में मुस्लिमों सहित पिछड़े वर्गों को 32 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है, एनसीबीसी ने एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया जो इन समुदायों के भीतर विविधता को ध्यान में रखे।

धार्मिक बाल शिक्षण एवं संस्कार शिविर की शुरुआत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कर्नाटक स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ एवं नवयुवक मण्डल के तत्वावधान में धार्मिक बाल शिक्षण एवं संस्कार शिविर का सामूहिक प्रार्थना एवं प्रभु स्तुति से शुभारंभ हुआ। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के मंत्री सुरेश धोका ने सभी शिविरार्थियों को संघ की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की। सभी बच्चों को बाल संस्कार शिविर में भाग लेने के लिए उनका उत्साह वर्धन किया। शिक्षक एवं अध्यापिका के साथ नवयुवक मण्डल का आभार जताया। इस अवसर पर माला बोहरा , संजय कचोलिया, वंदना चोपड़ा, रेखा भंडारी, दीपिका मांडोत, प्रभा गोलेच्छा, पिंकी मुथा, मधु देवड़ा ने अपनी सेवाए प्रदान की एवं नवयुवक मंडल के अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना के साथ साथ गौरव सुराना, आनंद धोका एवं शर्मा ने सहयोग प्रदान किया। शिविर का समापन 5 मई को होगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो/ मारुति मेडिकल्स द्वारा रामनवमी के उपलक्ष में राम उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पूजा अर्चना कर जय श्री राम के जयकारे लगाए जिससे माहौल भक्ति मय हो गया। इस अवसर पर छाछ, पानका एवं अन्न वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत, उत्तम चंद कोठारी, सिद्धार्थ बोहरा, किरण कोठारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आम जनता को मतदान के महत्व को समझाने के लिए जन जागृत हेतु गुरुवार को दक्षिण नाकोडा तीर्थ अरसीकेरे के प्रांगण में जागृती अभियान का आयोजन किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने सभी से आग्रह करते हुए कहा की मतदान मानव का जन्मसिद्ध एवं धर्मसिद्ध अधिकार है। अधिकार को बिना वजह बेकार गवाना नही चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मुस्लिम आरक्षण पर भ्रम पैदा कर रहे हैं मोदी: सीएम

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे की आलोचना कर भ्रम पैदा कर रहे हैं। राज्य में पहले सत्ता में रही भाजपा सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे वह भूल गई है कि उसने सुप्रीम कोर्ट में एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है कि वह मुस्लिम समुदाय के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण जारी रखेगी। बीदर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने मोदी की आलोचना की, जिन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस पार्टी एससी और एसटी को मिलने वाला आरक्षण मुस्लिम समुदाय को

देगी। उन्होंने कहा कि चिन्नप्पा रेड्डी आयोग की सिफारिश के अनुसार मुस्लिम समुदाय के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण 1994 से लागू किया गया है। राज्य में पिछले मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के कार्यकाल के दौरान यह आरक्षण वापस ले लिया गया था। मुस्लिम समुदाय ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान भाजपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर कहा था कि वह 4 फीसदी आरक्षण जारी रखेगी और यह आरक्षण अभी भी जारी है। हुब्बल्ली की छात्रा नेहा हीरेमथ की हत्या मामले की सरकार कड़ी निंदा करती है और आरोपियों को सजा दिलाने के लिए सीआईडी जांच तेज कर दी गई है। भाजपा इस मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपने की मांग कर रही है। क्या उनके कार्यकाल के दौरान कोई मामला सीबीआई को सौंपे जाने का कोई उदाहरण है? अपने पिछले कार्यकाल के दौरान मैंने मामले सीबीआई को सौंपे थे। भाजपा को पूछने का क्या नैतिक अधिकार है? इसमें राजनीति न करें। नेहा की हत्या के आरोपियों को कड़ी सजा देने के लिए सरकारी वकील से बात की है। सरकार ने आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि सीआईडी ने जांच कर ली है और आरोप पत्र तैयार करेगी। नेहा की हत्या की हमने निंदा की। अन्य पार्टियों को इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों को कड़ी सजा देने का मानक प्रयास कर रही है। कांग्रेस के घोषणापत्र में लोगों की संपत्ति जब्त कर संपत्ति बांटने की मोदी की आलोचना पर उन्होंने कहा कि मोदी ने अपने वादे पूरे नहीं किये हैं। सबके खाते में 15 लाख, 2 करोड़ रोजगार का सृजन, किसानों की आय दोगुनी, क्या मोदी ने जरूरी चीजों के दाम कम किए?

नुकसान को नियंत्रित करने के लिए सिद्धरामैया कर रहे नाटक: प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार शाम को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया राजनीतिक क्षति और नुकसान को नियंत्रित करने के लिए एमसीए छात्रा और कांग्रेस नेता की बेटी नेहा हीरेमथ की हत्या के संबंध में सहानुभूति दिखाकर नाटक कर रहे हैं। नेहा हिरेमठ की पिछले हफ्ते कॉलेज परिसर में एक युवक फैयाज कोंडिकोप्पा ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। उसका परिवार इसे लव जिहाद का मामला मान रहा है। नेहा की हत्या के छह दिन बाद कांग्रेस सरकार सहानुभूति दिखा रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को नेहा के परिवार के लिए वास्तविक चिंता नहीं है। अगर उन्हें वास्तविक चिंता होती, तो वह उस दिन उसके माता-पिता से बात करते जिस दिन घटना हुई थी। जब महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी

हेब्बालकर और श्रम मंत्री संतोष लाड उनके आवास पर आए तो सिद्धरामैया परिवार के सदस्यों से बात कर सकते थे। लेकिन, कानून मंत्री एच.के. पाटिल को बहुत बाद में भेजने और परिवार से बात करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हर परिवार नेहा हत्याकांड के बारे में बात कर रहा है। सरकार के आचरण और जिस तरह से मामले को संभाला गया, उसकी आलोचना की जा रही है। यह जानने के बाद कि मतदाता कांग्रेस के खिलाफ हो रहे हैं, सीएम और अन्य नेता परिवार के प्रति सहानुभूति दिखाकर नाटक कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा यह हिंदुओं और मुसलमानों के बारे में नहीं है। जहां भी अन्याय होगा हम अपनी आवाज उठाएंगे। हमने उसके परिवार को न्याय दिलाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा क्या भाजपा को हिंदुओं की हत्याओं पर आवाज नहीं उठानी चाहिए? कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति कर रही है और भाजपा पर आरोप लगा रही है।

सैम पित्रोदा का बयान निजी, भाजपा लोगों को कर रही गुमराह: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट किया है कि संपत्ति कर के संबंध में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत है और पार्टी में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है, न ही यह संभव है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा भाजपा हार के डर से हताश है। इस प्रकार, उन्होंने अनावश्यक विवाद पैदा करके लोगों का दिमाग भटकाने की कोशिश की है।

मैंने मीडिया में कहीं पढ़ा था कि पहले भाजपा सरकार में संपत्ति के स्वामित्व के निजीकरण और फिर उसके पुनर्वितरण की व्यवस्था लागू करने की चर्चा थी। हमारी पार्टी में ऐसी कोई चर्चा या निष्कर्ष नहीं निकला है। हमने

घोषणापत्र में जो वादा किया है, हम केवल उसके प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमने केवल उसी पर अमल किया है। सैम पित्रोदा का बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत है। एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं। वह उनका निजी बयान है और पार्टी इससे सहमत नहीं है। यह व्यवस्था वैसे ही जारी रहेगी जैसे परंपरागत रूप से अतीत में होती रही है। विरासत को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाया जाता है।

डीके शिवकुमार ने कहा कि विरासत में मिली संपत्ति ट्रांसफर होने पर टैक्स लगाना संभव नहीं है। भाजपा को हार का डर है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलसूत्र जैसे बयान देकर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी ने कहा था कि कांग्रेस मंगलसूत्र छीन लेगी और किसी और को दे देगी। मौजूदा हालात में सोने की कीमत में बढ़ोतरी को देखते हुए ऐसा माहौल है कि मंगलसूत्र नहीं बन पा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसे छीनकर किसी और को देने का मौका है। 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने तो सोने की कीमत 2,800 रुपये प्रति ग्राम थी। अब 75 हजार है। इस प्रकार 300 गुना बढ़ गया।

उन्होंने कहा कि क्या ऐसी स्थिति में गरीबों के लिए मंगलसूत्र बनाना संभव है। देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को 10 साल दिये। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ। चुनाव में भी विकास के मुद्दों पर चर्चा नहीं हो रही है। मंगलसूत्र और संपत्ति कर जैसे झूठे विचारों को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। बीजेपी को लोगों की राय का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्वीकार करना चाहिए। चुनाव के पहले चरण में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गठबंधन को तमिलनाडु की सभी 40 सीटें जीतने की संभावना है। उसके लिए बीजेपी संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग का दुरुपयोग किया जा रहा है।

बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में बुधवार को तीन-चार जगहों पर कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाकर इनकम टैक्स हमले किए गए। भाजपा पैसे नहीं बांट रही? क्या चुनाव आयोग, आयकर अधिकारियों को यह पता है? डीके शिवकुमार ने सवाल किया कि अब तक भाजपा के एक भी घर पर हमला क्यों नहीं हुआ। झूठी अफवाहें पैदा करने और दुष्कर्मों का महिमामंडन करने की कोशिश की जा रही है। जैसा कि अपने घोषणापत्र में वादा किया गया था, कांग्रेस पार्टी ने महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपये, बेरोजगार युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ 1 लाख रुपये का छात्र वजीफा, 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, शहरी क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने का वादा किया है। कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश में जैसा कहा था वैसा ही किया है। पंचखत्रियों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया।

उन्होंने कहा कि वह देश में भी घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

14 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान आज

चुनाव कर्मचारी मतदान केंद्रों पर पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चुनाव कर्मचारी और सुर-क्षाकर्मी गुरुवार दोपहर दक्षिण कर्नाटक के 14 लोकसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर पहुंच गए, जहां शुक्रवार को मतदान होगा। सुबह चुनाव कर्मचारी संबंधित लोकसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर एकत्र हुए और वोटिंग मशीनों और अन्य सामग्रियों के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों की ओर रवाना हुए। उडुपी-चिक्कमगलूरु, हासन, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, मांड्या, मैसूरु, चामराजनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, बेंगलूरु उत्तर, बेंगलूरु सेंट्रल, बेंगलूरु दक्षिण, चिक्कबल्लापुर और कोलार निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 30,602 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों को मतदान केंद्र से 200 मीटर की दूरी पर अपना अस्थायी कार्यालय स्थापित करने की अनुमति दी है।

वोट करें और होटल में नि:शुल्क भोजन प्राप्त करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकसभा चुनाव में लोग बड़ी संख्या में मतदान करें और सही उम्मीदवार का चुनाव करें, इसके लिए कई तरह से मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। देखा जा रहा है कि कुछ लोगों ने अपने वैवाहिक कार्यक्रमों में भी मतदान के अधिकार के प्रति जागरूकता पैदा की है। हालांकि बेंगलूरु के एक होटल ने वोट देने वालों को मुफ्त नाश्ता देने की पेशकश की है। मतदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए शहर के निसर्ग होटल के मालिकों ने मतदाताओं को मुफ्त नाश्ता उपलब्ध कराने का फैसला किया है। पहले चरण में बेंगलूरु समेत 14 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। इस दिन मतदान करने के बाद होटल आकर अपना वोटर आईडी दिखाने पर लोगों को मुफ्त बटर डोसा, मीठा खाना और कोल्ड ड्रिंक दिया जाएगा। चुनाव आयोग की अनुमति से रियायती दरों पर भोजन, नाश्ता और मुफ्त सेवा की अनुमति है। नृपतुंगा रोड पर निसर्ग होटल इसका उपयोग मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कर रहा है। निसर्ग होटल के मालिक कृष्णा राज ने कहा कि यह सामाजिक सरोकार वाला गैर राजनीतिक कार्यक्रम है, वोट करें और खाएं। जिला प्रशासन ने चिक्कमंगलूरु और कोडागु जैसी जगहों पर होटल और होम स्टे बंद करने के आदेश जारी किए हैं। लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। शुक्रवार को कर्नाटक में पहले चरण का मतदान है और शनिवार को अप्रैल का चौथा शनिवार है। चूंकि शुक्रवार और शनिवार सार्वजनिक अवकाश हैं और रविवार भी छुट्टी है, इसलिए यह तीन दिन की छुट्टी हो जाती है। कुछ लोगों ने गुरुवार को ही बेंगलूरु शहर से बाहर घूमने की योजना बनाई क्योंकि उन्हें लगातार छुट्टियां मिल रही हैं। हालाँकि, इसे रोकने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं और यह सराहनीय कार्य है कि बेंगलूरु में होटल मालिक भी इसके प्रति जागरूक हो रहे हैं।

राहुल गांधी अपनी बेनामी संपत्ति बांटें: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। संपत्ति के बंटवारे के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बसवराज बोम्मई ने बुधवार शाम को वायनाड के सांसद से कहा कि वह पहले अपनी बेनामी संपत्ति का वितरण करें। बोम्मई ने हावेरी में एक अभियान के दौरान बोलते हुए कहा, राहुल गांधी ने देश की संपत्ति के बंटवारे के बारे में बात की है।

राहुल गांधी, पहले आप अपनी बेनामी संपत्ति बांटें। बोम्मई ने कहा कि भाजपा ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पीएम उम्मीदवार घोषित किया है, लेकिन कांग्रेस ने वायनाड के सांसद का नाम नहीं बताया है क्योंकि राहुल गांधी एक अक्षम नेता हैं। उन्होंने कहा देश में मोदी सुनामी है क्योंकि वह एक सक्षम नेता रहे हैं। कांग्रेस पार्टी का जन्म

झूठ से हुआ है। अगर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो पार्टी खत्म हो जाएगी। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि संविधान ने धर्म आधारित आरक्षण को खारिज कर दिया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के तहत इसका समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा चुनाव के दौरान किसी को भी समाज में भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने बुधवार को राहुल गांधी के धन पुनर्वितरण वादे की आलोचना करते हुए कहा था कि केवल कोई व्यावहारिक ज्ञान न रखने वाला व्यक्ति ही ऐसा बोल सकता है। वह एक क्रांति का सपना देख रहे हैं। उन्होंने आर्थिक उदारीकरण में पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा धन पुनर्वितरण के बारे में बात करके, राहुल गांधी ने दो कांग्रेस प्रधानमंत्रियों का अपमान किया है, जिन्होंने बाजार में सुधार लाए और देश की संपत्ति में वृद्धि की। गांधी पर परोक्ष रूप से यह कहने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कि दोनों कांग्रेस प्रधानमंत्रियों ने जो किया वह गलत था, गौड़ा ने कहा, उन्होंने (राहुल गांधी) उनके आर्थिक सुधारों को फाड़ दिया है जैसे उन्होंने एक अध्यादेश को फाड़ दिया था। 90 वर्षीय जद (एस) सुप्रीमो ने कांग्रेस के घोषणापत्र का मजाक उड़ाते हुए दावा किया कि केवल वही पार्टी जो कभी सत्ता में नहीं आने को लेकर आश्वस्त है, इतने सारे वादे कर सकती है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बहुत सारे वादे किए हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र 'न्याय पत्र' से कुछ बिंदुओं को उठाते हुए, गौड़ा ने कहा कि राहुल गांधी '30 लाख नई केंद्र सरकार की नौकरियां देना चाहते हैं और इस देश को चलाना चाहते हैं। केवल 40 लाख स्वीकृत नौकरियाँ हैं। वह रातोरात 30 लाख से अधिक नौकरियाँ कैसे पैदा कर सकते हैं?

पहले चरण के चुनाव में 2,88,19,342 मतदाता करेंगे मतदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के पहले चरण की 14 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान होगा और 2,88,19,342 मतदाताओं को वोट देने का अधिकार मिला है। जिसमें 1,44,17,530 पुरुष, 1,43,87,585 महिला, 3,057 अन्य, 11,160 सर्विस वोटर शामिल हैं। 14 लोकसभा क्षेत्रों में 30,602 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुरपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव

सहित लोकसभा चुनाव में बायीं तर्जनी पर अमिट स्याही लगाई जाएगी। मतदाता पहचान पत्र और चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता पर्ची दिखाकर मतदान किया जा सकता है। यदि मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है तो विकल्प के तौर पर फोटोयुक्त अन्य भौतिक पहचान पत्र दिखाकर मतदान किया जा सकता है। आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक, डाकघर पास बुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य सरकारों, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के कर्मचारियों, सांसद, विधायक, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा जारी पहचान पत्र और भारत सरकार द्वारा जारी अद्वितीय विकलांगता कार्ड प्रस्तुत करके किया जा सकता है।

प्री-मानसून बारिश की कमी के बीच भीषण गर्मी बढ़ी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक तरफ जहां राज्य में प्री-मानसून बारिश की कमी है, वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी बढ़ गयी है और लोग बिलबिला रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है और लोग बेहाल हैं। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार है। रायचूर में सबसे ज्यादा 41 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल बारिश की संभावना बहुत कम है और तापमान और बढ़ने की संभावना है। पिछले आठ दिनों से मलनाडु और उत्तरी कर्नाटक समेत कुछ जगहों पर छिटपुट हल्की बारिश दर्ज की गई। लेकिन व्यापक वर्षा न होने के कारण वातावरण में नमी कम है। इसलिए दिन में धूप के साथ-साथ गर्म हवा ने भी लोगों को बेहाल कर दिया है। राजधानी बेंगलूरु में अधिकतम

तापमान 37 डिग्री सेल्सियस है। राज्य के अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस है। कल्याण कर्नाटक भाग में औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार, मांड्या में 39, चिंतामणि में 38.1, दावणगेरे में 38.5, चित्रदुर्ग में 38, चामराजनगर में 38, बेंगलूरु में 37, कोप्पल में 39.7, कलबुर्गी में 40.6, गदग में 38.2, बागलकोट में 40, विजयपुर में 39, कारवार में 37.1 और शिराली में 37.5 डिग्री दर्ज किया जा रहा है।

महिला का अपहरण, सामूहिक बलात्कार, पांच गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में एक चौंकाने वाले मामले में 23 वर्षीय एक महिला का अपहरण कर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता का पांच लोगों ने अपहरण कर लिया और फिर एक सुनसान जगह पर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया।

आरोपियों द्वारा पीड़िता को बेरहमी से प्रताड़ित भी किया गया। पीड़िता के परिवार की शिकायत के बाद हाई ग्राउंड्स पुलिस ने बलात्कारियों को गिरफ्तार कर लिया। बेंगलूरु में लोकसभा चुनाव से एक दिन पहले यह घटना सामने आई है।

चीन से बात कर रही तिब्बत की निर्वासित सरकार

धर्मशाला, 25, अप्रैल (एजेंसियां)।

तिब्बत की निर्वासित सरकार पर्दे के पीछे चीन की सरकार से बात कर रही है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि दोनों ही पक्ष लंबे समय से अटकी पड़ी द्विपक्षीय बातचीत को फिर से शुरू करने के इच्छुक हैं। तिब्बत के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाई लामा और चीन की सरकार के बीच पहले भी बातचीत हो चुकी है, लेकिन तिब्बत में चीन विरोधी प्रदर्शनों और चीन की तिब्बत के प्रति कट्टर सोच के चलते वह बातचीत बेनतीजा समाप्त हो गई थी। उसके बाद से दोनों पक्षों में कोई बातचीत नहीं हुई थी।

भारत से भी मुखर होने को कहा

भारत के धर्मशाला में चल रही तिब्बत की निर्वासित सरकार सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) के प्रधानमंत्री पेंपा शेरिंग ने चीन के साथ अनौपचारिक बातचीत चलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि उनके वार्ताकार चीन के लोगों से बात कर रहे हैं, लेकिन अभी इस बातचीत से कोई नतीजा निकलने की उम्मीद करना गलत है। शेरिंग ने बताया कि हम बीते साल से पर्दे के पीछे बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी इससे उम्मीद करना बेमानी है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। मेरे वार्ताकार चीन के लोगों से बात कर रहे हैं। सीटीए के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने बताया कि चीन के साथ बातचीत ही तिब्बत मुद्दे का समाधान कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा पर जो तनाव चल रहा है, उससे तिब्बत का मुद्दा भारत में फिर से चर्चा में आ गया है। तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री शेरिंग ने कहा कि भारत की विदेश नीति अब काफी प्रभावी हो गई है। दुनियाभर में भारत का प्रभाव भी बढ़ा है। ऐसे में हम चाहते हैं कि भारत, तिब्बत के मुद्दे को लेकर ज्यादा मुखर होकर बात करे।

गौरतलब है कि साल 2002-2010 के बीच भी तिब्बत के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीन की सरकार के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई थी। यह बातचीत नौ दौर तक चली थी, लेकिन इसमें कोई नतीजा नहीं निकल सका। उसके बाद से दोनों पक्षों में बातचीत पूरी तरह से बंद थी। तिब्बत में साल 1959 में चीन के खिलाफ हुए विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा भागकर भारत आ गए थे, जहां धर्मशाला में उन्होंने तिब्बत की निर्वासित सरकार का गठन किया। दलाई लामा का आरोप है कि तिब्बत में चीन की सेना प्रताड़ना कर रही है। वहीं चीन का आरोप है कि दलाई लामा अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त हैं। हालांकि अब दलाई लामा ही साफ कर चुके हैं कि वह चीन से पूरी तरह से आजादी नहीं मांग रहे हैं और सिर्फ चाहते हैं कि उनकी सरकार को तिब्बत में स्वायतत्ता मिले।

आखिर सच कबूलना पड़ा पाकिस्तान को

रावी के पानी पर हक भारत का है

इस्लामाबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

रावी नदी के पानी को लेकर पाकिस्तान भारत से बार-बार उलझता रहा है। लेकिन अब पहली बार पाकिस्तान की सरकार ने संसद में माना है कि रानी नदी के पानी पर पूरा हक भारत का है।

यह सच सार्वजनिक तौर पर स्वीकारने को बाध्य होने के बाद पाकिस्तान के कानून मंत्री ने संसद में बयान दिया है कि रावी के पानी पर भारत का पूरा हक बनता है। कानून मंत्री आजम नजीर तरार का कहना है कि ऐसा वे सिंधु जल संधि की शर्तों के हिसाब से कह रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि में अनेक महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के अतिरिक्त नदीके पानी को लेकर भी स्पष्ट निर्देश हैं जिन्हें मानने में पड़ोसी इस्लामी देश आनाकानी ही करता रहा है। इससे उसके हाथ कुछ नहीं आया इसलिए आखिरकार उसे सच स्वीकारना पड़ा और सार्वजनिक रूप से कहना पड़ा कि रावी के पानी पर पूरा हक भारत का है।

संधि का हवाला देते हुए तरार ने कहा कि इसके हिसाब से पाकिस्तान कानूनन अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भारत की जल आक्रामकता के विरुद्ध अपील नहीं कर सकता। उन्होंने यह बयान संसद में तब दिया जब भारत को लेकर चल रही चर्चा में एक ध्यानाकर्षण नोटिस पर बहस चल रही थी। कानून मंत्री को बताना पड़ा कि पाकिस्तान तथा भारत के बीच जल संधि की व्यवस्था है। इसके तहत रावी नदी के पानी पर भारत का हक है। पाकिस्तान इसमें कोई दखल नहीं दे सकता। तरार का यह कहते हुए दर्द छलका कि वे इस विषय में भारत के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में नहीं जा सकते। तरार यह कहना नहीं भूले कि पाकिस्तान किशनगंगा हाइड्रो इलैक्ट्रिसिटी प्रोजेक्ट के मामले में सफल रहा है। पाकिस्तान के एक

चैनल ने यह दावा किया है कि शाहपुर कंडी बराज के पूरा होने के साथ ही भारत ने पाकिस्तान की ओर जाता रावी का पानी रोका है। यह शाहपुर कंडी बराज पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बना है। उल्लेखनीय है कि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच यह सिंधु जल संधि हुई थी। इसके अंतर्गत रावी, सतलज तथा व्यास नदियों के पानी पर भारत का दावा है। हालांकि पाकिस्तानी संसद के निचले सदन में इस बारे में बहस का नोटिस देने वाले पीटीआई के जरताज गुल को तरार की बात सुनकर तैश भी आया। गुल ने तरार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आखिरकार आज कानून मंत्री ने उस नदी के पानी पर भारत का हक मान ही लिया; यह बहुत मलाल की बात है।

पीटीआई के नेता गुल की बात पर प्रतिक्रिया करते हुए कानून मंत्री तरार ने बस इतना कहा कि कानून से जुड़े विषयों को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखना ही बेहतर है। तरार ने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि पर हालांकि दोनों देशों ने 1960 में दस्तखत किए थे, लेकिन अब भारत चाहता है वह इससे बाहर हो जाए। लेकिन उसे ऐसा करने से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने रोका है।

एससी-एसटी निर्णायक होंगे जम्मू लोकसभा सीट पर

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 25 अप्रैल।

जम्मू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जम्मू और कश्मीर के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति के वोटों की सबसे बड़ी संख्या है। वर्ष 2011 की जन-गणना के अनुसार तीन जिलों में अनुसूचित जाति की आबादी 2,283,876 व्यक्तियों की कुल आबादी का 22.75 परसेंट है। अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 9.24 परसेंट है। कुल मिलाकर वे 32 परसेंट हैं और प्रभाव रखते हैं। ऐसे में राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि एससी और एसटी इस लोकसभा सीट पर निर्णायक कारक हो सकते हैं।

यह सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है। सबसे पुरानी पार्टी ने 1962, 1967, 1971 (इंद्रजीत मल्होत्रा), 1980 (गिरधारी लाल डोगरा), 1984, 1989 (जनक राज गुप्ता), 1996 (मंगत राम शर्मा), 2004 और 2009 (मदन लाल शर्मा) में निर्वाचन क्षेत्र जीता। भाजपा ने इसे 1998 और 1999 (वैद विष्णु दत्त शर्मा), 2014 और 2019 (जुगल किशोर) में जीता। 1977 में ठाकुर बलदेव सिंह ने इसे निर्दलीय के रूप में जीता और 2002 के उपचुनाव में नेशनल कांफ्रेंस के चौधरी तालिब हुसैन ने इसे जीता। 1991 में आतंकवाद के कारण जम्मू-कश्मीर में आम चुनाव नहीं हुए।

जम्मू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र, जो जम्मू, सांबा और रियासी के तीन जिलों के अलावा राजौरी जिले के कालाकोट विधानसभा क्षेत्र में फैला हुआ है, जो मुख्य रूप से एक हिंदू हृदय भूमि है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले का गवाह बनने के लिए तैयार है। इस निर्वाचन क्षेत्र में एक दर्जन निर्दलीय सहित कुल 22 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें 17,81,545 मतदाता हैं, जिनमें 9,21,462 पुरुष, 8,60,055 महिलाएं और 28 ट्रांस-जेंडर शामिल हैं। जबकि नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लाक के सदस्य होने के नाते, अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं और गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) और सैयद अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी भी निर्वाचन क्षेत्र में उनकी कमजोर स्थिति का हवाला देते हुए प्रतियोगिता से से दूर रही हैं।

हालांकि, राजनीतिक पंडित डीपीएपी और अपनी पार्टी की मैदान में अनुपस्थिति को भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर को समर्थन देने के स्पष्ट प्रयास के रूप में देखते हैं। यहां यह कहा जा सकता है कि नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस अक्सर आजाद की डीपीएपी, बुखारी की अपनी पार्टी और सज्जाद लोन की पीपुल्स कांफ्रेंस पर जम्मू कश्मीर में भाजपा के प्रतिनिधि होने का आरोप लगाते हैं। राजनीतिक जमीन पर पहेली बिल्कुल स्पष्ट होने के साथ, भाजपा के निवर्तमान सांसद जुगल किशोर और कांग्रेस उम्मीदवार रमन भल्ला के बीच सीधा मुकाबला होने की उम्मीद की जा रही है।

केजरीवाल प्रकरण में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

कानून तोड़ने वाला नेता और अपराधी में कोई फर्क नहीं

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की एक याचिका का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। उसने बुधवार को दाखिल हलफनामे में दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में केजरीवाल को मुख्य साजिशकर्ता बताया है। साथ ही केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कई समन जारी किए जाने के बावजूद उन्होंने सहयोग नहीं किया है।

ईडी ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका का विरोध करते हुए कहा है कि केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के मंत्रियों, आप नेताओं और अन्य लोगों की मिलीभगत से धन शोधन के अपराध को अंजाम देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। वहीं, हलफनामे में यह भी कहा गया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को नौ बार समन देकर बुलाया गया था, लेकिन वो पेश नहीं हुए।

गौरलतब है कि केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और हिरासत को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए ईडी को 24 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि मामले की सुनवाई 29 अप्रैल से शुरू हो रहे सप्ताह में होगी।

हलफनामे में कहा गया कि सामग्री के आधार पर अपराध करने के लिए किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी, चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो, कभी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा का उल्लंघन नहीं कर सकता। गिरफ्तारी के मामले में एक राजनेता के साथ एक सामान्य अपराधी से अलग व्यवहार करना मनमाना होगा और गिरफ्तारी की शक्ति का उल्लंघन होगा।

हलफनामे में कहा गया कि आईओ के पास मौजूद सामग्री से यह पुष्टि हुई है कि वह मनी लॉन्ड्रिंग मामले के दोषी हैं।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के भाषणों पर चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पीएम मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषणों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक दोनों पार्टियों से जवाब मांगा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी और धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के नाम पर लोगों के बीच नफरत फैलाने और अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

चुनाव आयोग ने इस मामले में जन प्रतिनिधि कानून की धारा 77 की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए स्टार प्रचारकों के आचरण के लिए पार्टी अध्यक्षों को जिम्मेदार माना है और दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने 29 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक नोटिस का जवाब देने का

निर्देश दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को अपने उम्मीदवारों, स्टार प्रचारकों के आचरण की जिम्मेदारी लेनी होगी। खासकर शीर्ष पदों पर बैठे लोगों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान ऐसे भाषण और भी चिंताजनक है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।दरअसल पीएम मोदी ने बीते दिनों राजस्थान में एक रैली के दौरान कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह लोगों की सम्पत्ति को घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों में बांट देगी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के एक पुराने बयान का जिक्र किया, जिसमें मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यक समुदाय का है। इस मामले में कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से अपील की थी कि पीएम मोदी का बयान विभाजनकारी और दुर्भावनापूर्ण है और यह आचार संहिता का साफ उल्लंघन है। कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग से 140 पेज में 17 शिकायतें की।

भाजपा ने भी 22 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी देश में गरीबी बढ़ने का झूठा वाद कर रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि राहुल गांधी ने भाषा और क्षेत्र के आधार पर देश में विभाजन पैदा करने और चुनावी माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की।

बहुमंजिला भवनों को उड़ाने वाली तकनीक हासिल कर रहे नक्सली

सीआरपीएफ ने बरामद किए 3000 शॉक ट्यूब डेटोनेटर

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की झारखंड के तैनात 172वीं बटालियन ने नक्सलियों के कब्जे से शॉक ट्यूब डेटोनेटर का जखीरा बरामद किया है। इस तरह के डेटोनेटर की संख्या तीन हजार से ज्यादा बताई जा रही है। शॉक ट्यूब डेटोनेटर, इस तकनीक का इस्तेमाल बहुमंजिला बिल्डिंगों को उड़ाने के लिए किया जाता है। अब यही तकनीक नक्सली हासिल कर रहे हैं। इसके माध्यम से किया गया ब्लास्ट इतना शक्तिशाली होता है कि वह बड़ी मात्रा में कंक्रीट की मोटी परत को भी तोड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, नक्सलियों के कब्जे से जो शॉक ट्यूब डेटोनेटर बरामद हुए हैं, उन पर तालेगांव जिला वर्धा महाराष्ट्र का पता लिखा है।

सीआरपीएफ ने चाईबासा के कोलहान जंगलों से शॉक ट्यूब डेटोनेटर बरामद किए हैं। अगस्त, 2022 में नोएडा स्थित सुपरटेक ट्विन टॉवर को गिराने के लिए शॉक ट्यूब डेटोनेटर तकनीक इस्तेमाल में लाई गई थी। इस तकनीक के माध्यम से 40 मंजिल वाले ट्विन टावरों को धराशाई करने में सिर्फ 9 सेकंड का समय लगा था। शॉक ट्यूब एक प्लास्टिक ट्यूब होती है। इसके अंदर अंदर प्रतिक्रियाशील पाउडर की एक पतली परत लगी होती है। यह प्रतिक्रियाशील पाउडर आमतौर पर एचएमएक्स (एक उच्च विस्फोटक) और एल्यूमीनियम का मिश्रण होता है।

शॉक ट्यूब से शॉक-वेव शेल में प्रवेश करती है। इसके बाद आइसोलेशन कप के माध्यम से वह फट जाती है। प्राथमिक चार्ज प्रज्वलित होने के बाद वह बेस चार्ज को विस्फोटित करता है। संपूर्ण विस्फोट आरंभ करने के लिए एक सतह कनेक्टर ब्लॉक का भी उपयोग किया जाता है। गैर-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक शॉक ट्यूब के अलावा और कुछ नहीं है।

इसकी मदद विस्फोट शुरू करने के लिए ली जाती है। यह सुरक्षित होता है, इसमें टाइम को आगे पीछे किया जा सकता है। खदानों में चट्टानों को नष्ट करने के लिए इसी तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

डेटोनेटर को केवल एक क्लिप की मदद से तुरंत जोड़ा जा सकता है। यह प्रक्रिया इतनी आसान है कि गैर-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के उपयोग से, पूरे विस्फोट सर्किट का कनेक्शन समय, सामान्य समय के पांचवें हिस्से तक कम हो जाता है। साथ ही इसे बिना किसी प्रतिबंध के डर के लाइन-टू-लाइन विलंब किया जा सकता है। हालांकि शॉक ट्यूब बेहद मजबूत होती है, लेकिन इसे काटा या विभाजित किया जाता है, तो यह नमी के संपर्क में आ सकती है। इसके चलते मिसफायर की संभावना बन जाती है।

सबरीमाला एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण अधिसूचना पर रोक

तिरुअनंतपुरम, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

केरल में मुख्यमंत्री पिनारई विजयन की सरकार ने सबरीमाला ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने को लेकर जो अधिसूचना जारी की उस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बाद फिलहाल राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण को लेकर आगे की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। अदालत ने आयाना चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से दाखिल याचिका पर गुरुवार को आदेश पारित किया।

प्रस्तावित सबरीमाला ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण अधिसूचना की वैधता को चुनौती देने वाले ट्रस्ट की याचिका में एयरपोर्ट निर्माण के लिए नामित चेरुवली एस्टेट के निर्विवाद स्वामित्व का दावा किया गया था।

जस्टिस विजू अब्राहम की पीठ से पारित स्थगन आदेश में जमीन के मालिकाना हक निर्धारित करने की प्रक्रिया की वैधता पर सवाल खड़े किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल मार्च में सरकार ने 441 खातेदारों की एक हजार हेक्टेयर से अधिक जमीन अधिग्रहण करने के बाद अधिसूचना जारी की थी। प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं के कारण आगे की कार्रवाई रोक दी गई थी।

मुस्लिम वन गुज्जरों की घुसपैठ कराने की साजिश

तराई के जंगलों में दिखे अवैध डेरे

देहरादून, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के जंगलों में एक बार फिर एक सोचे समझे षड्यंत्र के तहत मुस्लिम वन गुज्जरों को बसाने का अभियान तेज किया गया है। इस षड्यंत्र में कुछ एनजीओ, मुस्लिम संगठन के लोग शामिल बताए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में सत्तर फीसदी जंगल है जहां हजारों की संख्या में मुस्लिम वन गुज्जर अपनी घुसपैठ कर चुके हैं, इनमें ज्यादातर अवैध कब्जे किए हुए हैं।

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर और नैनीताल जिले के जंगलों में मुस्लिम गुज्जरों ने सैकड़ों हैक्टेयर सरकार की जंगल भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है, कब्जाई गई जमीन पर मस्जिद मदरसे खोल दिए गए हैं, जिनकी अनुमति जिला प्रशासन से नहीं ली गई है। इन मस्जिद मदरसों में जमीयत से जुड़े मौलवी आकर उर्दू अरबी की तालीम दे रहे हैं। खास बात ये है कि पुलिस की खुफिया रिपोर्ट के बावजूद वन विभाग इस मामले में कारगर कार्रवाई नहीं कर रहा। जबकि सीएम धामी बार बार विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देशित कर चुके हैं कि जंगलों से अवैध कब्जे हटाए जाएं।

उत्तराखंड के तराई क्षेत्र के तराई सेंट्रल, तराई पूर्वी और तराई पश्चिमी फॉरेस्ट डिवीजन के घने जंगलों में मुस्लिम गुर्जरों ने अवैध रूप से कब्जे कर हजारों हेक्टेयर सरकारी वन भूमि पर खेती करनी शुरू कर दी है। तराई ही नहीं हरिद्वार, देहरादून, राजा जी पार्क, कालसी, चकराता त्यूनी, वन प्रभागों में भी मुस्लिम वन गुज्जरों के अवैध कब्जे सामने आए

हैं। अभी हाल ही में मुस्लिम वन गुज्जरों के लिए पैरवी करने वाली एक संस्था ने उत्तराखंड सरकार को एक पत्र लिख कर खटीमा क्षेत्र में तराई केंद्रीय वन प्रभाग के किलापुर रेंज और टांडा क्षेत्र में सत्तर मुस्लिम वन गुज्जर परिवारों को बसाने के लिए दबाव बनाना शुरू किया है। मुस्लिम गुज्जर ट्राइबल वेलफेयर सोसाइटी नाम की संस्था जंगलों में वन गुज्जरों के अवैध कब्जों की पैरवी के लिए पत्राचार कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कुछ समय पहले पुलिस के खुफिया विभाग ने एक रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें वन भूमि पर अवैध कब्जे किए जाने की जानकारी के साथ साथ अवैध रूप से बनी मस्जिद मजारों मदरसे और अन्य धार्मिक संस्थाओं का भी जिक्र किया गया था।

सीएम धामी ने इस सूचना को वन विभाग के उच्च अधिकारियो के सामने रखा तो उसके बाद वन महकमे में कुछ दिन तो सरसराहट हुई फिर खामोश हो गया, ऐसा माना गया कि सीएम धामी के निर्देशों को एक खास आईएफएस लॉबी अनसुना करने में लगी है। इसी बीच लोकसभा चुनाव घोषित हो गए और ये अभियान अभी रोक देना पड़ा है।

बताया जाता है कि बहुत बड़ी संख्या में मुस्लिम गुज्जरों ने अपनी जमीन के एक बड़े हिस्से को यूपी हरियाणा के मुस्लिम गुज्जरों को सौ-सौ रुपए के स्टांप पेपर पर बेच डाला है और खुद अपने जानवर लेकर पहाड़ों की तरफ पहले की तरह आने जाने लगे हैं। क्योंकि इन्हें जंगलों में जानवर ले जाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। इन्होंने पहाड़ो में भी अब अपने स्थाई डेरे बना लिए हैं। इन डेरो में जमीयत के लोगों का आना जाना है। वहां मस्जिद मदरसे खुल गए हैं और इस्लामिक तालीम और अन्य गतिविधियां चल रही हैं।

अलका राय, पूजा और जया पाल के मंगलसूत्र का हिसाब दे सपा: योगी

इटावा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को समाजवादी पार्टी के गढ़ में अपने तेवर में दिखे। उन्होंने सपा सरकार में हुई हत्याओं का हिसाब मांगा। सीएम योगी ने दिवंगत विधायक कृष्णानंद राय, राजू पाल व अधिवक्ता उमेश पाल की नृशंस तरीके से की गई हत्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अलका राय, पूजा पाल, जया पाल और कारसेवकों की पत्नियों के मंगलसूत्र का हिसाब समाजवादी पार्टी कब देगी। सपा नेत्री जवाब दें, माफिया के द्वारा गाजीपुर में भाजपा के विधायक कृष्णानंद राय के साथ मारे गए छह लोगों की विधवाओं का क्या हुआ। सपा सरकार में पाले गए माफिया ने विहिप के अंतरराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नंदकिशोर रूंगटा की अपहरण कर निर्मम हत्या कर दी थी। उनकी विधवा का क्या हुआ। सपा ने अपने कृत्यों पर कभी पश्चाताप नहीं किया। यह देश की कीमत पर राजनीति करना चाहते हैं और भाजपा देश के लिए राजनीति करती है।

योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जसवंत नगर में जनसभा को संबोधित किया और जयवीर सिंह के पक्ष में मतदान की अपील की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में जिन रामभक्तों का लहू सपा सरकार ने बहाया था। उन नौजवानों की विधवाओं के मंगलसूत्र पर सपा नेत्री जवाब कब देंगी। उन्होंने सपा के परिवारवाद पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या परिवार के बाहर सपा को कोई यदुवंशी कार्यकर्ता नहीं मिला, जिसे वे सदन में भेज सकें। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कुदृष्टि मां-बहनों के मंगलसूत्र पर है। माताएं-बहनें एक-एक पैसा जोड़कर स्त्रीधन के रूप में जेवर मंगलसूत्र, लॉकेट, गले का हार खरीदती हैं। यही हमारी मां- बहनों की अमानत होती है, जिसे वह अपनी आने वाली पीढ़ियों (बेटी-बहू) को विरासत में देती हैं। कांग्रेस की निगाह मां-बहनों की अमानत पर है। सीएम योगी ने कहा कि

कर्नाटक के अंदर कांग्रेस की सरकार ने कल कहा कि ओबीसी के आरक्षण में 32 फीसदी मुस्लिमों को दे दिया है। कांग्रेस पिछड़ी जाति के आरक्षण को बांटने का कार्य कर रही है। यह पहली बार नहीं हो रहा, जब कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और सपा-बसपा यूपीए का समर्थन कर रही थी। उस समय भी पिछड़ी व अनुसूचित जाति के आरक्षण में कटौती कर मुसलमानों को देने का प्रयास किया गया था। कांग्रेस फिर कह रही है कि आएंगे तो देश के संसाधनों पर फिर से मुसलमानों के अधिकार की वकालत करेंगे। वह यह नहीं बता रहे हैं कि भारत के हिंदू, पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति के लोग कहां जाएंगे।

सीएम योगी ने सैम पित्रोदा के बयान का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस के सलाहकार का कहना है कि कांग्रेस की सरकार आएगी तो विरासत टैक्स लगाएगी। यह टैक्स आपके बाप-दादा की संपत्ति पर लगेगा, उसके बाद आपकी आधी संपत्ति कांग्रेस के लोग हड़प लेंगे। आपको आपकी संपत्ति से वंचित कर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबी हटाने के लिए अब कह रही है कि आपके प्रॉपर्टी का सर्वे कराएंगे। यदि माता-पिता, बाप-दादा ने शहर-गांव में चार कमरे का मकान बनवा लिया है और दो में रह सकते हैं तो दो कमरे सपा-कांग्रेस के गुंडे हड़प लेंगे।

सपा पर बिफरे सीएम योगी ने कहा कि कल्याण सिंह ने पूरा जीवन यूपी के विकास व राम जन्मभूमि के लिए समर्पित किया था। उन्होंने बताया कि मुलायम सिंह की मृत्यु पर वह खुद उनके पैतृक गांव सैफई आकर श्रद्धांजलि दिए थे। पीएम मोदी ने शोक व्यक्त किया था, लेकिन कल्याण सिंह के निधन पर सपा अध्यक्ष व पार्टी की तरफ से कोई संवेदना नहीं व्यक्त की गई। वहीं एक माफिया मरा था, उसके लिए फातिहा पढ़ने के लिए सपा के लोग विलाप कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि बेचारे शिवपाल पर तरस आती है। शिवपाल केवल चूरन खाने वाले रह गए हैं। कभी मुलायम सिंह के मुख्य सिपहसालार हुआ करते थे। पूरे प्रदेश में तूती बोलती थी। आज क्या हालत है। उन्हें बैठने के लिए सोफा नहीं, बल्कि हत्था मिलता है। शिवपाल चूरन खाने के आदी हो गए हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ विकास व विकसित भारत की संकल्पना के साथ मोदी जी आपके बीच में हैं तो दूसरी तरफ सपा-कांग्रेस का इंडी गठबंधन व बसपा के लोग अपने कुनबे के साथ चुनाव में है। चुनाव के पहले यह लोग दिखाई नहीं देते। चुनाव के समय यह राग अलापते दिखाई देते हैं।

एक बार सपा-कांग्रेस से पूछिए कि जब अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा की बात आई तो इन लोगों ने आयोजन का बहिष्कार क्यों किया। सीएम योगी ने कहा कि राम-कृष्ण के अस्तित्व पर प्रश्न उठाने वालों के साथ इंडी गठबंधन को जनता कभी स्वीकार्य नहीं करेगी। इस अवसर पर भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, योगी सरकार के पर्यटन/संस्कृति मंत्री व भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार जयवीर सिंह, विधायक रामनरेश अग्निहोत्री, प्रेम सिंह शाक्य आदि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने किया कन्नौज लोकसभा सीट से नामांकन

कन्नौज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। चौथे चरण में 13 मई को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज दोपहर 12 बजे कन्नौज संसदीय सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ प्रो. रामगोपाल यादव, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खान, पूर्व विधायक कल्याण सिंह दोहरे और पार्टी के प्रदेश सचिव आकाश शाक्य प्रस्तावक के रूप में मौजूद थे।

कन्नौज लोकसभा चुनाव के लिए सपा उम्मीदवारी को लेकर मचा सस्पेंस एक दिन पहले तक जारी था। बुधवार की शाम यह तय हुआ था कि यहां से सपा के उम्मीदवार अखिलेश यादव ही होंगे। उनके पहले यहां से तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया गया था। लेकिन बाद में यह फैसला पलट दिया गया और खुद अखिलेश यादव मैदान में कूद पड़े।

अमेठी से राहुल और रायबरेली से प्रियंका के चुनाव लड़ने की चर्चा सरगर्म

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के रायबरेली सीट से और अमेठी सीट से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा सरगर्म है। 26 अप्रैल दूसरे चरण के मतदान के बाद दोनों के चुनाव लड़ने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। इसके बाद अगले हफ्ते नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं।

26 अप्रैल को दूसरे चरण के लिए मतदान होना है। इस चरण में केरल के वायनाड में मतदान होगा, इस सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। याद रहे है कि स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराया था। स्मृति ईरानी को भारतीय जनता पार्टी ने फिर से इस सीट से मैदान में उतारा है। वायनायड में मतदान के बाद राहुल गांधी 27 अप्रैल को अमेठी जा सकते हैं। राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए सीट समझौते के अनुसार, कांग्रेस 17 सीटों पर और समाजवादी पार्टी शेष 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस अपने पारंपरिक गढ़ रायबरेली और अमेठी के अलावा वाराणसी, गाजियाबाद और कानपुर सीट पर भी चुनाव लड़ रही है। इससे पहले बुधवार को अमेठी के गौरीगंज इलाके में कांग्रेस कार्यालय के बाहर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के पोस्टर लगे थे। इससे वाड्रा को टिकट मिलने की अटकलें तेज हो गई थीं।

कांग्रेस हर सीट पर लड़ाई लड़ना चाहती है और इसीलिए उसने गांधी भाई-बहन को मैदान में उतारने का फैसला किया है। अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों पर 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान होगा। राहुल गांधी के लिए अपने पुराने गढ़ में जीत आसान नहीं होगी क्योंकि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इस निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रचार कर रही हैं। 8 अप्रैल को केंद्रीय मंत्री ने अमेठी के प्रति राहुल गांधी की निष्ठा पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि लोगों को पता है कि गांधी परिवार अमेठी से चुनाव लड़ने आएगा। पीएम नरेंद्र मोदी अमेठी लोकसभा क्षेत्र में 19 लाख नागरिकों को राशन भेजते हैं, अगर गांधी परिवार नरेंद्र मोदी के खिलाफ है, तो ये 19 लाख नागरिक जो मुफ्त राशन पा रहे हैं, गांधी परिवार इन परिवारों से क्या कहेगा?

उधर, रॉबर्ट वाड्रा के चुनाव लड़ने की मांग का पोस्टर अमेठी में लगने के बाद बुधवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी खुलकर बोलीं। कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब जीजा मांग रहे हैं अमेठी से। पहले साले साहब को मांग रहे थे। लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि जीजा हो या साला, अमेठी में हर कोई है मोदी का मतवाला। स्मृति ने कहा, मैं कुछ दिन पहले वायनाड गई थी और मुझे जानकारी मिली कि राहुल गांधी ने वायनाड को अपना परिवार घोषित कर दिया है। कल एक कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड को इसलिए चुना क्योंकि राहुल गांधी कहते हैं कि वायनाड के लोग ज्यादा वफादार हैं। तो अमेठी की वफादारी का क्या हुआ?

दूसरे चरण में भी भाजपा और एनडीए को मिलेगी भारी बढ़त

सभी 8 लोकसभा सीटों पर भाजपा और घटक दल के उम्मीदवारों की दावेदारी मजबूत

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में भी भाजपा और एनडीए को यूपी में बड़ी बढ़त की उम्मीद है। पहले चरण की तरह ही इस चरण में भी शुक्रवार को प्रदेश की 8 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव संपन्न होने जा रहे हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश की इन 8 सीटों (अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा) पर एनडीए की ओर से भाजपा के 7 और आरएलडी का एक (बागपत) प्रत्याशी मैदान में है। इन उम्मीदवारों के लिए पीएम मोदी और सीएम योगी द्वारा जमकर चुनाव प्रचार किया गया है। इन रैलियों व जनसभाओं में सीएम योगी ने राज्य में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पा रहे लोगों से बढ़चढ़कर मतदान की अपील की है। पीएम किसान सम्मान निधि हो या गन्ना मूल्य भुगतान, पीएम स्वनिधि योजना से लेकर उज्ज्वला योजना तक दर्जनों योजनाएं धरातल पर उतरीं, जिनका लाभ सीधा आम लोगों तक पहुंच रहा है। बिना लीकेज जन-जन तक पहुंची योजनाओं के लाभार्थियों का रुझान भी एनडीए की ओर है। शुक्रवार को

यह रुझान ईवीएम पर वोट की चोट में तब्दील होगा।यदि सिर्फ इन 8 लोकसभा सीटों की बात करें तो किसानों के लिए शुरू की गई योजनाओं का बड़ी संख्या में लोगों को लाभ मिला है। इसके अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि के तहत यहां 17,76,105 किसानों के खातों में धनराशि हस्तांतरित की गई है। वहीं, मथुरा को छोड़कर बाकी 7 लोकसभा सीटों पर किसानों को 58,576.94 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मथुरा में चीनी पेराई 2008 से बंद है। प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत इन 8 सीटों पर कुल 1,30,811 आवास वितरित किए गए हैं। इसमें बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री आवास भी शामिल हैं। यही नहीं,इन 8 लोकसभा क्षेत्रों में कुल मिलाकर 11,44,391 शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जिनमें व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालय सम्मिलित हैं।

प्रदेश में योगी सरकार ने निराश्रित, वृद्धावस्था और दिव्यांग पेंशन के माध्यम से लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया है। इसी क्रम में इन 8 सीटों पर 3,04,794 महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन का लाभ मिल रहा है, जिसमें एक हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान किया जा रहा है। इसी तरह, 4,31,116 वृद्धजनों को सरकार की ओर से इन सीटों पर वृद्धावस्था पेंशन का लाभ भी मिल रहा है। वहीं 90,420 दिव्यांगों को दिव्यांगजन पेंशन प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त इन 8 लोकसभा सीटों पर 23,545 बेटियों का सामूहिक विवाह भी संपन्न कराया गया है।

इसी तरह, 1,58,447 बेटियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिला है, जिसके तहत बेटी के जन्म से लेकर स्नातक की पढ़ाई तक विभिन्न चरणो में धनराशि प्रदान की जाती है। अभी तक इस योजना के तहत कुल 15 हजार रुपए मिलते थे, जिसे हाल ही में योगी सरकार ने बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया है।

कांग्रेस के न्याय पत्र से घबरा गए हैं प्रधानमंत्री : पवन खेड़ा

2024 में बनने जा रही इंडिया गठबंधन की सरकार

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरु भवन पर पत्रकार वार्ता में भाजपा मोदी सरकार पर देश के युवाओं, किसानों और आम आदमी, एवम दलित , पिछड़ों से धोखेबाजी का आरोप लगाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 400 सीटों के नारे के पीछे की असली नियत संविधान बदलने को बताया, श्री पवन खेड़ा ने कहा प्रधानमंत्री कांग्रेस के न्याय पत्र से इतना घबरा गए हैं कि वह अपनी गारंटियों को भूलकर दिन रात झूठा प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं, लेकिन जनता बहकावे में नही आने वाली 10 सालों के भाजपा के कुकर्मों का हिसाब इंडिया गठबंधन कांग्रेस सरकार बनाकर करने जा रही है।श्री खेड़ा ने कहा जनता को कांग्रेस के न्याय पत्र के पांच न्याय की 25 गारंटियों पर भरोसा है इसीलिए आज मोदी की गारंटिया गायब हो गई हैं और पूरे देश में सिर्फ कांग्रेस के न्याय पत्र की बात हो रही है, आज प्रधानमंत्री जनता से जुड़े मुद्दों पर बात ही नहीं करते, 10 साल में उन्होंने जो जो जुल्म इस देश के युवाओं पर किया, इस देश के किसानों पर किया, और सबसे ज्यादा जुल्म दलितों पिछड़ों पर किया, इस देश के आम नागरिक उनके जुल्मों का हिसाब उनकों सत्ता से बाहर कर करने जा रहे हैं।

महाकुंभ-2025 प्रयागराज में हेरिटेज होटल के रूप में विकसित किए जा रहे धरोहर

प्रयागराज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कुंभ नगरी प्रयागराज में महाकुंभ को योगी सरकार भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए सतत प्रयास कर रही है। योगी सरकार महाकुंभ में आने वाले 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के ठहरने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए जहां कुंभ क्षेत्र में इनके ठहरने की व्यवस्था की जा रही है, तो वहीं पांच सितारा होटल भी बन रहे हैं। इसके साथ ही पर्यटकों को अलग अनुभव देने के लिए हेरिटेज होटल की भी सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचने वाले पर्यटकों को कुछ अलग अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन विभाग हेरिटेज होटल विकसित कर रहा है। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि जिले में दो

धरोहरों को हेरिटेज होटल में तब्दील करने का प्रस्ताव आया है, जिस पर अंतिम स्वीकृति हो चुकी है। पर्यटन विभाग के पास जिले के सोरांव में सोरांव प्लांटर्स और ममफोर्ड गंज में शगुन निलयम की तरफ से उनकी धरोहर को हेरिटेज होटल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव आया है, जिस पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। शगुन निलयम के दस रूम और सोरांव प्लांटर्स का 200 एकड़ का क्षेत्रफल हेरिटेज होटल के तौर पर विकसित करने का प्रस्ताव आया था, जिस पर कार्य चल रहा है। इसके अलावा महाकुंभ के पहले कई निजी धरोहरों को हेरिटेज होटल्स में विकसित करने की कार्य योजना पर काम चल रहा है।

महाकुंभ में आने वाले विदेशी पर्यटकों को ठहरने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए दो पांच सितारा होटल भी बनाए जा रहे हैं। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी के अनुसार विदेशी पर्यटकों के प्रयागराज में आमतौर पर रात्रि में न ठहरने की प्रमुख वजह यहां पांच सितारा होटल की व्यवस्था न होना है। ऐसे में वह आमतौर पर संगम दर्शन व स्नान कर सीधे वाराणसी चले जाते हैं। इसके देखते हुए योगी सरकार फाइव स्टार होटल को विकसित करने पर काम कर रही है। उनके मुताबिक पिछले दिनों दो बड़ी कंपनियों को प्रयागराज में होटल खोलने की सहमति दी गई है, जिसमें ताज और रेडिसन होटल शामिल हैं। शहर के मंफोर्ड गंज में ताज होटल और वाईएमसीए कॉलेज के पास रेडिसन ग्रुप की तरफ से इन्हे बनाया जाएगा। पर्यटन विभाग के पोर्टल में इन्होंने इसके लिए आ-वेदन किया था, जिसके बाद जगह का निरीक्षण करने के बाद इन्हे सर्टिफिकेट दे दिया गया है। शहर में निजी क्षेत्र द्वारा नए फाइव स्टार होटल खोलने के साथ ही पर्यटन विभाग अपने होटलों का कायाकल्प भी कर रहा है। होटल राही इलावर्त और होटल राही त्रिवेणी दर्शन का 907.08 लाख से सौंदर्यीकरण के साथ विस्तारीकरण किया जा रहा है।

द्वितीय चरण में भी 8 सीटों पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश की 8 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया 26 अप्रैल शुक्रवार को संपन्न होगी। दूसरे चरण के मतदान की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश के अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ तथा मथुरा लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव होने जा रहा है। यह लोकसभा क्षेत्र प्रदेश के 9 जिलों में अवस्थित हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मतदान से पूर्व प्रत्याशियों और पोलिंग एजेंट की मौजूदगी में मॉक पोल भी कराया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि द्वितीय चरण में कुल 1,67,77,198 मतदाता हैं, जिसमे 90,26,051 पुरुष मतदाता तथा 77,50,356 महिला मतदाता एवं 791 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। सबसे अधिक मतदाता गाजियाबाद (29 लाख, 45 हजार 487) तथा सबसे कम मतदाता बागपत (16 लाख 53 हजार 146) लोकसभा क्षेत्र में हैं। सबसे अधिक 15 प्रत्याशी गौतम बुद्ध नगर एवं मथुरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में तथा सबसे कम 6 प्रत्याशी बुलंदशहर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में कुल 17704 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) तथा 7797 मतदान केंद्र हैं। इन मतदेय स्थलों में से 3472 क्रिटिकल हैं।

मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 03 विशेष प्रेक्षक, 08 सामान्य प्रेक्षक, 05 पुलिस प्रेक्षक तथा 12 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1451 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 190 जोनल मजिस्ट्रेट, 222 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 1599 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 4213 भारी वाहन, 3251 हल्के वाहन तथा 79338 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 17230 ईवीएम की कंट्रोल यूनिट, 17331 बैलट यूनिट तथा 17443 वीवीपैट तैयार किए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। द्वितीय चरण के निर्वाचन के दौरान अर्द्ध सैनिक बलों/पुलिस बलों के

नवदीप रिणवा

व्यवस्थापन के दृष्टिगत आकस्मिकता की स्थिति में मेडिकल सहायतार्थ एयर एम्बुलेंस एवं हेलीकाप्टर की व्यवस्था भी की गई है। हेलीकाप्टर की लोकेशन 25 व 26 अप्रैल को अलीगढ़ में तथा एयर एम्बुलेंस की लोकेशन 26 अप्रैल, 2024 को मेरठ में रहेगी।

उन्होंने बताया कि 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (8852 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 967 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है।द्वितीय चरण में कुल 148 आदर्श मतदेय स्थल, 53 समस्त महिला प्रबंधित मतदेय स्थल, 35 समस्त युवा कर्मी मतदेय स्थल तथा 32 समस्त दिव्यांग प्रबंधित मतदेय स्थल बनाए गए हैं। मतदेय स्थलों पर जो मतदाता सायं 6:00 बजे उपस्थित रहेंगे, उन मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से वोटर इन्फार्मेशन स्लिप निर्वाचकों को वितरित कराई गई है, जिसके माध्यम से उन्हें अपने वर्तमान मतदेय स्थल एवं क्रम संख्या की जानकारी हो सकेगी।

द्वितीय चरण में कुल 1,66,20,359 मतदाताओं को वोटर स्लिप वितरित की गई है। इसके अतिरिक्त मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप, भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी अपने मतदेय स्थल की जानकार प्राप्त कर सकते हैं।द्वितीय चरण के जनपदों में 32,48,729 वोटर गाइड वितरित की गई हैं। 27 अक्टूबर 2023 से 23 अप्रैल 2024 तक कुल 10,94,701 मतदाता फोटो पहचान पत्र वितरित कराए गए हैं। मतदान की अवधि में सभी बीएलओ एल्फाबेटिक लोकेटर मतदाता सूची के साथ हेल्पडेस्क पर उपस्थित रहेंगे एवं आने वाले मतदाताओं की सहायता करेंगे। दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर व्हील चेयर एवं जगह-जगह पर वॉलन्टियर की व्यवस्था की गई है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाता फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 अन्य पहचान पत्र (आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों / डाकघरों द्वारा जारी किये गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र / राज्य सरकार / लोक उपक्रम / पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) मतदेय स्थल पर मतदाताओं की पहचान किए जाने हेतु मान्य होंगे।मतदान से संबंधित कोई भी शिकायत टोल फ्री नंबर 18001801950 पर कॉल करके दर्ज कराई जा सकती है। इसके अतिरिक्त सी-विजिल, एनज-ीएसपी/वीएचए पर भी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है। द्वितीय चरण में सी-विजिल पर 16 मार्च 2024 से 25 अप्रैल 2024 तक कुल 536 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

बार-बार आंखें झपकना बीमारियों का संकेत...

आंखों की पलकों के झपकने को कभी मौसम के बदलाव से जोड़ा जाता है तो कभी इसे अंधविश्वास से भी जोड़ दिया जाता है। आमतौर पर आंखों के झपकने की प्रक्रिया हर व्यक्ति के साथ होती है और कुछ केसेस में यह बार-बार या लंबे समय तक जारी रहती है। सामान्यतौर पर एक वयस्क व्यक्ति की पलकें एक मिनट में लगभग 15-18 बार तक झपकती हैं। पलकों का झपकना प्रोटेक्शन का एक तरीका है। वहीं कई बार इसके साथ दूसरी समस्याएं जैसे दर्द, चुभन या जलन अथवा असहजता आदि भी हो सकती हैं। ऐसे में आवश्यक है कि इसके लिए किसी विशेषज्ञ की मदद ली जाए। आंखों की पलकों के झपकने के पीछे थकान, ठंडा-गरम मौसम, अल्कोहल या अन्य नशे की वस्तुओं का सेवन, नींद की कमी, तनाव, कैफीन का अधिक मात्रा में सेवन, कंजंक्टिवाइटिस, मायोपिया, तेज लाइट, आंखों के भीतर सूजन तथा देर तक टीवी या कंप्यूटर मॉनिटर की स्क्रीन पर देखना, आदि।

बढ़ती तकलीफ

जब पलकों का झपकना किसी भी तरह के उपचार से ठीक नहीं हो तो इसका मतलब है कि मुश्किल सतर्क रहने की ओर इशारा कर रही है। डिस्टोनिया या ब्लेफरोस्पाज्म, जिसके कारण आंखें और पलकें लगातार झपकती रहती हैं और सामान्य उपचार से ठीक नहीं होती। यही नहीं इससे आंखों और पलकों में भारीपन, थकान और ड्राइनेस बनी रहती है।

कंजंक्टिवाइटिस की समस्या

आंखों की पलकों या आंखों के भीतर किसी अन्य इन्फेक्शन या चोट के कारण इनका झपकना भी इलाज की वजह बनता है। कंजंक्टिवाइटिस की तकलीफ में भी पलकें लगातार झपक सकती हैं। साथ ही इनमें दर्द, चुभन और पानी निकलने जैसी तकलीफ भी हो सकती है इनके अलावा कुछ विशेष बीमारियों जैसे पार्किंसंस, स्ट्रोक, बेल्स पाल्सी, टोरेट्स सिंड्रोम आदि के कारण भी आंखों की पलकें झपक सकती हैं।

जल्द उपचार है फायदेमंद

आंखों के झपकने की समस्या यदि सामान्य तरीकों से ठीक न हो तो तुरंत ध्यान देना जरूरी है, अन्यथा कई मामलों में आंखों की रोशनी के खत्म होने का भी खतरा हो सकता है। साधारण मामलों में यह तकलीफ आंखों को आराम देने, तकलीफ पैदा करने वाले कारक जैसे तेज रोशनी, नशे का सेवन, तनाव आदि से दूर रहने जैसे उपायों से दुरुस्त हो जाती है वहीं गंभीर मामलों में दवाओं के अलावा कुछ विशेष प्रकार के इंजेक्शन्स या एक्यूप्रेशर जैसी कुछ तकनीकों के प्रयोग की भी सलाह दी जाती है। कुछ केसेस में सर्जरी की भी आवश्यकता पड़ सकती है। खास बात यह कि समय पर उपचार मिलने पर तकलीफ ठीक करने में मदद मिल सकती है।

उबालकर खाएं ये सब्जियां, मिलेगा दोगुना फायदा

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हरी और जड़दार सब्जियां काफी फायदेमंद होती हैं। इससे शरीर को पोटेशियम, विटामिन, फाइबर और प्रोटीन जैसे कई पोषक तत्व मिलते हैं। वैसे तो सब्जियों को पकाकर ही खाते हैं लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी हैं जिन्हें उबालकर खाने से दोगुना फायदा मिलता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और शरीर भी बैक्टीरिया से दूर रहता है। आइए जानिए ऐसी ही कुछ सब्जियों के बारे में जिन्हें उबाल कर खाना फायदेमंद होता है।

बीन्स: हरी बीन्स की सब्जी काफी स्वादिष्ट होती है। इससे शरीर को कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम और विटामिन मिलता है। सब्जी की जगह बीन्स को उबालकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। डायबिटीज के रोगी के लिए उबली बींस का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है।

चुकंदर: चुकंदर खाने से पहले केवल 3 मिनट के लिए उबालें। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। जिन महिलाओं को अनियमित माहवारी की समस्या हो उनके लिए उबली हुई चुकंदर काफी फायदेमंद होती है।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय तक ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबुओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़ें मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मूला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमेंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

इस तरह से धोएंगे तो क्रॉकरी बनी रहेगी चमकदार

रसोई में साफ-सफाई को लेकर औरतों को बहुत ध्यान देना पड़ता है। कांच के बर्तनों और महंगी क्रॉकरी को लेकर जरा सी लापरवाही या जल्द बाजी से इनके टूटने का डर रहता है। इतना महंगी कांच की क्रॉकरी को संभाल कर न रखा जाए तो इस पर निशान पड़ने शुरू हो जाते हैं और यह जल्दी ही पुरानी भी लगनी शुरू हो जाती है। कुछ आसान टिप्स से इनकी चमक बरकरार रखी जा सकती है।

1. **गर्म पानी :** कांच के बर्तन साफ करते समय हमेशा गर्म पानी का इस्तेमाल करें। इस पर डिटर्जेंट का कम ही इस्तेमाल करें। गर्म पानी से बर्तन साफ भी हो जाते हैं और बैक्टिरिया भी खत्म हो जाएंगे। इससे चिकनाई नहीं रहेगी।
2. **जल्दी धोएं :** क्रॉकरी को दाग-धब्बों से बचाने के लिए इस्तेमाल के बाद जल्दी ही धो दें। इसे देर तक रखने पर दाग गहरे हो जाते हैं जिनको बाद में छुड़ाना मुश्किल हो जाता है।
3. **सिरका :** पानी में थोड़ा-सा सिरका डालकर मिक्स कर लें और क्रॉकरी को गुनगुने पानी से धोने के बाद सिरके वाले पानी में कुछ देर के लिए डुबो कर रखें। इसके बाद बिना धोए बर्तनों को सुखाएं।
4. **नींबू :** कांच के बर्तनों को धोने के बाद इन पर थोड़ा सा नींबू रगड़ दें। इससे क्रॉकरी पर पड़े सारे निशान गायब हो जाएंगे। नींबू रगड़ने के बाद इनको पानी से एक बार धो लें।
5. **टूथपेस्ट :** क्रॉकरी पर ब्रश पर साथ थोड़ा-सा टूथपेस्ट लगाकर इसे बर्तनों पर रगड़ें। इसके बाद गुनगुने पानी से बर्तन धो लें।

घर में लगाएं ये पौधे रहेंगे बीमारियों से बचे

पर्यावरण में नियमित बढ़ रहे प्रदूषण के कारण शारीरिक परेशानियों भी बढ़ती जा रही है। व्यक्ति का खुले में सांस लेना तक मुश्किल हो चुका है। ऐसे में जरूरत है तो अधिक से अधिक पौधे लगाना की, ताकि कुछ हद तक इस प्रदूषण के प्रकोप को रोका जा सकता है और पर्यावरण को शुद्ध किया जा सकें। आप भी अगर शुद्ध की सांस लेना चाहते है तो अपने घर पर ऐसे पौधे लगाएं, जिनसे प्रदूषण का खतरा कम और हवा बिल्कुल साफ रहें। हम आपको कुछ ऐसे ही पौधों के बारे में बताएंगे, जिनको घर पर लगाने से आप कई तरह की हैल्थ प्रॉब्लम से बचे रहेंगे।

1. **तुलसी :** तुलसी का पौधा दिन-रात ऑक्सीजन देता है और प्रदूषण को कंट्रोल रखता है। इसके अलावा इसको घर में लगाने का अलग और फायदा है, क्योंकि यह घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करता है।
2. **एलोवेरा :** एलोवेरा हवा को शुद्ध करता ही है, साथ ही इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स मौजूद है। इसके अलावा यह जले और कटे में काफी फायदेमंद है।
3. **गेंदा :** गेंदे के पौधे प्रदूषण को कम करता है। गेंदे का फूल और पत्तियां एंटीबायोटिक गुणों से भरपूर होते है। यह मच्छरों को दूर भगाने में सहायक है।
4. **चमेली :** चमेली के पौधे को घर में लगाने से हवा साफ रहती है। इसके अलावा इसकी खुशबू पूरे घर को महका देती है।
5. **अनार :** अनार का पेड़ प्रदूषण को कम करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन्स, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरस गुण मौजूद होते है।

फटी एड़ियों से बचाव के उपाय

पैरों में रूखापन और खुजली काफी परेशानी दे सकती है। इनसे पैरों की खूबसूरती तो कम होती ही है साथ ही इससे एड़ियां फट भी सकती हैं। और यह सब दर्द का सबब भी बन सकता है। फिल्म पाकीज़ा का एक मशहूर डायलॉग है, आपके पैर बहुत हसीं हैं, जिन्हें जमीं पर मत रखिए, मैले हो जाएंगे लेकिन, हम अक्सर अपने पैरों की सफाई और खूबसूरती को लेकर सजग नहीं रहते। नतीजा, फटी एड़ियां और उनमें पनपता संक्रमण। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं तो ये उपाय आपके लिए काफी मददगार हो सकते हैं।

फटी एड़ियों से बचाव

» अपने पैरों में जरूरी नरमी बनाए रखें। एक अच्छा मॉश्चराइज़र लगाने के बाद सूती मोजे पहनें। इससे पैरों में जरूरी नमी बरकरार रहती है। तो वनस्पति तेल भी लगा सकते हैं।

» आरामदेह जूते पहनें। आपके जूते न तो अधिक टाइट होने चाहिए और न ही बहुत अधिक ढीले। सख्त जूते आपके पैरों के दर्द को बढ़ा सकते हैं।

» पैरों को साफ करने के लिए एंटी-सेप्टिक युक्त साबुन का इस्तेमाल करें। इससे आपके पैरों की सूखी त्वचा को तो आराम मिलेगा ही साथ ही कीटाणुओं से भी पैरों की रक्षा होगी।

» त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए प्युमैस स्टोन का प्रयोग करें। यह ऐसी सख्त त्वचा को हटाने का काम करता है जो बाद में टूट सकती है। इसे इस्तेमाल करते ध्यान रखें कि आप इतनी जोर से न रगड़ें कि दर्द होने लग जाए।

» पैरों पर कटा नीबू रगड़ने से वे नरम बने रहते हैं। हफ्ते में कम से कम एक बार अपने पैरों को नींबू से साफ करें। आप अपने पैरों को गर्म पानी के टब में भी डुबो सकते हैं जिसमें की 1 कप इप्सम नमक मिला हुआ हो।

» अपने पैरों को गीला न रखें। पैरों को अच्छी तरह सुखाने के बाद उन पर कुछ लोशन लगाएं। जिससे आपके पैर मुलायम बने रहें।

» अपनी सूखी त्वचा को कैंची से काटने की कोशिश न करें। इससे आसपास की त्वचा भी निकल सकती है। ऐसा करना कई बार काफी तकलीफदेह भी होता है। और साथ ही इससे त्वचा में संक्रमण होने का खतरा भी होता है।

» रोज़ाना कम से कम आठ से दस गिलास पानी पिएं। इसके साथ ही कैफीन और एल्कोहल से भी परहेज करें क्योंकि इनका अधिक सेवन शरीर में जल की मात्रा को कम कर देता है।

» कभी वक्त की कमी तो कभी किसी अन्य कारण के चलते आप अपनी सूखी त्वचा का सही प्रकार से उपचार नहीं कर पाते हैं। कई बार यह सब करने के बाद भी अपेक्षाकृत परिणाम नहीं मिलते हैं। तो ऐसे में आपको चाहिए कि आप किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें।

रेसिपी

खमन ढोकला

सामग्री

100 ग्राम बेसन, 1 1/2 टीस्पून सूजी, 1/8 स्पून हींग, 1/2 स्पून नमक, 1 स्पून चीनी, 2 1/2 तेल, 1/2 स्पून नींबू का रस, 1 स्पून अदरक पेस्ट, 1/2 स्पून हरी मिर्च, 180 मि.ली पानी, 1 1/2 स्पून फ्रूट सॉल्ट, तेल, छौंक के लिए, 1 स्पून तेल, 1 स्पून सरसों के बीज, 4-5 हरी मिर्च, 10-12 करी पत्ते, 1 स्पून चीनी

विधि

एक बाऊल में बेसन, सूजी, हींग, नमक, चीनी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसमें तेल,नींबू के रस,अदरक का पेस्ट,हरी मिर्च,पानी डालकर मिला लें। अब इसमें फ्रूट साल्ट डालकर मिलाएं जब तक यह फूल न जाए। एक पैन में थोड़ा सा तेल लगाकर इसके ग्रीस कर लें और ढोकले का मिक्सचर इसमें डाल दें। इसे 20-25 मिनट के लिए भाप में पकाएं। अब छौंक लगाने के लिए एक पैन में तेल डालकर इसमें सरसों के बीज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च,चीनी और करी पत्ता डालकर भूनें। इसे ठंडा होने पर ढोकले के ऊपर डाल दें और ढोकले को काटकर सर्व करें।

मसाला नूडल्स डोसा

सामग्री

2-3 कप दोसा बैटर, 1 कप पत्ता गोभी (उबली हुई), 1 कप धनिया (बारीक कटा हुआ), 3 चम्मच तेल, 1/2 कप पनीर (छोटे टुकड़ों में कटे हुए), 1/4 कप शिमला मिर्च (बारीक कटी हुई), 1/4 कप हरी मटर के दाने, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), आधा चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 1 छोटा चम्मच सोया सॉस, 1/4 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर, नमक स्वादनुसार

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर भूनें। इसके बाद मटर, शिमला मिर्च और पत्ता गोभी डाल कर अच्छी तरह 1-2 मिनट के लिए दोबारा भूनें। इसके बाद पनीर, नूडल, नमक, काली मिर्च, सोया सॉस, नींबू का रस और हरा धनिया डाल कर सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करके इसे स्टफिंग के लिए तैयार कर लें। अब गैस पर नानस्टिक तवा रखकर उसमें थोड़ा सा तेल डालकर नेपकिन पेपर से पोंछ लें। अब हल्के गर्म तवे पर 1-2 चम्मच डोसा बैटर डालें और चम्मच से गोल-गोल पतला करके फैलाएं। दोसे के चारों ओर थोड़ा-थोड़ा तेल डाल लें। इसे नीचे से गोल्डन ब्राउन होने तक सेकें। इसके बाद तैयार की गई नूडल्स डोसे के ऊपर फैलाएं। अब दोसे को नीचे की ओर से मोड लें। तवे से उतार कर प्लैट पर रखें। आपका मसाला नूडल्स डोसा तैयार है। आप इसे नारियल की चटनी, हरी धनिए की चटनी या फिर सांबर के साथ परोस सकते हैं।

कुछ छोटे-छोटे घरेलू नुस्खे, जो बदल दें आपकी जिंदगी

हर कोई चाहता है कि वह और उसका परिवार सेहतमंद रहे। आजकल की भागदौड भरी जिंदगी में सेहत से जुड़ी कोई न कोई परेशानी तो होती ही रहती है। छोटी-छोटी परेशानियों के लिए हर बार दवाइयां खाना भी अच्छा नहीं है। पुराने समय में तो लोग घरेलू नुस्खों से ही अपना इलाज करते थे। दादी नानी के ये असरदार नुस्खे उनको डॉक्टर से दूर रखने में भी मदद करते थे। आप भी इन छोटे-छोटे नुस्खों को अपनाकर सेहतमंद रह सकते हैं।

दिनों में ही फर्क दिखाई देने लगेगा। छोटे बच्चे पर इस प्रयोग को न करें।

1. तुतलाने की आदत

कुछ बच्चे ठीक तरह से बोल नहीं पाते। बचपन में तो लाड-प्यार में यह बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाते हैं, उनकी यह आदत परेशानी बन जाती है। ऐसे में रात को सोने से कुछ देर पहले तोतला बोलने वाले व्यक्ति के मुंह में 2-3 मिनट के लिए भुनी हुई फिटकरी रख दें। इससे कुछ

2. तुलसी

तुलसी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। जिन लोगों के पेट में अक्सर दर्द रहता है उनको तुलसी के पत्तों का पानी और अदरक के रस का काढ़ा पिलाएं।

3. सीने की जलन

आजकल सीने की जलन से बहुत लोग परेशान है। इसे एसिडिटी भी कहा जाता है। ठंडे पानी में नींबू का रस डालकर पीने से इस परेशानी से जल्दी राहत मिलती है।

4. केला करें हजम

कुछ लोगों को केला खाना बहुत पसंद होता है लेकिन आसानी से न पचने के कारण वह इसे नहीं खाते। केले को आसानी से पचाने के लिए 2 हरी इलायची खाएं।

5. आम पचाएं

गर्मी के मौसम में लोग आम खाना बहुत पसंद करते हैं। कुछ लोगों को ज्यादा आम खाने से परेशानी भी होती है। आम को पचाने के लिए जरा-सा नमक चाट लें।

6. अनार के छिलके

मुंह में से बदबू आ रही हो तो इसके लिए अनाक के छिलके बहुत लाभकारी हैं। अनार के छिलकों को पानी में उबालकर ठंडा कर लें और इस पानी से कुल्ला करें।

7. पुदीने के पत्ते

हिचकी लगने पर पुदीने के कुछ पत्ते चबाएं। इससे हिचकी जल्दी बंद हो जाती है। इसके अलावा नींबू चूसने से भी फायदा मिलता है।

8. मछली का कांटा

मछली खाते समय गले में अगर मछली का कांटा फंस जाए तो तुरंत केला खा लें। इससे कांटा आसानी से निकल जाएगा।

9. चोट करें ठीक

अचानक से चोट लग जाए तो चोट पर थोड़ी सी दूध की मलाई लगा दें। इससे जल्दी आराम मिलेगा।

10. हींग और जीरा

खाना पचाने में परेशानी हो रही हो तो जीरा और हींग का सेवन करें।

संपादकीय

'मंगलसूत्र' की सियासत

प्रधानमंत्री मोदी ने 'हिंदू-मुसलमान' बयान देकर लोकसभा चुनाव को आक्रामक बना दिया है। हिंदू माताओं, बहनों के 'पवित्र मंगलसूत्र' और सोना-चांदी के जवाहरात को लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की जो घेराबंदी की है, उससे चुनाव के आगामी चरणों की दशा-दिशा तक बदल सकती है। ध्रुवीकरण ऐसा देखा-महसूसा जा सकता है कि चुनाव दोफाड़ हो जाएं! सवाल है कि प्रथम चरण के कम मतदान ने भाजपा का आत्मविश्वास क्या यहां तक हिला दिया है कि पार्टी को अपने आजमाए, पुराने 'हिंदू-मुस्लिम' फॉर्मूले की सियासत पर लौटना पड़ा है? क्या भाजपा के बुनियादी मतदाता ने प्रधानमंत्री मोदी से ऐसी ही आक्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणी की अपेक्षा की थी? प्रधानमंत्री ने यह सार्वजनिक बयान देकर खासकर हिंदू महिलाओं को उकसाने की कोशिश की है कि मां-बहनों के 'मंगलसूत्र' और सोने-चांदी के गहनों को छीन कर ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों, मुसलमानों और घुसपैठियों में बांट दिए जाएंगे। नौकरीपेशा लोगों के कमाए हुए धन और जमीन-मकान का भी सर्वे कराया जाएगा। यदि आपके पास दो घर हैं, तो एक घर छीन लिया जाएगा और उसे मुसलमानों में बांट दिया जाएगा। कांग्रेस की यह नक्सलवादी सोच उसके चुनाव घोषणा-पत्र में साफ दिखती है। क्या आप ऐसी सरकार बनने देंगे? देश के आर्थिक संसाधनों पर 'शहरी नक्सलियों' का कब्जा होगा। बेहद अहम सवाल तो यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुसलमानों को 'घुसपैठिया' क्यों कहा? देश की करीब 15 फीसदी आबादी अल्पसंख्यक जरूर है, लेकिन मुसलमान भी देश के नागरिक हैं। उनके भी संवैधानिक, मौलिक अधिकार हैं। यदि प्रधानमंत्री ने रोहिंग्या का जिक्र किया है, तो उनका स्पष्ट नाम लेना चाहिए था। यह मुद्दा तो संसद तक में गूंजता रहा है। प्रधानमंत्री ने किस आधार पर ऐसा बयान दिया है कि हिंदू माताओं-बहनों के 'मंगलसूत्र' तक बांट दिए जाएंगे? प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 9 दिसंबर, 2006 को 'राष्ट्रीय विकास परिषद' की बैठक में दिए गए बयान की व्याख्या भी गलत की है। डॉ. सिंह ने तब नई योजनाओं के संदर्भ में दलित, आदिवासी, ओबीसी, महिलाओं और बच्चों के संग मुस्लिम अल्पसंख्यकों की भी बात कही थी। देश के संसाधनों पर मुस्लिम अल्पसंख्यक सबसे पहला दावा करते रहे हैं, पूर्व प्रधानमंत्री ने उन पर सोचने की बात कही थी। संसाधनों पर प्रथम अधिकार किसी भी समुदाय का नहीं हो सकता। तब पूर्व प्रधानमंत्री के बयान की भी तीखी आलोचना की गई थी। एक समुदाय के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता हो सकती है। भाजपा की प्रतिबद्धता बहुसंख्यक हिंदुओं के प्रति है। प्रधानमंत्री का सूत्रवाक्य 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास...' भी सवालिया होता लगता है। वैसे भी 17 साल 4 महीने पुराना बयान आज अप्रासंगिक है, क्योंकि बीते 10 साल से तो देश में मोदी सरकार है। उसकी नीतियां देश के सामने हैं। कांग्रेस के चुनाव घोषणा-पत्र में ऐसा कोई भी वायदा नहीं है, जैसा प्रधानमंत्री ने बताया है। 'मंगलसूत्र' छीनने और बांटने की भी घोषणा नहीं की गई है। यह व्याख्या प्रधानमंत्री ने की है। बेशक जातीय जनगणना, जातियों-उपजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का पता लगाना, मुसलमानों के सशक्तिकरण, सर्वे के आधार पर भागीदारी और अधिकार तय करने की बात घोषणा-पत्र में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हैदराबाद की रैली में कहा था कि यह आर्थिक सर्वे भी कराया जाएगा कि किस वर्ग के पास कितना धन है। इसमें मां-बहनों के 'मंगलसूत्र' और गहने कहां से आ गए? राहुल गांधी ने आर्थिक असमानता की बात कही थी, जो गलत नहीं है। जब कोई सरकार ऐसी नीति बनाएगी कि अरबपतियों के कमाए धन को आम जनता में बांटा जाएगा, तो उसके निपटारे के लिए संसद और सर्वोच्च अदालत मौजूद हैं। भारत कोई 'केला गणतंत्र' नहीं है। चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को है और भाजपा ने अपने काडर और नेताओं में 'मंगलसूत्र' और आम आदमी की कमाई को लूट कर बांटने की सियासत फूंक दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का वक्त मांगा है, ताकि वह अपने घोषणा-पत्र का स्पष्टीकरण दे सकें। वह प्रधानमंत्री की भी सफाई मांग सकते हैं कि ऐसा कहां लिखा गया है, जो आपने उद्धृत किया है।

> हिंदू माताओं, बहनों के 'पवित्र मंगलसूत्र' और सोना-चांदी के जवाहरात को लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की जो घेराबंदी की है, उससे चुनाव के आगामी चरणों की दशा-दिशा तक बदल सकती है। ध्रुवीकरण ऐसा देखा-महसूसा जा सकता है कि चुनाव दोफाड़ हो जाएं! सवाल है कि प्रथम चरण के कम मतदान ने भाजपा का आत्मविश्वास क्या यहां तक हिला दिया है कि पार्टी को अपने आजमाए, पुराने 'हिंदू-मुस्लिम' फॉर्मूले की सियासत पर लौटना पड़ा है? क्या भाजपा के बुनियादी मतदाता ने प्रधानमंत्री मोदी से ऐसी ही आक्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणी की अपेक्षा की थी? प्रधानमंत्री ने यह सार्वजनिक बयान देकर खासकर हिंदू महिलाओं को उकसाने की कोशिश की है कि मां-बहनों के 'मंगलसूत्र' और सोने-चांदी के गहनों को छीन कर ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों, मुसलमानों और घुसपैठियों में बांट दिए जाएंगे।

मछुआरों, महिलाओं और स्थानीय संस्कृति का सहारा

उमेश चतुर्वेदी

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे-प्रतिदावों का दौर जारी है। तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़।

अपने दम पर बहुमत के साथ लगातार दो बार से केंद्रीय सत्ता को संभाल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए तमिलनाडु और केरल अब तक प्रश्न प्रदेश रहे हैं। इस लिस्ट में 25 सीटों वाले आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया जा सकता है। 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे में दक्षिण का अभेद्य बना किला फतह करने की कोशिश भी शामिल है। पार्टी को पता है कि जब तक वह अभेद्य समझे जाने वाले दक्षिण के दुर्ग में जोरदार सेंध नहीं लगाएगी, उसका यह नारा जमीनी हकीकत के नजदीक नहीं पहुंच पाएगा। यही वजह है कि पार्टी का शिखर नेतृत्व लगातार तमिलनाडु पर अपना ध्यान फोकस किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे-प्रतिदावों का दौर जारी है। तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज-तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्ना मलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्ना मलाई ने सात महीने तक 'एन मन, एन मक्कल' नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी। इस यात्रा की बीजेपी हलके में

महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका समापन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अन्ना मलाई का नाम अपनी सभाओं में खूब लेते हैं। अन्ना मलाई को उस कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा गया है, जिस पर 1998 और 1999 में पार्टी का कब्जा रहा। उस वक्त इस सीट की नुमाइंदगी करने वाले सीपी राधाकृष्णन इन दिनों झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके जिम्मे तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का चार्ज भी है। जब सीपी राधाकृष्णन कोयंबटूर से सांसद चुने गए थे, तब वे 41 साल के युवा थे। यह संयोग है कि कुछ और कि अन्ना मलाई इन दिनों चालीस की उम्र पूरी करने वाले हैं। यानी अगर कोयंबटूर से वे जीतते हैं तो वे भी सीपी राधाकृष्णन की तरह युवा ही होंगे। भारतीय जनता पार्टी की शिखर यात्रा की ओर जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि उसने जिस राज्य में भी पैर जमाया, वहां वह पहले छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में वह अपना प्रभाव बढ़ाते हुए बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है और मौका मिलते ही शिखर पर पहुंच जाती है। दो चुनाव पहले तक बीजेपी हरियाणा और पश्चिम बंगाल में इंडियन नेशनल लोकदल और तृणमूल कांग्रेस के छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में उसने प्रभाव बढ़ाया। अब हालत यह है कि हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है तो तृणमूल कांग्रेस उसकी चुनौती से पार पाने का उपाय खोज रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति महाराष्ट्र में रही। पहले वह शिवसेना की बी टीम की तरह काम करती रही और पिछले कुछ चुनावों से वह पहले नंबर पर आ गई है। पंजाब में इसी तरह वह 1997 से लगातार शिरोमणि अकाली दल की बी टीम रही और इस बार उसने खुद को अकेले मैदार में उतार दिया है। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी 1998 में डीएमके के साथ रही तो 1999 में एडीआईएमके की जूनियर पार्टनर बनी। 2014 तक वह अन्ना द्रमुक के साथ रही, लेकिन अब वह तकरीबन अकेले दम पर आगे आ रही है। हाल के दिनों में पार्टी तार्किक रणनीति के साथ मैदान में उतरती रही है। उसके वायदों और शासन के तरीके पर सवाल जरूर उठ सकते हैं, लेकिन रणनीतिक कदम के लिए उसकी प्रशंसा करनी होगी। प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु को हल करने के लिए पार्टी ने अरसा पहले काम शुरू कर दिया था। केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम शुरू कराया, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इसके जरिए राज्यों को उनके पारंपरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के साथ जोड़ना शुरू किया। इसके तहत तमिलनाडु का काशी से संगम शुरू हुआ। काशी भगवान भोलेनाथ की नगरी है और तमिलनाडु में शैव परंपरा को मानने वालों की अच्छी-खासी संख्या है। महाशिवरात्रि के वक्त काशी में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक के यात्रियों की बाढ़ रहती है। काशी और तमिलनाडु के करीबी रिश्तों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल दिलों में उतरने की कोशिश साल 2022 में तेज की। काशी-तमिल संगमन इसकी अगली कड़ी के रूप में सामने आया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में विकास योजनाओं की तेजी लाने की कोशिश की। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को पूरा करने का आश्वासन के साथ ही मछुआरों के कल्याण पर काम तेज हुए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में रोड शो किए। तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां की 87 फीसद आबादी हिंदू है।

दृष्टि कोण

मुइज्जू और मालदीव की मुश्किलों के बीच नहीं होगा भारत की नीतियों में बदलाव

बीते 21 मई को मालदीव में संसदीय चुनाव हुआ, जिसमें इस्लामी राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के गठबंधन पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने भारी जीत हासिल की, जिसने प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के साथ गठबंधन किया था। आरोप हैं कि चीनी पैसे के बल पर नतीजे बदल दिए गए। मालदीव की संसद में कुल 93 सीटें हैं, जिनमें मतदाताओं की संख्या कहीं 1,000 से भी कम है, तो कहीं 3,000 से थोड़ा ज्यादा। निवर्तमान पीपुल्स मजलिस ने मुइज्जू की कई पहलों के साथ-साथ नामांकित कैबिनेट सदस्यों की नियुक्ति को भी रोक दिया था। अब कम से कम कुछ महीनों तक राष्ट्रपति समर्थक और विरोधी सांसदों को मारपीट करते हुए नहीं देखा जा सकता है। वर्ष 2023 में मुइज्जू इंडिया आउट अभियान चलाकर राष्ट्रपति का चुनाव जीते थे। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया और उनके कुछ भारतीय पिछलग्गू इसे चीन की बहुत बड़ी जीत और भारत का भारी नुकसान बता रहे हैं, खासकर भारतीय सेना की छोटी-सी टुकड़ी के मालदीव छोड़ने के बाद। लेकिन ये विश्लेषक भ्रमित हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंध ऐसा खेल नहीं है, जिसमें एक पक्ष को जितना लाभ होता है, ठीक उतनी ही हानि दूसरे पक्ष को होती है। यह बार-बार साबित हो चुका है, लेकिन कुछ लोग इससे सीखना नहीं चाहते। श्रीलंका में बेहद भ्रष्ट गोटाबया राजपक्षे परिवार (जो चीन का वफादार सेवक था) का शासन 2022 के मध्य में ताश के पत्तों की तरह ढह गया। वह कोलंबो से भागकर मालदीव गए, लेकिन वहां से भी उन्हें जाने के लिए कहा गया, तो सिंगापुर गए। उन्हें चीनी आका ने छोड़ दिया। या म्यांमार का ही उदाहरण ले लीजिए। बीजिंग समर्थित सैन्य शासन लड़खड़ा रहा है, विपक्षी गठबंधन का देश के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण है। म्यांमार में दो शब्द सर्वाधिक घृणित हैं-चीन और सेना। क्या मालदीव, जो 90,000 से ज्यादा वर्गकिलोमीटर में फैले 26 प्रवाल द्वीपों के आसपास करीब 1,200 मूंगा द्वीपों से बना है, अपने भविष्य पर ध्यान देगा? यदि ग्लोबल वार्मिंग मौजूदा गति से ही जारी रही, तो मालदीव अगले एक दशक में गायब हो जाएगा। फिर क्या वहां के लोग चीन जाएंगे? मालदीव के आयात शुल्क संग्रह में भारी

गिरावट आई है, क्योंकि उसका चीन के साथ मुक्त व्यापार समझौता है। मार्च, 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति ने भारत को अपना करीबी सहयोगी बताते हुए ऋण राहत की गुहार लगाई, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई है और पर्यटकों की संख्या भी 30 फीसदी कम हो गई है। बड़ी संख्या में भारतीयों द्वारा मालदीव का दौरा रद्द करने से उसके पर्यटन उद्योग में भूचाल आ गया है और आतंकवादियों से भी उसके रिश्ते उजागर हो गए हैं। फिर भी अप्रैल 2024 में, भारत से आवश्यक खाद्य पदार्थों की मांग के बाद, जिनमें कुछ ऐसे सामान भी थे, जिनके निर्यात पर प्रतिबंध है, हमने वे चीजें भेजकर दयालुता दिखाई, जबकि चीन ने केवल पीने का पानी भेजा था। मालदीव के विदेश मंत्री ने ट्वीट किया कि वह भारत की उदारता के लिए दिल से आभारी हैं। भारत ने 1980 के दशक में तख्तापलट के प्रयास को विफल करने में मालदीव की सहायता की और 2000 के दशक में जब वहां पानी का घोर संकट था, तो पेयजल की आपूर्ति की थी। फेलिक्स श्वार्जेनबर्ग ने हमें 19वीं सदी के मध्य में बताया था कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में कृतज्ञता जैसी कोई चीज नहीं होती है। यह बात हम जानते हैं। वर्ष 2023 में आतंक समर्थक मुइज्जू ने अपने तीन कट्टर मुस्लिम मंत्रियों को हिंदू धर्म, भारत के प्रधानमंत्री और भारत के प्रति दुर्व्यवहार करने और अपने चीनी आका का पक्ष लेने के लिए कहा, क्योंकि वह चीन की यात्रा पर जा रहे थे। मुइज्जू अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से धन चाहते हैं, लेकिन उन्होंने एक संदिग्ध चीनी कंपनी को निर्माण परियोजनाएं सौंपी हैं, जिसने कंबोडिया और अंगोला को धोखा दिया है और जो विश्व बैंक एवं एडीबी की काली सूची में है। मालदीव पर चीन का लगभग 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर बकाया है, जो उसके विदेशी ऋण का पांचवां हिस्सा है। इस्लामी देशों में सबसे छोटा देश मालदीव पैगंबर से भी अधिक इस्लामी होने की कोशिश कर रहा है, और इस प्रक्रिया में खुद को नुकसान पहुंचाता दिख रहा है। चीन इस इस्लामी देश के साथ आ तो सकता है, लेकिन श्रीलंका की तरह जल्द ही पीछे हट जाएगा, क्योंकि मालदीव एक घातक कॉकटेल के नशे में है-कट्टरपंथी इस्लाम, भारी असमानता, सड़ी हुई राजनीति, ड्रग्स और आतंकवाद। खबरों के मुताबिक, मालदीव की संलिप्तता से भारत के खिलाफ 26/11 जैसे कम से कम दो हमले हुए, जिन्हें विफल कर दिया गया। हाशिये पर रहने वाले वर्गों के दस में से नौ मालदीव के युवाओं को दुनिया के इस्लामीकरण अभियान के लिए कट्टरपंथी बनाया गया है। वर्ष 2023 में भारतीय खुफिया विभाग ने एक मुस्लिम खनन इंजीनियर (जो विस्फोटकों के बारे में जानता था) को गिरफ्तार किया, जिसने अपने कुछ इंजीनियर दोस्तों के साथ मिलकर कई शहरों में विस्फोट किया था। उसकी हैंडलर मालदीव की एक महिला थी। राष्ट्रपति बनते ही मुइज्जू तुर्किये के दौरे पर गए थे। अब यह बात उजागर हो गई है कि वह मालदीव के आईएस से जुड़े 36 युवाओं को सीरिया से माले लाने के लिए अंकारा से मदद मांगने गए थे।

कुछ अलग

नई सरकार, ट्रांसपेरेंसी अपार

पुरानी जैसी नई सरकार जैसे ही एक्शन मोड में आई तो उसने सबसे पहले अपनी पहली गारंटी को पजामा पहनाते पुरानी सरकार की सड़ी ट्रांसपेरेंसी नीति को सिरे से खारिज करते विभाग में हज्जामों के पद भरने का निर्णय लिया। दर्जियों के पद भरने का नहीं। सबको पता है कि जो दर्जी पहले मैन को जेंटलमैन बनाने के लिए जाने जाते थे, अब वे ही उसके तन से कपड़े उतार रहे हैं। आदमी दिमाग से तो पहले ही नंगा था, अब बदन से भी नंगा हो रहा है। ऐसे में दर्जी के पद भरने का मतलब था कि जनता के पैसे की बरबादी। आदमी नंगा हो तो अच्छा लगता है, पर जो कपड़े पहन कर नंगे से भी नंगा लगे तो बुरा नहीं, बहुत बुरा लगता है। ज्यों ही हाथों में ईमानदारी से एक से एक डिग्रियां लिए बूढ़े होते हज्जामों को पता चला कि सरकार अपनी पहली गारंटी पूरी करने जा रही है तो उनके जंग लगे उस्तरे जनता के गंजे सिरों तक को नया लुक देने के लिए मचल उठे। उनके हाथ जनता की गरदन अपने हिसाब से मरोडने तोडने को खारिश करने लगे। तय तिथि को सरकार ने जनता के सिर को नया रूप देने के लिए हर विभाग में हज्जाम के पद भरने के लिए सच्ची को पहली बार पूरी ट्रांसपेरेंसी से साक्षात्कार लिए। पूरी ईमानदारी से लिए। कहीं कोई भाई नहीं, कहीं कोई भतीजा नहीं। पार्टी वर्कर तो दूर दूर तक नहीं। पुराने पैटर्न की नई सरकार चाहती थी कि उसमें पारदर्शिता आए या न, पर वह अबसे भर्तियों में पूरी पारदर्शिता लाएगी। मलमल की तरह! बहुत हो लिया साक्षात्कारों में ये कि बैठे कोई तो अपाइंटमेंट ले कोई। अब जो योग्य होगा, वही अपाइंटमेंट भी पाएगा। हे हमारे वोटरो! गए वे दिन जब अपने को सरकारी पैसे पर ऐश करवाने के लिए ही सार्वजनिक भर्तियां निकाली जाती थीं। और जब तक अपना बंधु उस पद की योग्यता पूरी नहीं कर लेता था, तब तक पद भरने का विज्ञापन नहीं निकाला जाता था। हज्जामों की नई सरकार में भर्ती की ईमानदारी से लिस्ट फाइनल से पहले की फाइनल हुई। सरकारी हज्जामों का ईमानदारी से चयन करने में पहली बार हज्जामों का चयन करने वालों के पसीने छूटे। इससे पहले तो इंटरव्यू होने से पहले ही चयनित उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार हो जाया करती थी। हज्जामों की फाइनल लिस्ट ले वे मंत्री जी के पास पहुंचे। उन्होंने लिस्ट ऊपर से नीचे तक देखी। उसमें अपना एक भी हज्जाम न देख वे चौंके। 'तो कैसे रहे अबके इंटरव्यू?' उन्होंने अपने इंटरव्यू अधिकारी से पूछा तो वे सिर झुकाए बोले, 'सर! अबके पूरी ईमानदारी बरती गई है। ऐसी जैसी किसी लोक में भी नहीं बरती गई होगी आज तक। जैसे कि आपके आदेश थे, हम योग्य की इज्जत करते हैं। हम देश में योग्यता की पूजा करने चाहते हैं।' 'तो ये हज्जाम पूरी तरह योग्य हैं न?' 'सौ टका योग्य सर! ऐसे कि इनके हाथ से उस्तरा शत प्रतिशत जनता के बचे बाल ही काटेगा। गरदन जरा सी भी नहीं। चाहे ये आंखें बंद कर ही जनता की हजामत क्यों न करें? जैसा आप चाहेंगे, जनता के सिरों को ये वैसी ही लुक दे आपके विजन को बहुत आगे तक ले जाएंगे सर!' 'तुम्हें पूरी उम्मीद है न?' 'जी सर!' 'तो इनमें ये हमारे हज्जाम डाल दो।' 'पर सर! इनको तो उस्तरा पकडना भी नहीं आ रहा था। कुछ के पास तो उस्तरों के बदले चाकू का अनुभव था।' 'तो क्या हो गया! कल को जो पद पर बैठेंगे तो उस्तरा चलाना भी सीख जाएंगे।' 'पर सर! अगर जो इन्होंने जनता की हजामत करते करते उनकी गरदन, कान काट दिए तो?' 'तो क्या हो गया! जनता की गरदन, कान कटे हुए ही अच्छे लगते हैं। बल्कि हम तो चाहते हैं कि अगली गारंटी को पूरा करते हम ऐसे डॉक्टरों की भर्ती करें जो जनता की आंखों को ठीक करने के बदले...उनकी आंखें फोड़ दें, बची जुबान भी काट दें ताकि देश में सच्चा लोकतंत्र स्थापित हो सके।'

देश दुनिया से

बॉलीवुड और नेतागिरी

> फिल्में हमें हंसा सकती हैं, रुला सकती हैं, सोचने पर मजबूर कर सकती हैं और हमें प्रेरित कर सकती हैं। यह एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम है, जो लोगों के जीवन को कई तरह से प्रभावित करता है। बॉलीवुड में मशहूर अभिनेताओं के राजनीति में आने की शुरुआत सबसे पहले जवाहर लाल नेहरू के समय में हुई थी। इंदिरा फाइल्स नाम की बुक में बताया गया है कि कैसे इस समय के शीर्ष नेता ने उस वक्त के जाने-माने अभिनेता दिलीप कुमार का राजनीति में इस्तेमाल किया था। सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानीकारी के अनुसार 'एक बार इनकम टैक्स से संबंधित दिलीप कुमार का कोई केस फंस गया था तो उन्होंने तत्कालीन शीर्ष नेता से मदद मांगी।

लोकसभा चुनाव नजदीक हैं। वहीं चुनाव से पहले माहौल को रोचक बनाने में सिनेमा भी कदमताल कर रहा है। अनेक स्टार पुराने चुनावों की तरह इस बार भी चुनावी मैदान में हैं। हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री को बॉलीवुड के नाम से जाना जाता है। वहीं साउथ की फिल्मों को टॉलीवुड, कॉलीवुड और अमरीकी फिल्मों को हॉलीवुड कहा जाता है। दुनिया में सबसे ज्यादा फिल्में बनाने का रिकॉर्ड भारत के नाम है। फिल्म सिर्फ मनोरंजन का साधन ही नहीं है, बल्कि समाज से संवाद का एक बड़ा माध्यम भी है। कई फिल्में सच्ची घटनाओं पर आधारित होती हैं, जो हमें अतीत की झलक देती हैं। सिनेमा लोगों की सोच बदलने में बड़ी भूमिका निभाता है। फिल्में हमें हंसा सकती हैं, रुला सकती हैं, सोचने पर मजबूर कर सकती हैं और हमें प्रेरित कर सकती हैं। यह एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम है, जो लोगों के जीवन को कई तरह से प्रभावित करता है। बॉलीवुड में मशहूर अभिनेताओं के राजनीति में आने की शुरुआत सबसे पहले जवाहर लाल नेहरू के समय में हुई थी। इंदिरा फाइल्स नाम की बुक में बताया गया है कि कैसे इस समय के शीर्ष नेता ने उस वक्त के जाने-माने अभिनेता दिलीप कुमार का राजनीति में इस्तेमाल किया था। सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानीकारी के अनुसार 'एक बार इनकम टैक्स से संबंधित दिलीप कुमार का कोई केस फंस गया था तो उन्होंने तत्कालीन शीर्ष नेता से मदद मांगी। सुनते हैं कि नेता जी ने उनकी मदद तो कर दी, मगर बदले में उस समय के महाराष्ट्र के नेता से कह दिया कि इनका इस्तेमाल करो। शायद यह पहली बार था जब किसी अभिनेता को राजनीति में शामिल किया गया। लगातार चुनावी प्रचार के लिए दिलीप कुमार को उतारा गया।' एक दौर ऐसा भी आया जब दिवंगत संजय गांधी ने चुनाव प्रचार के लिए दिलीप कुमार को रायबरेली बुलाया। दिलीप कुमार रायबरेली फुरसतगंज हवाई अड्डे पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने दो घंटे तक इंतजार किया, लेकिन कोई लेने ही नहीं आया। फिर किसी से लिफ्ट लेकर संजय गांधी के पास पहुंचे। वहां जाकर पता चला कि रैली तो अगले दिन है। ऐसे ही कई किस्से हैं। दूसरे अभिनेताओं को भी राजनीति में शामिल किया जाने लगा। फेहरिस्त काफी लंबी है। साल 1975 में इमरजेंसी के समय सदाबहार अभिनेता किशोर कुमार और देवानंद के गाने बैन कर दिए गए थे। इससे देवानंद ने नाराज होकर सरकार के खिलाफ लडने के लिए एक राजनीतिक पार्टी बना ली थी। 1977 में इमरजेंसी हटने के बाद चुनाव से पहले तमाम फिल्मी सितारों ने एकजुट होकर सत्ता बदलने के लिए नेशनल पार्टी का गठन किया था। अभिनेता देवानंद पार्टी के अध्यक्ष थे। साल 1979 में बॉलीवुड की नेशनल पार्टी ने मुंबई के शिवाजी पार्क में पहली रैली की थी। रैली में लोगों का जनसमूह देख तमाम राजनीतिक पार्टियां हैरान रह गई थी। देवानंद के अलावा शत्रुघन सिन्हा, धर्मेंद्र, हेमामालिनी, संजीव कुमार जैसे अनेक सितारे भी पार्टी से जुड़े थे। हालांकि राजनीतिक दबाव के चलते धीरे-धीरे नेशनल पार्टी में शामिल सभी फिल्मी सितारे किनारा करने लगे। देवानंद अकेले ही पार्टी में रह गए थे। चुनाव से पहले राजनीति से प्रेरित फिल्मों का आना भी नई बात नहीं है? ऐसा इमरजेंसी के समय से देखने को मिल रहा है। हालांकि बदलते समय के साथ अब ऐसा ज्यादा होने लगा है। याद होगा सबसे पहले 1975 में राजनीति से प्रेरित फिल्म 'आंधी' रिलीज हुई थी। फिल्म पर इंदिरा गांधी की जिंदगी से जुड़े होने का आरोप लगा था। इमरजेंसी के समय सरकार ने इस फिल्म पर बैन लगा दिया था। इसके अलावा इमरजेंसी के समय एक फिल्म 'किस्सा कुर्सी का' रिलीज होनी थी। यह फिल्म जनता पार्टी सांसद अमृत नाहटा ने बनाई थी। इस फिल्म के कुछ प्रिंट जला दिए गए थे। उपरोक्त स्थितियां आज भी दिख जाती हैं। सिनेमा और राजनीति में काफी समानता दिखती है, वो इसलिए कि इन दोनों ही दुनिया में सब कुछ असमंजस भरा होता है। एक समय तक जिस फिल्म स्टार की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाती रहती हैं, अचानक कोई एक फ्लॉप फिल्म उसका करियर चौपट कर देती है। यही स्थिति राजनीति में भी है। एक चुनावी हार किसी नेता के राजनीतिक जीवन को रसातल में ले जाती है। दोनों ही दुनिया में सबसे बड़ी भूमिका उन लोगों की होती है जो उन्हें चाहते हैं। फिल्मी दुनिया में ये चाहने वाले दर्शक होते हैं और राजनीति में तथाकथित समर्थक। बीते कई दशकों से फिल्म और राजनीति की दो अलग दुनिया, एक-दूसरे में समाहित होती जा रही हैं।

आप का नजरिया

चुनाव की फिरौती

हिमाचल में लोकसभा एवं छह उपचुनावों ने चंद चेहरों से फिरौती मांग ली है। सलवटें माथे पे आईं तो करवटें बदल गईं, महफिल को लूटने का मजा कुछ अजीब था। टिकटों के आबंटन में फंसी पार्टियों की उधेड़बुन अंततः विधायकों की जेब में सियासत तलाश रही है और इस बस्ती में शोर है- देखो-देखो वह शेर आ गया। शेर होते तो मंचों पर दहाड़ नहीं रहे होते, लेकिन बनते-बिगड़ते समीकरणों में दूरबीन खोज रही है। चुनाव को दूरबीन से देखने वाले नेताओं की बाढ़ में कुछ चेहरे पहचान में आ रहे हैं और कुछ सियासी घटनाक्रम में महान हो रहे हैं। मंडी में कंगना के स्वागत में कांग्रेस का अंगना पैरवी कर गया कि इस इलाके में उनका शेर विक्रमादित्य सिंह है। शेर ढूंढने निकली कांग्रेस के पास विधायकों के सिवाय और हो भी कौन सकता, वरना आठ-दस गैर विधायकों को मिले कैबिनेट रैंक चुनाव की जमीन पर खड़े होते। यहां तर्क-वितर्क में फंसी सियासत को अगर बागी विधायकों को भाजपा की उम्मीदवारी पर रंज है, तो कांग्रेस के वर्तमान विधायकों को लोकसभा चुनाव में उतारने का भी यही प्रपंच है। जाहिर है सत्तारूढ़ होकर पार्टियां अपने ही नेताओं का शिकार करते-करते ऐसी स्थिति में पहुंच गई हैं कि कहीं फिल्मी कलाकार को राजनीतिक पर्दे पर उतारा जा रहा है, तो कहीं अपनी ही सत्ता की परिक्रमा में मजा आ रहा है। चुनाव भारी है, इसलिए फिरौती में कांग्रेस के कुछ विधायक मांग लिए। चुनाव आभारी है, इसलिए भाजपा की फिरौती में कांग्रेस के बागी छह जगह उतार दिए, वरना पार्टी के पास संगठनात्मक ताकत तो सब पर भारी है। बहरहाल जिस सर्कस से होकर कांग्रेस के टिकट गुजर रहे हैं, वहां हल्का-हल्का मनोरंजन व पार्टी के दांतों पर एक ही तरह का मंजन भी हो रहा है। अब जबकि मैदान के दूसरे छोर पर विपक्ष की सेना तैनात है, कांग्रेस अपनी ताकत की पोथी से सर्वेक्षण निकालकर देख रही है कि किसे सेनापति बनाया जाए। पहले ही चुनावी फिरौती ने कांग्रेस की सत्ता से मंडी में उम्मीदवार छीन लिया और अब सर्वेक्षण के जरिए यह पुख्ता हो रहा है कि हमीरपुर से उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से आरएस बाली जैसा कोई नहीं। यकीनन सर्वे इन दोनों नेताओं की कद काठी पर कांग्रेस के अरमान चढ़ाना चाहता है, लेकिन जिन्हें बिना चुनाव लड़े बड़े-बड़े पद व सरकार के ओहदे मिले, उनकी उपयोगिता अब आड़े आ रही है। सत्ता के पदों का आबंटन खुशफहमी दे सकता है, लेकिन किसी नेता का उदय जनता के अखाड़ों पर मिट्टी से सन कर ही होता है। हम मान सकते हैं कि वर्तमान सरकार में विक्रमादित्य सिंह, मुकेश अग्निहोत्री व आरएस बाली की हस्तियों में कांग्रेस की पतवार थामने का कौशल है। यह सिद्ध हो रहा है कि ये नेता अपने वजूद में पार्टी का हुजूम लेकर चल सकते हैं। दूसरी ओर बागियों के खेत में मूली ढूंढ कांग्रेस को उनके कद को नीचा करना टेढ़ी खीर बना हुआ है। मुख्यमंत्री के निशाने पर सुधीर शर्मा व राजेंद्र राणा का रहना, यह भी साबित करता है कि अगर ये दोनों चुनाव की फिरौती में साबित हो गए, तो हिमाचल की सियासी धुरी में इनका भी कमाल होगा। जाहिर तौर पर कांग्रेस को वीरभद्र सिंह के बाद ऐसे नेताओं की जरूरत थी जो प्रदेश को चलाने की अलावा पार्टी को सत्ता में बनाए रखने का करिश्मा पैदा कर सकें।

भारत से दवा निर्यात 10 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब डॉलर
यूएस-यूके सहित अन्य देशों में मांग बढ़ने से मिली मदद

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 फीसदी बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पहुंच गया। 2022-23 के दौरान यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में भारत से 2.8 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया गया। यह मार्च, 2023 की तुलना में 12.73 फीसदी अधिक है। भारत औसतन हर महीने दो से तीन अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात करता है। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा, अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है। सरकार ने प्रमुख दवा सामग्री और जेनेरिक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए दो उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की हैं।

130 अरब डॉलर का होगा कारोबार – घरेलू दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक बढ़कर 130 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार अवसरों के विस्तार और विदेश में बढ़ती मांग के दम पर यह लक्ष्य हासिल हो पाएगा। भारत ने 2023-24 के दौरान पांच देशों अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में सबसे ज्यादा दवाओं का निर्यात किया। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 31 फीसदी से अधिक रही। कुल दवा निर्यात में ब्रिटेन और नीदरलैंड का करीब तीन फीसदी योगदान रहा। भारत को पिछले वित्त वर्ष के दौरान कई नए बाजारों में कदम रखने का अवसर मिला। इन बाजारों में मोंटेनेग्रो, दक्षिण सूडान, चाड, कोमोरोस, ब्रूनेई, लात्विया, आयरलैंड, स्वीडन, हैती और इथियोपिया शामिल हैं।

100 अरब डॉलर के पार पहुंचेगा भारत व यूएई के बीच कारोबार – मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के मई, 2022 में लागू होने के बाद से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच द्विपक्षीय कारोबार में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) परिषद के निदेशक अहमद अलजनेबी ने कहा, दोनों देशों के बीच 2030 तक गैर-तेल कारोबार 100 अरब डॉलर के लक्ष्य के पार पहुंचने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर अश्नीर ग्रोवर का तंज, बोले- चुनाव के समय अर्थहीन हो जाते हैं करदाता

नई दिल्ली। भारत में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्माया हुआ है। जहां कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा अमेरिका के विरासत टैक्स पर दिए बयान पर विवाद थमा नहीं था। वहीं अब शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अश्नीर ग्रोवर ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिसने आग में घी डालने जैसा काम किया है। दरअसल, ग्रोवर का कहना है कि राजनीतिक रैलियों में नेता टैक्स को लेकर कोई भी वादा करके बाद में बच निकल सकते हैं क्योंकि देश में चुनावों के मामले में करदाता अर्थहीन अल्पसंख्यक हैं। मात्र 0.5 फीसदी मतदाता इनकम टैक्स भरते हैं उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आपको पहले भारत में टैक्स की राजनीति को समझने की जरूरत है। 140 करोड़ भारतीयों में से आठ करोड़ ही इनकम टैक्स रिटर्न भरते हैं। वहीं, दो करोड़ भारतीय केवल टैक्स देते हैं। मजेदार बात यह है कि इन दो करोड़ लोगों में से भी केवल 45 लाख लोग कुल आयकर का 80 फीसदी भरते हैं। कुल 97 करोड़ वोटर हैं। अगर हिसाब लगाएं तो मात्र 0.5 फीसदी मतदाता इनकम टैक्स का भुगतान करते हैं। बिना अहमियत वाले अल्पसंख्यक अश्नीर ग्रोवर ने कहा, इसलिए ही आप किसी राजनीतिक रैली में टैक्स पर कुछ भी कहकर बच निकल सकते हैं। क्योंकि टैक्स देने वाले बिना अहमियत वाले अल्पसंख्यक हैं। हालांकि, शार्क टैंक इंडिया के जज रहे अश्नीर ग्रोवर ने किसी राजनेता का नाम नहीं लिया है। लेकिन इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा विरासत टैक्स पर की गई टिप्पणी के बीच उनका ऐसा बयान आना सियासी गलियारे में हलचल मचा सकता है। सैम पित्रोदा ने यह कहा था दरअसल, सैम पित्रोदा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिसमें वह अमेरिका के विरासत टैक्स का जिक्र कर रहे थे। उनका कहना था, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है। यह कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं, आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। हालांकि पूरी नहीं, आधी ही। ये जो निष्पक्ष कानून है मुझे अच्छा लगता है।

जल्द खुल सकता है देश का सबसे बड़ा आईपीओ, शेयरहोल्डर्स से मिल गई मंजूरी

SWIGGY

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी और क्विक कॉमर्स ऐप स्विगी ने अपने ईजीएम में आईपीओ को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की। कंपनी ने बताया कि उसके आईपीओ को शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिल गई है। स्विगी अपने आईपीओ के जरिये 1.2 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने फाइलिंग में बताया कि वह 45 करोड़ डॉलर (करीब 3,750 करोड़ रुपये) और ऑफर-फॉर-सेल में 80 करोड़ डॉलर (लगभग 6,664 करोड़ रुपये) के स्टॉक जारी करेगा। स्विगी के शेयर को देश का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। कंपनी ने एंकर निवेशकों से करीब 750 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। स्विगी में किसकी कितनी है हिस्सेदारी 23 अप्रैल को स्विगी की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) हुई। स्विगी ने इसको लेकर कोई तुरंत टिप्पणी नहीं की। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के प्रमुख निवेशकों में की स्विगी में लगभग 32

रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ 83.39 डॉलर

मुंबई। घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुख और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया शुरुआती

कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.39 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) के बिकवाल रहने का असर भी स्थानीय मुद्रा पर पड़ने की आशंका है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.34 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में फिसलकर 83.39 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.33 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.78 पर रहा।

पिछले महीने 16.31 प्रतिशत बढ़ा क्रेडिट कार्ड से खर्च
बीते वित्त वर्ष क्रेडिट कार्ड से 18.26 लाख करोड़ खर्च

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बीते वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान देश में क्रेडिट कार्ड से खर्च सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 18.26 लाख करोड़ रुपए हो गया। आरबीआई की ओर से जारी लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यह खर्च करीब 14 लाख करोड़ रुपए था। मार्च 2024 में क्रेडिट कार्ड खर्च सालाना आधार पर करीब 16.31 प्रतिशत बढ़कर 1.64 लाख करोड़ रुपए हो गया। मार्च 2023 के दौरान क्रेडिट कार्ड से 1.41 लाख करोड़ रुपए खर्च हुआ था। क्रेडिट कार्ड से प्वाइंट ऑफ सेल पर खर्च मार्च 2024 में 17.64 प्रतिशत बढ़कर 60,378 करोड़ रुपए हो गया। मार्च 2023 में पीओएस पर क्रेडिट कार्ड से करीब 51 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। ऑनलाइन क्रेडिट कार्ड से पेमेंट मार्च 2024 में 1.05 लाख करोड़ रुपए हो गया। यह मार्च 2023 की तुलना में 22.09 प्रतिशत अधिक है। उस दौरान 86 हजार करोड़ रुपए क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन पेमेंट हुए थे।

एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से ट्रांजेक्शन मार्च में 15 प्रतिशत बढ़ा – लीडिंग कार्ड कंपनियों में एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से मार्च 2024 में 43,471 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। यह मार्च 2023 में हुए 37,763 करोड़ रुपए के लेनदेन से 15.11 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से 30,733 करोड़ रुपए खर्च हुए। यह मार्च 2023 के 24,234 करोड़ रुपए के खर्च से 26.81 प्रतिशत ज्यादा है। जबकि, एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से

बीते महीने करीब 18,941 करोड़ रुपए का लेनदेन किया गया।

एक से ज्यादा क्रेडिट कार्ड रखना है, फायदे का सौदा – ज्यादातर क्रेडिट कार्ड यूजर अपने पास एक से ज्यादा कार्ड रखते हैं। ऐसे में आप भी अलग-अलग कैटेगरी में होने वाले खर्चों के हिसाब से अलग कार्ड रख सकते हैं। जैसे कुछ कार्ड हमें एंटरटेनमेंट पर होने वाले खर्च पर अच्छा बेनिफिट दे देते हैं। तो कुछ यूटिलिटी बिल भरने पर 5 प्रतिशत तक का डिस्काउंट दे देते हैं।

अलग-अलग कार्ड रखना आपको ज्यादा का फायदा कराएगा। ऐसे में सही क्रेडिट कार्ड चुनने से पहले आप अपनी जरूरतों को समझें। जैसे-

- साल भर में फ्यूल पर होने वाला खर्च
- फ्लाइट की फ्रीक्वेंसी और उस पर होने वाला खर्च
- रेलवे पर सालाना खर्च
- ई-कॉमर्स पर खर्च
- सिनेमा में होने वाला सालाना खर्च
- इंटरनेशनल ट्रिप पर खर्च
- होटल स्टे पर खर्च

इन खर्चों का आकलन करने के बाद, आपको आइडिया मिल जाएगा कि आपके लिए किस तरह का कार्ड जरूरी है। जैसे आप अगर फ्लाइट से रेगुलर सफर करते हैं तो फ्री एयरपोर्ट लाउंज वाले कार्ड आपके लिए फायदेमंद हैं। वहीं अगर आप ऑनलाइन ज्यादा खर्च करते हैं तो ऑनलाइन खर्चों पर ज्यादा लॉयल्टी पॉइंट्स या कैशबैक देने वाले कार्ड आपके लिए ज्यादा प्रॉफिटेबल हैं।

कार्ड से उसका एनुअल चार्ज भी नहीं वसूल पा रहे, तो करवा दें बंद – कुछ क्रेडिट कार्ड पर ये कंडीशन होती है कि साल भर में एक फिक्स अमाउंट खर्च करने के बाद, अगले साल लगने वाला एनुअल चार्ज फ्री हो जाएगा। ऐसे में मान लीजिए कि कार्ड पर आपका सालाना खर्च 1 से 2 लाख तक रहने वाला है, लेकिन आप जानकारी के अभाव में कोई प्रीमियम कार्ड ले लेते हैं। जिसमें एनुअल चार्ज फ्री कराने के लिए आपको साल भर में 5 लाख की खरीदारी करनी होगी, तो ऐसे में आपको उस कार्ड को बंद करवा देना चाहिए। अपने पास वही कार्ड रखें, जिससे आप उस पर लगने वाले एनुअल चार्ज के बराबर या उससे ज्यादा वैल्यू तक के फायदे को वसूल कर पा रहे हैं। कुछ कार्ड हमें एनुअल चार्ज से ज्यादा का फायदा करा देते हैं। मान लीजिए आपके पास 1,000 रुपए एनुअल चार्ज वाला एक कार्ड है, उस कार्ड से मूवी टिकट खरीदने पर आपको 25 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल जाता है। वहीं आप साल भर में लगभग 6,000 रुपए तक की मूवी टिकट खरीदते हैं तो ऐसे में आपको 1,500 रुपए का डिस्काउंट मिल जाएगा और आप एनुअल चार्ज से ज्यादा का फायदा ले पाएंगे। ये कार्ड आपके लिए फायदे का सौदा है।

क्रेडिट कार्ड पर होने वाले फ्रॉड से कैसे बचें

- दिन प्रतिदिन क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बढ़ रहा है, तो इससे सम्बंधित फ्रॉड भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में हम कुछ बेसिक बातों का ध्यान रखकर, इन फ्रॉड से बच सकते हैं।
- सीवीवी और ओटीपी किसी से शेयर न करें।
- कार्ड को ऑनलाइन इस्तेमाल करते समय वेबसाइट का यूआरएल जरूर चेक करें।
- कार्ड का सीवीवी और ओटीपी सिर्फ ऑथेंटिक पेमेंट गेटवे पर ही डालें।
- बैंक अलर्ट हमेशा चालू रखें।
- पब्लिक वाईफाई से बचें, खासकर पेमेंट करते समय।
- फ्रॉड हो जाने पर जल्द से जल्द बैंक को सूचित करें।
- नए ऐप या वेबसाइट पर कार्ड सेव न रखें।
- मोबाइल फोन में संदिग्ध ऐप इंस्टॉल न करें।

भारत जैसे-जैसे विकसित होगा खाने पीने से जुड़ी चीजों की महंगाई कम होती जाएगी, बोलीं एमपीसी सदस्य

नई दिल्ली, 25 अप्रैल।

भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या भविष्य में "कम गंभीर" होगी, क्योंकि विविध स्रोतों के साथ आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट खाद्य पदार्थों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से निपटने में मदद कर सकती हैं। ये बातें भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने कही। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि नीतियों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

गोयल ने कहा, "जैसे-जैसे भारत विकसित होगा, इस समस्या (खाद्य पदार्थों की उच्च कीमतों) की गंभीरता कई कारणों से कम होती जाएगी। विविध स्रोतों वाली आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनसे निपटने में मदद करेंगी।

गोयल ने कहा कि किसी ने भी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में टमाटर या प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा, "हमारे पास स्वाभाविक रूप से विविध भौगोलिक क्षेत्र हैं, विभिन्न क्षेत्रों से बेहतर एकीकृत बाजार जलवायु परिवर्तन से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होना रहा। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि मुद्रास्फीति 2024-25 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत और 2022-23 में 6.7 प्रतिशत थी।

सेबी ने हिंडनबर्ग से पहले अदाणी के शेयरों में शॉर्ट कारोबार के लिए दो फंडों की जांच की

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा दो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के खिलाफ जांच शुरू करने के बाद अदाणी समूह के शेयरों में स्थिरता रही। इन दो कंपनियों में एक पर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से ठीक पहले समूह की कंपनियों के शेयरों में शॉर्ट कारोबार का आरोप है। पूंजी बाजार नियामक ने विदेशी फंडों के इन दो अलग-अलग समूहों से संभावित नियम उल्लंघन के लिए स्पष्टीकरण मांगा है।

मामले के जानकार लोगों ने पहचान न बताने की शर्त पर बताया कि बाजार में हेरफेर के आरोपों का सामना कर रहे समूह पर संदेह है कि उसने अरबपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाली फर्मों के शेयरों में शॉर्ट कारोबार किया यानि बेहद कम समय के लिए बड़ी संख्या में शेयर खरीदकर दाम बढ़ाए और फिर मुनाफाखोरी कर शेयर बेच दिये क्योंकि उसे खबर मिली थी कि शॉर्ट सेलर रिपोर्ट जल्द ही प्रकाशित की जाएगी।

उन्होंने फंड का नाम नहीं बताया – निवेशकों के दूसरे समूह की जांच जून 2021

में अडाणी के शेयरों में भारी निवेश के लिए की जा रही है। अडाणी समूह पहले ही इन फंडों के साथ किसी भी तरह के जुड़ाव से इनकार कर चुका है। फंड का स्पष्टीकरण सुनने के बाद बाजार नियामक नई जांच में अंतिम आदेश जारी करेगा। सेबी या अदाणी समूह ने रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं की। रिपोर्टों के अनुसार, सेबी ने फंडों पर अपने अंतिम लाभकारी मालिकों के बारे में जानकारी बनाए रखने और खुलासा करने में विफल रहने के साथ-साथ कुछ अवधि के दौरान अदाणी समूह की सूचीबद्ध संस्थाओं में निवेश सीमा का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

बेबी फूड में अधिक चीनी मिलाने की खबरों पर सरकार सख्त, नियामक देश भर में इकट्ठा कर रहा नेस्ले के सैंपल

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने बताया है कि वह पूरे भारत से नेस्ले के बेबी फुड सेरेलैक के नमूने इकट्ठे कर रहा है। नियामक की ओर से यह कार्रवाई उत्पादों में अतिरिक्त चीनी मिलाने की खबरों के बाद की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जी कमला वर्धन राव ने एसोचैम के एक कार्यक्रम से इतर पीटीआई से कहा, इस प्रक्रिया को पूरा करने में 15 से 20 दिन का समय लगेगा। एफएसएसएआई स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए उत्तरदायी है।

इससे पहले, स्विस एनजीओ

पब्लिक आई की ओर से प्रकाशित एक वैश्विक रिपोर्ट पर संज्ञान लेने के बाद उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने नेस्ले के शिशु खाद्य उत्पादों में कथित उच्च चीनी की मात्रा पर चिंता व्यक्त किया था। उसके बाद एफएसएसएअई की ओर से सैंपल इकट्ठा कर कंपनी की ओर से बच्चों के लिए बनाई जा रही खाद्य उत्पादों की जांच करने का कदम उठाया गया।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेस्ले यूरोप के बाजारों की तुलना में भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचती है। हालांकि, नेस्ले इंडिया की ओर से दावा किया गया कि उसने अनुपालन से कभी समझौता नहीं किया और उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु खाद्य उत्पादों में चीनी की मात्रा में 30 प्रतिशत तक की कमी की है। चीनी विवाद के बीच नेस्ले इंडिया के लिए अच्छी खबर, चौथी तिमाही में मुनाफा 27 प्रतिशत बढ़ा दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 934 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में शुद्ध मुनाफा 737 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन अवधि में परिचालन आय बढ़कर 5,267 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 4,830 करोड़ रुपये थी।

भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करे शहबाज सरकार, पड़ोसी देश के कारोबारियों ने की पीएम से अपील

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कारोबारियों ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से एक मुलाकात के दौरान भारत के साथ कारोबारी बातचीत शुरू करने की अपील की है। एक मुलाकात के दौरान पड़ोसी देश के कारोबारियों ने पीएम से कहा कि वे भारत के साथ कारोबार और वाणिज्य से जुड़ी बातचीत की पहल करें, इससे नकदी संकट से जूझ रहे देश को बहुत लाभ मिलेगा।

पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में सिंध सीएम आवास पर एक घंटे की एक बैठक के

दौरान वहां के व्यापारिक समुदाय से जुड़े लोगों ने आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प की सराहना की, लेकिन उन्हें सलाह दी कि वे अर्थव्यवस्था का कायापलट करने के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करें।

खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के तरीके तलाशने के लिए व्यापारिक समुदाय के साथ बैठक की। हालांकि, उनके संकल्प को उद्योग जगत के लोगों की आशंकाओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खासकर उच्च ऊर्जा लागत और असंगत सरकारी नीतियों के साथ व्यापार करना "लगभग असंभव" है।

प्रधानमंत्री के संक्षिप्त भाषण के बाद सवाल-जवाब शुरू किए गए। इस दौरान व्यापार जगत के लोगों ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने वांछित परिणाम हासिल करने के लिए आर्थिक नीतियों पर प्रस्ताव भी साझा किए।

पूंजी बाजार की दिग्गज कंपनी आरिफ हबीब समूह के प्रमुख आरिफ हबीब ने कहा, "कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ समझौते किए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है।" खबर में कहा गया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने के लिए भी कहा।

उन्होंने कहा, "मेरा सुझाव है कि आप कुछ और समझौते करें। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। दूसरा आपको अदियाला जेल में रह रहे (पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ़ के नेता इमरान खान) के साथ भी (हाथ मिलाना) करना चाहिए। उस स्तर पर भी चीजों को ठीक करने का प्रयास करें और मुझे विश्वास है कि आप यह कर सकते हैं।" भारत के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा रद्द करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध टूट गए।

भारत के फैसले पर पाकिस्तान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया दी गई जिसने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया और भारतीय दूत को निष्कासित कर दिया। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीधे व्यापार संबंध भी खत्म कर दिए। भारत ने पाकिस्तान को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग "था, है और हमेशा रहेगा।

प्रधानमंत्री शरीफ बैठक में राजनीतिक स्थिरता पर पूछे गए सवालों का सीधा जवाब देने से बचते रहे, लेकिन दावा किया कि उन्होंने आर्थिक वृद्धि के लिए कारोबार जगत के प्रस्तावों को संज्ञान में लिया है और उन्हें आश्वासन दिया कि वह जल्द ही देशभर के व्यापारियों को इस्लामाबाद आमंत्रित करेंगे और "जब तक सभी मुद्दे हल नहीं हो जाते" उनके साथ बातचीत करते रहेंगे।

पाकिस्तान की पूर्व महिला कप्तान बिस्माह मारूफ ने संन्यास लिया

लाहौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बाएं हाथ की बल्लेबाज और पाकिस्तान महिला टीम की पूर्व कप्तान बिस्माह मारूफ ने तत्काल प्रभाव से अपने खेल करियर को अलविदा कह दिया है। भरोसेमंद अनुभवी बल्लेबाज ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की एकदिवसीय श्रृंखला में खेला था, जिसे वे निराशाजनक रूप से 3-0 से हार गए थे। बिस्माह ने अपना वनडे डेब्यू 2006 में भारत के खिलाफ और टी20 डेब्यू 2009 में आयरलैंड के खिलाफ किया था।

उन्होंने 276 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया, जो उनके देश की किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा सबसे अधिक है। उन्होंने 33 अर्धशतकों सहित 6,262 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं, और अपने दाहिने हाथ की लेग-स्पिन के साथ 80 अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिए। वेस्टइंडीज से सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने महिला चयन समिति का पुनर्गठन किया। महिला टीम की पूर्व खिलाड़ी अस्माविया इकबाल और मरीना इकबाल को बरकरार रखा गया है, जबकि बातूल फातिमा, अब्दुल रज्जाक और असद शफीक (पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के दोनों सदस्य) नई समिति का हिस्सा हैं।

कुछ घंटों बाद, बिस्माह ने अपने खेल करियर को अलविदा कह दिया, जिसे उन्होंने महिला वनडे और टी20 में पाकिस्तान की अग्रणी रन-स्कोरर के रूप में समाप्त किया। मैंने उस खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। यह चुनौतियों, जीत और अविस्मरणीय यादों से भरी एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। मैं अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने शुरू से लेकर अब तक मेरी क्रिकेट यात्रा में मेरा समर्थन किया है।

मैं मुझ पर विश्वास करने और मेरी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भी धन्यवाद देना चाहती हूं। पीसीबी का समर्थन अमूल्य रहा है, खासकर मेरे लिए पहली अभिभावक नीति लागू करने में, जिसने मुझे एक मां होने के बावजूद उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाया। मैं उन प्रशंसकों की बहुत आभारी हूं जिनका अटूट समर्थन मेरे पूरे करियर में, जहां भी और जब भी मैंने अपने देश का प्रतिनिधित्व किया, निरंतर मिलता रहा है। अंत में, मैं अपने साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद देना चाहूंगी, जो मेरे लिए परिवार की तरह बन गए हैं। पीसीबी द्वारा जारी एक बयान में बिस्माह ने कहा, मैदान के अंदर और बाहर हमने जो सौहार्द्र साझा किया, उसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगी।

बिस्माह ने 15 साल की उम्र में राष्ट्रीय टीम में प्रवेश किया और 96 अंतर्राष्ट्रीय मैचों - 62 टी20 और 34 एकदिवसीय मैचों में पाकिस्तान की कप्तानी की।

वह 2010 और 2014 के संस्करणों में एशियाई खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला टीम का भी हिस्सा थीं। पीसीबी की महिला क्रिकेट प्रमुख तानिया मलिक ने कहा, जैसा कि बिस्माह मारूफ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा है, हम सभी पाकिस्तान महिला क्रिकेट में उनके अपार योगदान के लिए आभारी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से, हम टीम और देश के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अमूल्य सेवाओं के लिए बिस्माह के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। मैं बिस्माह को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देती हूं और उनकी आगे की यात्रा उनके क्रिकेट करियर की तरह ही फायदेमंद और संतुष्टिदायक होगी।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में जगह देने के सपोर्ट में उतरे दिग्गज

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर और दीपदास गुप्ता ने ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया में शामिल करने को लेकर अपना समर्थन दिया है। मांजरेकर का मानना है कि ऋषभ पंत वो काम कर सकते हैं, जो ज्यादातर भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं कर सकते और इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए। वहीं, दीपदास गुप्ता ने कहा कि वह अधिक फिट हैं और बेहतर बल्लेबाजी कर रहा है। बिना किसी संदेह उसे 15 सदस्यीय टीम में होना चाहिए। जीटी के खिलाफ तूफानी पारी खेलने के बाद उठी मांग बता दें कि ऋषभ पंत ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 44 रन और गुजरात टाइटंस के खिलाफ 43 गेंदों में 88 रन की पारी खेली। जिसके बाद उनको टी20 वर्ल्ड कप की टीम में शामिल करने की मांग तेज हो गई है। संजय मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा कि हम जिस कारण से इस पर बहस कर रहे हैं, उसका एकमात्र कारण हमारे पास मौजूद विकल्प है। वह 60 गेंदों में शतक लगाएगा और मैच जीतेगा' उन्होंने कहा कि एक विकल्प के रूप में संजू सैमसन और केएल राहुल हैं, दोनों बहुत ही रोमांचक हैं, लेकिन बात ऋषभ पंत की है। यही कारण है कि मैं 15 में, प्लेइंग 11 में भी हर समय उनका समर्थन करूंगा, बड़े मंच पर आएं। टी20 वर्ल्ड कप का सेमी या फाइनल, वह व्यक्ति 60 गेंदों में शतक लगाएगा और मैच जीतेगा। 'ऋषभ पंत का स्वभाव अलग' उन्होंने कहा अब यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे भारतीय टीम में बहुत से लोग करेंगे। हमने देखा है कि भारतीय टीम फाइनल राउंड में पहुंची और बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, ऋषभ पंत स्वभाव से एक अलग तरह के स्थान पर हैं जहां आप जानते हैं कि इस तरह का मंच, उन्हें और अधिक फलने-फूलने की अनुमति देते हैं।

जिंबाब्वे के पूर्व क्रिकेटर गाय विटल पर तेंदुए ने किया जानलेवा हमला, पालतू कुत्ते ने बचाई जान

नई दिल्ली। जिंबाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर गाय विटल पर हुमानी क्षेत्र में हाल ही में तेंदुए ने जानलेवा हमला किया। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक गाय विटल हुमानी क्षेत्र में ट्रैकिंग के लिए गए थे, जहां उन पर तेंदुए ने जानलेवा हमला किया। पूर्व ऑलराउंडर इस समय ठीक होने में जुटे हुए हैं। गाय विटल के पालतू कुत्ते चिकारा ने तेंदुए से लड़ाई की और 51 साल के क्रिकेटर की जान बचाई। हालांकि, चिकारा को तेंदुए ने काट लिया और उसका भी उपचार किया जा रहा है। गाय विटल की पत्नी हनाह ने इस खबर की पुष्टि की और अपने पति की पट्टियों से ढके शरीर की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। पूर्व ऑलराउंडर को एयरलिफ्ट के जरिये हरारे भेजा गया, जहां उनका घाव भरने के लिए सर्जिकल उपचार किया जाएगा। हनाह के हवाले से डेली मेल ने कहा, गाय विटल वाकई भाग्यशाली हैं। पहले मगरमच्छ और अब तेंदुआ, वो वाकई 9 जिंदगी वाली बिल्ली हैं। गाय विटल भाग्यशाली थे कि चकिारा वहां उनकी मदद करने को था, जिसने तेंदुए को दूर भगा दिया। वरना कौन जानता है कि इसका अंत कैसे होता। बता दें कि पशु चिकित्सा अस्पताल में पालतू कुत्ते चिकारा का उपचार चल रहा है। विटल कुछ साल पहले मगरमच्छ के कारण सुर्खियों में आए थे।

पाकिस्तानी एथलीट ने जीतने के बाद लहराया भारत का तिरंगा, सलमान खान भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद किसी से छिपा नहीं है। जब भी दोनों देशों के खिलाड़ी आमने-सामने उतरते हैं तो खिलाड़ियों के साथ-साथ प्रशंसकों का उत्साह आसमान छूने लगता है। ऐसा ही कुछ उस वक्त हुआ जब दुबई में कराटे कॉम्बेट केसी45 में एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने भारतीय खिलाड़ी को 2-1 से मात दी। इसके बाद उन्होंने जो किया, उसने सभी का दिल जीत लिया। दरअसल, कराटे का पहला मुकाबला पाकिस्तान के रिजवान अली ने जीता जबकि दूसरा मैच भारत के हिमांशु कौशिक ने जीता। इसके बाद तीसरे दौर में शाहजेब ने भारत के राणा सिंह को मात दी। जीत के बाद शाहजेब ने कुछ ऐसा किया जिसने सभी का दिल जीत लिया। पाकिस्तानी एथलीट ने लहराया तिरंगा दरअसल, शाहजेब ने भारतीय एथलीट को हराने के बाद पहले पाकिस्तान का झंडा लहराया। इसके बाद उन्होंने भारत का झंडा भी फहराया, जिसे देखकर हर कोई गद-गद हो गया। दिलचस्प बात यह है कि शाहजेब और राणा सिंह के बीच हुए इस मैच का आनंद लेने के लिए बॉलीवुड के स्टार सलमान खान भी पहुंचे थे। यह मैच शांति के लिए था- शाहजेब शाहजेब ने कहा, यह मुकाबला शांति के लिए खेला गया था।

आरसीबी ने हैदराबाद से लिया पिछली हार का बदला घर में दी पटकनी, ऑलराउंड प्रदर्शन से चौंकाया

हैदराबाद, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली (51), रजत पाटीदार (50) और कैमरन ग्रीन (37) की आतिशी पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 41वें मैंच में सनराइजर्स हैदराबाद को 35 रनों हरा दिया है। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने शीर्ष चार में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है।

207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में ट्रैविस हेड (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा 13 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। एडन मारक्रम (7), नितीश कुमार रेड्डी (13), हाइनरिक क्लासन (7), अब्दुल समद (10), भुवनेश्वर कुमार (13) रन बनाकर आउट हुये। हैदराबाद के बल्लेबाजों विकेट गिरने के बावजूद 10 रनों की औसत को बनाये रखा। लेकिन लगातार गिरते विकेटों के कारण वे आखिरी ओवरों में 10 रनों की औसत काम कामय नहीं रख सके। कप्तान पैट कमिंस ने 15 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुये 31 रन बनाये। शाहबाज अहमद 37 गेंदों में 40 रन और जयदेव उनादकट आठ रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 171 रन ही बना सकी और मुकाबला 35 रनों से हार गई। बेंगलुरु की ओर से कैमरन ग्रीन, स्वप्निल सिंह और कर्ण शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। यश दयाल और विल जैक्स ने एक-एक बल्लेबाज को किया आउट। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने सनराइजर्स हैदराबाद को जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। चौथे ओवर में थंगारसु नटराजन ने डुप्लेसी को आउट कर हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। डुप्लेसी ने 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 25 रनों की पारी खेली। सातवें ओवर में मयंक मार्कंडेय ने विल जैक्स (6) पर बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। विराट और रजत पाटीदार ने तीसरे विकेट लिये बड़ी साझेदारी करने का प्रयास किया।

इसी दौरान 13वें ओवर में उनादकट ने रजत पाटीदार को आउट कर दिया। रजत ने 20 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के लगाते हुए 50 रन बनाये। महिपाल लोमरोर (7), दिनेश कार्तिक (11) बनाकर आउट हुये। स्वप्निल सिंह नाबाद 12 रन और कैमरन ग्रीन ने 20 गेंदों में पांच चौकों की मदद से नाबाद 37रन बनाये। बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 206 रन बनाये। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट ने तीन विकेट लिये। थंगारसु नटराजन को दो विकेट मिले। पैट कमिंस और मयंक मार्कंडेय ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुकेश की जीत के बाद एआईसीएफ उठाएगा बड़ा कदम, इस चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए लगाएगा बोली

चेन्नई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जीतने के बाद अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के सचिव देव पटेल ने कहा कि भारत गुकेश और गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के बीच साल के अंत में होने वाले विश्व चैंपियनशिप के मेजबानी अधिकार हासिल करने के लिए बोली लगाएगा। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे।

लिरेन और 17 वर्षीय गुकेश के बीच विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले के तारीख और आयोजन स्थल की घोषणा अब तक नहीं हुई है, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच साल के अंत में यह चैंपियनशिप होगी। अब एआईसीएफ के सबसे युवा सचिव देव पटेल ने इस बात की जानकारी दी है कि महासंघ इस चैंपियनशिप की बोली लगाने के इच्छुक है।

फिडे को प्रस्ताव भेजेगा एआईसीएफ - देव ने कहा, हम शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे से इस बारे में चर्चा करेंगे और हमारी कोशिश रहेगी कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चैंपियनशिप का आयोजन भारत में ही हो। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य फिडे को विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी का प्रस्ताव देना ही नहीं, बल्कि देश में शतरंज को लोकप्रिय खेल बनाना है। देव ने कहा कि एआईसीएफ शुक्रवार को इस मामले को लेकर फिडे से संपर्क करेगा। उनके अनुसार, गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश इस चैंपियनशिप की मेजबानी करने की दौड़ में शामिल हैं। पिछले महीने एआईसीएफ के सचिव का पद संभालने वाले देव ने बताया कि उन्हें इस बात का पूरा अंदाजा है कि खिलाड़ियों को किन चीजों की जरूरत होती है। गुजरात संघ में अपने अनुभवों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मैं इस खेल की जटिलताओं को समझता हूं और यह भी जानता हूं कि गुकेश या अन्य किसी स्टार खिलाड़ी को बनाने के लिए उनके माता-पिता, कोच और अन्य सहायक लोगों को वाकई बहुत कुछ करना पड़ता है।

पीसीबी ने राष्ट्रीय महिला चयन समिति का पुनर्गठन किया

लाहौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय महिला चयन समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें वेस्टइंडीज महिला टीम के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 की हार के बाद पाकिस्तान महिला टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए इसे सात सदस्यों तक बढ़ा दिया गया है। नई चयन समिति में पिछले पैनल के बरकरार सदस्य अस्माविया इकबाल और मरीना इकबाल शामिल हैं। अब्दुल रज्जाक और असद शफीक (दोनों पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य) और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, बतूल फातिमा भी समिति में शामिल हैं। पीसीबी ने जारी एक बयान में कहा, पिछले पैनल के बरकरार रखे गए सदस्यों में अस्माविया इकबाल और मरीना इकबाल शामिल हैं। उनके साथ अब्दुल रज्जाक और असद शफीक (दोनों पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य) और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, बतूल फातिमा भी शामिल हैं। पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के अनुरूप, कोच और कप्तान भी राष्ट्रीय महिला चयन समिति का हिस्सा होंगे। नई चयन समिति का तत्काल कार्य इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए पाकिस्तान महिला टीम का चयन करना होगा, जहां उन्हें 11 से 29 मई तक तीन टी20 और तीन आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 मैच खेलने हैं। हाल ही में वेस्टइंडीज से 0-3 की हार के बावजूद, पाकिस्तान वर्तमान में 10-टीम आईसीसी महिला चैम्पियनशिप 2022-25 में पांचवें स्थान पर है। मेजबान भारत के साथ इस चैंपियनशिप की शीर्ष पांच टीमें सीधे आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी। शेष टीमें शुरू होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में भाग लेंगी। ग्रुप चरण के दौरान कुल 20 मैच खेले जाएंगे जिसके बाद प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी। दोनों फाइनलिस्ट मुख्य कार्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे। फाइनल 7 मई को अबू धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें फाइनल में, बोम्मदेवरा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

शंघाई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। इसके साथ ही धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों के रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ तीसरा स्थान हासिल किया।

पुरुष टीम का फाइनल में नीदरलैंड से सामना

अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी, लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

महिला टीम की भिड़ंत इटली से होगी

महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर-18 और सीनियर चैंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाए।

बोम्मदेवरा ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

बोम्मदेवरा ने क्वालिफिकेशन में 693 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने तरुणदीप राय द्वारा बनाए गए 689 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। शुरुआती दौर में उनका मुकाबला चेक गणराज्य के एडम ली से होगा। तरुणदीप 684 के स्कोर के साथ सातवें स्थान के साथ दूसरे सर्वश्रेष्ठ भारतीय रहे। प्रवीण जाधव 672 के स्कोर के साथ 25वें स्थान पर रहे।

डोमेस्टिक प्लेयर्स की सैलेरी बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई

एक करोड़ रुपए तक कमा सकते हैं खिलाड़ी, आईपीएल से वंचित क्रिकेटर्स को मदद देना उद्देश्य

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड घरेलू खिलाड़ियों के लिए सैलेरी बढ़ाने पर विचार कर रहा हैं। क्रिकेट वेबसाइट के मुताबिक, इसके लिए अजित अगरकर की सिलेक्शन कमेटी को इसे को लागू करने के बारे में सुझाव देने का काम सौंपा गया है। हालांकि, बढ़ी हुई मैच फीस की घोषणा की संभावना नहीं है, लेकिन नेशनल सिलेक्शन कमेटी ने प्रस्ताव पर चर्चा की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आईपीएल में हिस्सा नहीं लेने वाले घरेलू खिलाड़ी वंचित महसूस न करें। अलग-अलग योजनाओं पर विचार चल रहा है लेकिन बीसीसीआई इस बात पर एकमत है कि घरेलू क्रिकेटरों की फीस कम से कम दोगुनी होनी चाहिए। एक सोच यह भी है कि अगर घरेलू खिलाड़ी ने 10 रणजी ट्रॉफी मैच खेले हैं तो उन्हें सालाना 75 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए के बीच कमाई करने की स्थिति में होना चाहिए।

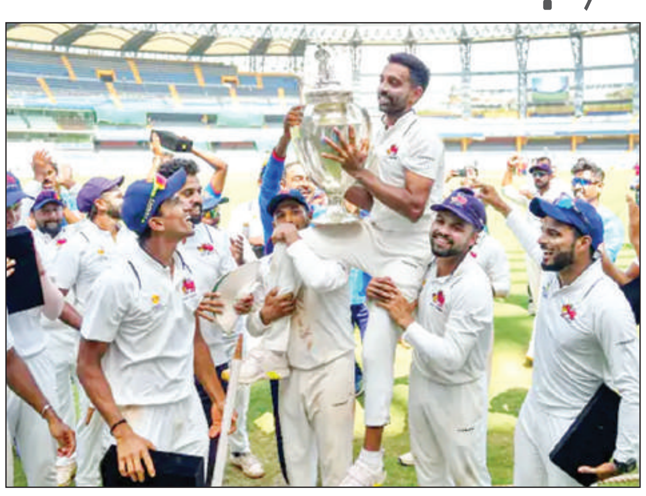

रणजी प्लेयर्स को 3 स्लैब में सैलरी देता है बीसीसीआई - रणजी प्लेयर्स को बीसीसीआई की तरफ से फीस दी जाती है। बीसीसीआई ने इसके लिए 3 स्लैब निर्धारित किए हैं।

40 से ज्यादा फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले प्लेयर्स को एक दिन के 60 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के लिए 2.40 लाख रुपए।

21 से 40 फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक दिन के 50 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के लिए 2 लाख रुपए।

20 से कम फर्स्ट क्लास मैच खेलने वाले प्लेयर्स को एक दिन के 40 हजार रुपए मिलते हैं, यानी एक 4-दिवसीय मैच के 1.60 लाख रुपए।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने मैच फिस डबल की - मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने रणजी ट्रॉफी प्लेयर्स की फीस बढ़ाने का फैसला ले चुकी हैं। प्लेयर्स की सैलरी अगले सीजन से दोगुनी बढ़ जाएगी। अनुभवी खिलाड़ियों को 2024-25 के सीजन से एक फर्स्ट क्लास मैच के लिए 4.80 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं बाकी बोर्ड के प्लेयर्स को एक मैच के 2.40 लाख रुपए मिलते हैं।

डोमेस्टिक क्रिकेट को बढ़ावा देना चाहता है बीसीसीआई - पिछले दिनों बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों को लेकर वॉर्निंग दी थी। बोर्ड ने कहा था कि जो खिलाड़ी फिट हैं और नेशनल टीम का हिस्सा नहीं हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। इसके बावजूद ईशान किशन, क्रुणाल पंड्या और दीपक चाहर जैसे खिलाड़ियों ने अपने स्टेट के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला। वे आईपीएल की तैयारियों में जुट गए। ऐसे में डोमेस्टिक क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई नई योजनाएं ला रही हैं।

बीसीसीआई ने नए कॉन्ट्रैक्ट में टेस्ट प्लेयर्स को फायदा पहुंचाया - बीसीसीआई ने भी रेड बॉल क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए टेस्ट क्रिकेट में इंसेंटिव स्कीम शुरू की। इसके तहत साल के 75 प्रतिशत से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले प्लेयर्स की मैच फीस 300 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। फिलहाल एक टेस्ट मैच के लिए प्लेयर्स को 15 लाख रुपए मिलते हैं।

11 साल से जेल में बंद बेटी से मिलने भारत से पहुंचीं मां, हत्या के मामले में मिली है मौत की सजा

यमन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

यमन जेल में 11 सालों से बंद अपनी बेटी से मिलने भारत से उनकी मां मिलने पहुंची। दोनों बहुत देर तक एक दूसरे को गले से लगाकर रोते रहे। जेल में उपस्थित अन्य लोग भी उनको देख भावुक हो उठे, अपनी बेटी से मिलने के बाद मां ने एक वीडियो जारी कर बताया कि उन्हें नहीं लगा था कि वह कभी उसे देख पाएंगी। बेटी हत्या के आरोप में यमन जेल में मौत की सजा काट रही है। यमन जेल में 11 साल बाद एक मां-बेटी के मिलन का गवाह बना। यमन जेल में पिछले 11 साल से निमिषा प्रिया एक यमन नागरिक की हत्या के आरोप में सजा काट रही हैं। उनकी मां जो कि भारत में रहती हैं, वे कई सालों उससे मिलने के लिए प्रयास कर रहीं थी। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यमन जाने की अनुमति मांगी थी, ताकि वे अपनी बेटी की मौत की सजा माफ करवा सकें। अनुमति मिलने के बाद वह भारत से यमन गईं। उन्होंने अपनी बेटी से मिलने की अनुमित मांगी थी। अपनी बेटी से मिलकर जेल से लौटीं निमिषा प्रिया की मां प्रेमा कुमारी ने एक वीडियो के जरिए अपनी भावना बयां करते हुए भारत और यमन सरकार को शुक्रिया भी कहा है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी सरकार की दयालुता के कारण ठीक है। उन्होंने बताया कि जब वह जेल में गईं, तो उनकी बेटी उन्हें दूर से देखते ही दौड़ लगाकर आई, और गले लगा लिया। वह रोते-रोते मुझे मम्मी कहकर पुकार रही थी। प्रेमा ने कहा कि हम दोनों बहुत देर तक एक दूसरे को गले लगाकर रोते रहे। बाद में निमिषा ने कहा कि मां रो मत सब ठीक हो जाएगा, और आंसू पोंछकर फिर गले लगा लिया। प्रेमा कुमारी ने कहा कि वह उसे कई सालों के बाद देख रही थीं। उन्होंने कहा कि जितनी देर मैं वहां रही बेटी से नजर नहीं हटाई। वे बार बार उसको प्यार करती रहीं। दोनों ने जेल में साथ में खाना भी खाया और बातें भी की।

प्रेमा ने बताया कि जेल में कैद अन्य महिलाओं से भी मुलाकात हुई, कई ने उन्हें गले लगाया। जेल की महिलाओं का निमिषा के साथ व्यवहार देखकर उन्हें सुकून मिला। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि वे अपनी बेटी को फिर कभी देख भी पाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि हम दोनों को ऐसे रोता देख आस-पास के लोग भी भावुक हो गए थे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में फैल रहा जॉम्बी डियर डिजीज का संक्रमण, वर्जीनिया के पार्क में सफेद पूंछ के दो हिरण पॉजिटिव

वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के मामलों के बीच अमेरिका में जॉम्बी डियर डिजीज का केस सामने आया है। पश्चिमी वर्जीनिया के हार्पर्स फेरी नेशनल हिस्टोरिकल पार्क के अंदर दो सफेद पूंछ वाले हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है। एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन दो हिरणों को इससे संक्रमित पाया गया है, उनकी मौत हो चुकी है। बता दें कि इस बीमारी को क्रॉनिक वेस्टिंग डिजीज (सीडब्ल्यूडी) के नाम से भी जाना जाता है। अमेरिका में फैल रहा सीडब्ल्यूडी बताया जा रहा है कि एंटिएटम और मोनोकेसी बैटलफील्ड पार्क में रहने वाले हिरणों को सीडब्ल्यूडी से संक्रमित पाया गया है। हार्पर्स फेरी और आसपास के नेशनल पार्क में देशी पौधों और ऐतिहासिक परिदृश्यों को संरक्षित रखने के लिए हिरणों की जनसंख्या को कम किया जा रहा है। पार्क सेवाएं हिरणों की आबादी नियंत्रित करने के लिए समय समय पर कुछ पार्कों में शिकार आयोजित करती है। विज्ञप्ति में बताया गया कि इस साल तक इन पार्कों में परिणाम निगेटिव हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, यह एक पुरानी और भयानक बीमारी है। यह वायरस जानवरों के दिमाग को खा जाता है, जिस वजह से उनकी मौत हो जाती है। उन्होंने आगे बताया कि इस बीमारी का न तो कोई इलाज है और न ही कोई टीका। यह वायरस जानवरों के साथ बल्कि मनुष्य को भी प्रभावित करता है। बता दें कि इस बीमारी का पता पिछले साल येलोस्टोन नेशनल पार्क में नवंबर में चला था।

स्कूली बच्चों के लिए कम शुगर वाले और शाकाहारी खाने पर बाइडन सरकार का जोर, 2027 तक पूरी तरह लागू होगा नियम

वॉशिंगटन। अमेरिका में बच्चों की थाली को और पोषणयुक्त बनाने के लिए बाइडन प्रशासन ने कई

एलान किए हैं। इस क्रम में अब थाली में कम शुगर और ज्यादा शाकाहारी चीजें देखने को मिलेंगी। लाखों छात्रों को मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। पौष्टिक भोजन स्कूल के वातावरण का एक अनिवार्य हिस्सा कृषि मंत्री टॉम विल्सैक ने स्कूल के भोजन के माध्यम से अमेरिका के बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदमों की घोषणा करते हुए कहा, हम सभी बच्चों को उनकी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लक्ष्य को साझा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों, कक्षाओं, पुस्तकों और कंप्यूटरों की तरह, पौष्टिक भोजन स्कूल के वातावरण का एक अनिवार्य हिस्सा है। जब हम स्कूल में भोजन के लिए बार बढ़ाते हैं, तो यह हमारे बच्चों को कक्षा के अंदर और बाहर अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है। कृषि मंत्री ने आगे कहा, इस मील के पत्थर पर विस्तार करते हुए, बाइडन-हैरिस प्रशासन स्कूलों, जिलों, राज्यों और उद्योग के साथ साझेदारी करना जारी रखेगा ताकि स्कूल के भोजन को मजबूत करने के लिए की गई असाधारण प्रगति का निर्माण किया जा सके। भोजन में अतिरिक्त शुगर की जाएगी सीमित पहली बार देश भर के स्कूल में भोजन में अतिरिक्त शुगर सीमित की जाएगी। 2025 तक छोटे बदलाव होंगे और 2027 तक पूरी तरीके से कार्यान्वयन होगा। शुगर सीमित करने का फैसला माता-पिता और शिक्षकों की चिंता को देखते हुए लिया गया है। शोध से पता चलता है कि ये अतिरिक्त शुगर आमतौर पर नाश्ते के सामानों में पाई जाती है।

विश्वविद्यालयों में बढ़ते फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों से घबराई सरकार, सैंकड़ों हिरासत में, कई कॉलेज हुए बंद

वॉशिंगटन। अमेरिका के कई विश्वविद्यालय इन दिनों विरोध प्रदर्शनों का केंद्र बने हुए हैं। दरअसल अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन इतने बढ़ गए हैं कि अमेरिकी सरकार भी घबरा गई है। यही वजह है कि सरकार ने कई यूनिवर्सिटीज को बंद करने और ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का आदेश दिया है। विरोध प्रदर्शनों के चलते सैंकड़ों छात्रों को हिरासत में लिया गया है और 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अमेरिका की 21 यूनिवर्सिटीज में जारी विरोध प्रदर्शन कैलिफोर्निया से लेकर न्यूयॉर्क तक अमेरिका की 21 यूनिवर्सिटीज में बीते कुछ दिनों से फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बड़ी संख्या में छात्र कॉलेज परिसर में ही तंबू लगाकर रह रहे हैं। न्यूयॉर्क पुलिस ने तो यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और येले यूनिवर्सिटी प्रशासन को समन जारी कर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों को सुलझाने को कहा है। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के चलते 21 यूनिवर्सिटीज में कक्षाएं ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं।

ईरान को तबाह करने के लिए पाकिस्तान दे रहा सेना के हथियार! इस आतंकी संगठन की कर रहा मदद

तेहरान, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा तो हो गई, लेकिन जिस दस अरब डॉलर के व्यापारिक संबंधों की उम्मीद इस्लामाबाद ने तेहरान से लगाई थी उस पर पानी फिर गया। दरअसल ईरान की खुफिया एजेंसियों के दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि जब इस्राइल ने दमिश्क के भीतर उनके दूतावास पर हमला किया, तो पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन-जैश-अल- अदल ने ईरान के कुछ इलाकों में हमले कर उनके सैन्य कर्मियों की हत्या कर दी। चौंकाने वाली रिपोर्ट यह है कि इस हमले में जिन हथियारों का इस्तेमाल हुआ था, वह पाकिस्तान की सेना इस्तेमाल करती है। यही नहीं रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि ईरान के खिलाफ पाकिस्तान की सेना के हथियार आतंकी संगठनों को लगातार मुहैया कराए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ईरानी खुफिया एजेंसियों के ऐसे खुलासे से पाकिस्तान और ईरान के बीच 10 अरब डालर तक के व्यापारिक संधि की उम्मीद पर पानी फिर गया है।

ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी तीन दिवसीय पाकिस्तान के दौरे पर थे, जो खत्म हो गया। इस दौरे में पाकिस्तान ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक समझौता को बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार और ओपन बॉर्डर की वकालत करते हुए ईरान को रिझाने का नाटक किया। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के इस नाटक की पोल तब खुली, जब ईरान की खुफिया एजेंसियों की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट इस यात्रा के दौरान इस्लामाबाद से साझा की गई। दरअसल खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती है कि पाकिस्तान जिस खुले बॉर्डर से व्यापार की बात कर रहा है, वहां से व्यापार की बजाय आतंकवाद ईरान में भेजा जा रहा है। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ईरान की खुफिया एजेंसियों और प्रमुख सुरक्षा अधिकारियों ने इस्लामाबाद से जैश-अल-अदल को हथियारों की सप्लाई करने और आतंकवाद समेत हमले करने में मदद करने की पुख्ता रिपोर्ट दी है। सूत्रों के मुताबिक ईरान में हमला करने वाले आतंकी संगठन जैश अल अदल को पाकिस्तान की सेना के अत्याधुनिक हथियार मुहैया कराए जाते हैं। पाकिस्तान को यह कड़ा संदेश तेहरान ने उनकी ही जमीन पर आकर दिया है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक दरअसल ईरान ने पाकिस्तान को इसकी हकीकत तब बताई, जब उसके ऊपर इस्राइल ने बड़ा हमला किया। इस्राइल ने दमिश्क में जब ईरान के दूतावास पर हमला किया, तो पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों ने ईरान के सिस्तान प्रांत में हमला कर दिया। ईरान की खुफिया एजेंसियों को मिले पुख्ता सुबूतों के मुताबिक यह हमला जैश-अल-अदल की ओर से किया गया था और इस हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार पाकिस्तान की ओर से मुहैया कराए गए थे। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक जिन हथियारों से पाकिस्तान समर्थित जैश-अल-अदल ने सिस्तान में हमला किया, वह पाकिस्तान में ही बनाए जाते हैं। ईरान की खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी हथियारों से लैस उन आतंकवादियों की तस्वीरें भी हासिल की हैं, जिसमें हेकलर एंड कोच जी 3 जो पाकिस्तान में बनाए जाते हैं और पाकिस्तान सेना इन हथियारों का इस्तेमाल करती है। पाकिस्तान सेना के ये हथियार आतंकियों से बरामद किए गए हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि पाकिस्तान को जब इस्लामाबाद में ईरान की खुफिया एजेंसी और अधिकारियों ने सबूतों के साथ पूरी जानकारी दी, तो पाकिस्तान के होश उड़ गए। दरअसल पाकिस्तान ने ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी के साथ जिस व्यापारिक समझौते का दस्तावेज तैयार किया हुआ था, वह कमजोर हो गया। भारतीय विदेश सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एके सिन्हा कहते हैं कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ खुली व्यापार नीति की पूरी तैयारी की थी। इस तैयारी में पाकिस्तान और ईरान के बीच 10 अरब डॉलर तक के व्यापार को बढ़ाने का पूरा मसौदा तैयार था। पाकिस्तान ने ईरान के खुले बॉर्डर से जिस व्यापार को बढ़ाने की वकालत की थी, खुफिया एजेंसियों ने उसी पर सबसे ज्यादा सवालिया निशान उठा दिए। ईरान की खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में इस बात का स्पष्ट रूप से जिक्र किया गया था कि पाकिस्तान अगर ईरान में आतंक फैलाने वाले संगठन पर नकेल नहीं कसता है, तो बड़ी कार्रवाई होगी।

केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक जिस व्यापार की उम्मीद पाकिस्तान ने ईरान से लगाई थी, फिलहाल वह सिरे चढ़ते हुए नहीं दिख रही है। क्योंकि ईरान की खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान से इस मामले में न सिर्फ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है, बल्कि उसका रिजल्ट भी दिखना चाहिए, इस बात के लिए आगाह किया है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के लिए ईरान का बात मानना नामुमकिन जैसा है, क्योंकि जिन आतंकी संगठनों को पाकिस्तान हथियार मुहैया कराने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं देकर ईरान में हमले करवाता है, उसके पीछे कई और विदेशी ताकते भी लगी हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि जिन देशों को ईरान में अस्थिरता चाहिए, वह पाकिस्तान को वित्तीय मदद देते हैं। ताकि ईरान में लगातार हमले और हत्याएं होती रहें। ऐसे में अगर पाकिस्तान ईरान की बात मानकर इस आतंकी संगठन पर कड़ी कार्रवाई करता है, तो संभव है कि ईरान की ओर से कुछ व्यापारिक समझौते हो जाएं। लेकिन इन आतंकी संगठनों को आगे बढ़ाने की एवज में जो विदेशी मदद पाकिस्तान को मिलती है, उस पर रोक लग सकती है।

कमला हैरिस की सुरक्षा में शामिल सीक्रेट सर्विस एजेंट की सहयोगियों से मुठभेड़, कार्यभार से हटाया गया

वाशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस की सुरक्षा में शामिल एक सीक्रेट सर्विस एजेंट को मुठभेड़ में शामिल होने के बाद तुरंत हटा दिया गया है। एजेंसी ने इसकी पुष्टि की। एजेंट को कमला हैरिस के विवरण से हटा दिया गया है। वॉशिंगटन डीसी के बाहरी इलाके में ज्वाइंट बेस एंड्रयूज के पास सुबह के नौ बजे के आसपास सीक्रेट सर्विस एजेंट का अन्य एजेंट के साथ मुठभेड़ हो गया। यह मुठभेड़ कमला हैरिस के वहां पहुंचने से पहले हुई।

विवाद में शामिल एजेंट की पहचान अज्ञात

मुठभेड़ में शामिल एजेंट की पहचान फिलहाल अज्ञात है। उन्हें तुरंत उनके कार्यभार से हटा दिया गया है। यूएस सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिएल्मी ने कहा, उप-राष्ट्रपति के ज्वाइंट बेस एंड्रयूज से प्रस्थान का समर्थन करने वाले अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंट का ऐसा प्रदर्शन उनके सहयोगियों को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी सक्रेट सर्विस हमारी कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को बहुत गंभीरता से लेती है।

इस दौरान मेडिकल कर्मियों को मौके पर बुलाया गया। इसके कारण कमला हैरिस की यात्रा में किसी प्रकार की देरी नहीं हुई। गुग्लिएल्मी ने बताया कि यह एक चिकित्सा से जुड़ा मामला है, इसलिए विभाग ने इस पर ज्यादा खुलासा नहीं किया है। हालांकि, कमला हैरिस न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो गई, जहां उन्हें एक साक्षात्कार में शामिल होना था।

एजेंटों की भर्ती प्रक्रिया पर खड़े हुए सवाल

स्थानीय मीडिया के अनुसार, विवाद में शामिल एजेंट सशस्त्र था और वह दूसरे एजेंट के साथ आक्रमकता दिखा रहा था। स्थिति को शांत करने के लिए मौके पर मौजूद सुपरवाइजर और एजेंट के इंचार्ज ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसके बाद विवाद में शामिल एजेंट को हथकड़ी पहनाया गया और मेडिकल सुविधा दी गई। स्थानीय मीडिया ने बताया कि इस घटना ने एजेंटों की भर्ती प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़ा किया है। गुग्लिएल्मी ने बताया कि कमला हैरिस को इस घटना की जानकारी दी दे गई है।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती के खिलाफ प्रस्ताव पर रूस का वीटो, अमेरिका बोला- इनकी नीयत में खोट

वाशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

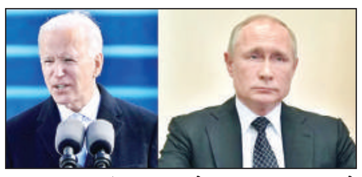

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में बाहरी अंतरिक्ष संधि के प्रस्ताव को वीटो लगाकर रोक दिया। इससे अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया है कि रूस सैटेलाइट ले जाने वाले परमाणु हथियार को विकसित कर रहा है और इसी वजह से उन्होंने इस प्रस्ताव को वीटो किया। बाहरी अंतरिक्ष संधि के तहत अंतरिक्ष में खतरनाक हथियारों जिनमें परमाणु हथियार भी शामिल हैं, उनकी तैनाती पर रोक लगाने की तैयारी थी। हालांकि रूस के वीटो के कारण अमेरिका की यह मंशा पूरी नहीं हो सकी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने एक बयान में कहा कि जैसा कि हमने पहले भी नोटिस किया है, रूस, सैटेलाइट ले जाने वाले परमाणु हथियारों को विकसित कर रहा है। हमने सुना है कि राष्ट्रपति पुतिन ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि रूस के अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को तैनात करने की कोई योजना नहीं है। अगर ऐसा है तो रूस ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वीटो क्यों किया। सुलिवन ने कहा कि अमेरिका और जापान द्वारा संयुक्त रूप से लाए गए प्रस्ताव से यह तय हो जाता कि अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती मौलिक दायित्वों के खिलाफ है। प्रस्ताव में सदस्य देशों से पृथ्वी की कक्षा में तैनात किए जा सकने वाले परमाणु हथियार न बनाने की भी मांग की गई थी।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों की तैनाती के हैं व्यापक खतरे - अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियारों की तैनाती से संचार, वैज्ञानिक, मौसमी, कृषि, व्यवसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवाओं के बाधित होने का खतरा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने भी रूस के कदम की आलोचना की और कहा कि रूस ने जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा है।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा ताइवान, राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन से की मुलाकात

ताइपे, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल ताइवान के दौरे पर हैं। चीन के बढ़ते दबाव के बीच ताइवान के लिए प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने का वादा किया। गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन, इस्राइल और ताइवान को सहायता प्रदान करने के लिए 95 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज को पारित किया है।

ताइवान को रोजाना चीन के खतरों का सामना करना पड़ता है - अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के सशस्त्र सेवा समिति की सदस्य लिसा मैकक्लेन ने राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन से कहा कि हम अमेरिका और ताइवान के बीच मजबूत संबंधों के महत्व को और अधिक समझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ताइवान को रोजाना चीन के खतरों का सामना करना पड़ता है फिर चाहे वह सैन्य कार्रवाई हो या फिर आकाश या जल क्षेत्र में सेना का हस्तक्षेप हो। चीन अपने आक्रामक युद्धाभ्यास और आर्थिक दबाव से भी ताइवान को आए दिन परेशान करता है। मैकक्लेन ने स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए ताइवान के लोगों की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य मार्क अल्फोर्ड ने कहा कि आज किसी को भी ताइवान और अमेरिका के रिश्तों पर संदेह नहीं होना चाहिए। हम एक साथ खड़े हैं। हमें आक्रामक ताकतों के खिलाफ एकजुट होने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमें साथ मिलकर भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्रता और लोकतंत्र के आदर्शों को बढ़ावा देना चाहिए।

इस महीने 164 बार ट्रैक किए गए चीन के विमान - एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस महीने अब तक ताइवान ने उसकी हवाई सीमा में चीन के 164 विमानों को ट्रैक किया है। यह भी बताया गया है कि सितंबर 2020 से चीन ने ताइवान के आसपास परिचालन करने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में वृद्धि की है। अगस्त 2022 में संयुक्त राज्य अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था। इसके बाद से चीन की सेना ने ताइवान जलडमरूमध्य सीमा के आसपास अधिक विमान, युद्धपोत और ड्रोन भेजे हैं।

संयुक्त राष्ट्र में वीटो को लेकर भारत की खरी-खरी

भारत के तर्क पर चारों खाने चित हुआ चीन

न्यूयॉर्क, 25 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर भारत ने चीन को जमकर धोया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत रुचिरा कंबोज ने चीन पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंध समितियों में प्रस्तावों पर लगाई गई रोक एक प्रकार का ङ्गछिपा हुआ वीटोफ है और इसकी आड़ में पाकिस्तान स्थित वैश्विक आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने जैसे मामलों पर परिषद के कुछ सदस्य देश कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे।

उन्होंने कहा, किसी भी संस्थान के काम करने के तरीकों को उसके सामने आने वाली चुनौतियों का जवाब देना चाहिए।

बढ़ती हुई चुनौतियों का मुकाबला करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रिकॉर्ड काफी निराशाजनक रहा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वीटो पहल संयुक्त राष्ट्र प्रणाली को मजबूत करना प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि सुरक्षा परिषद ने वीटो को छिपाने के लिए अपने कामकाज के तरीके का उपयोग किया। उसने इस काम को अपनी समितियों की तदर्थ कार्य पद्धतियों के माध्यम से छिपाने का प्रयास किया है जो उसकी तरफ से काम तो करती है, किंतु उसकी जवाबदेही बहुत कम है।

रुचिरा कंबोज ने कहा, हममें से जो लोग मंजूरी समितियों की कार्य प्रणाली और रोक और अवरोध लगाने की इसकी परंपरा से परिचित हैं, वे जानते हैं कि ये उन मामलों पर एक प्रकार की छिपी हुई वीटो शक्ति हैं, जिन पर कुछ परिषद सदस्य कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे और उन्हें अपने निर्णयों की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं होती है।रुचिरा कंबोज की यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से चीन के संदर्भ में है। चीन ने सुरक्षा परिषद की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को नामित करने के लिए भारत और अमेरिका जैसे उसके सहयोगी देशों द्वारा पेश किए गए प्रस्तावों पर बार-बार रोक लगाई है। कम्बोज ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव में परिषद के कामकाज के तरीकों की अपारदर्शिता को संबोधित करने और जवाबदेही तय करने की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करने वाली भावना का स्वागत है। उन्होंने कहा, इन प्रयासों के महत्व को पहचानते हुए, हम चाहेंगे कि इन प्रयासों को इस तरह से किया जाए जिससे उंगली उठाने के बजाय आम सहमति बनाने का माहौल बने।

वैशाख मास में जल दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की हैं परंपरा

महीनों में सर्वश्रेष्ठ हैं वैशाख मास

24 अप्रैल से हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख शुरू गया है। ये महीना 23 मई तक रहेगा। वैशाख मास में गर्मी पूरे प्रभाव होती है। इस कारण इन दिनों में जल दान करने का महत्व है। इस महीने में अक्षय तृतीया (10 मई) और बुद्ध पूर्णिमा (23 मई) जैसे बड़े व्रत-पर्व आएंगे। वैशाख महीने में अपने घर के बाहर पक्षियों के लिए जल और अन्न की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। इन दिनों में अधिकतर नदी-तालाब सूख जाते हैं, जिससे पक्षियों को पीने का पानी नहीं मिल पाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस महीने में सूर्य अपने पूरे प्रभाव में रहता है, इस वजह से गर्मी रहेगी। इसी वजह से वैशाख महीने में जल और छाया दान करने का महत्व काफी अधिक है। वैशाख महीना धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत खास है। इन दिनों में किए गए जल दान का अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी इस पुण्य का शुभ असर जीवन भर बना रहेगा। शास्त्रों में लिखा है कि विद्याओं में वेद श्रेष्ठ है, मंत्रों में प्रणव, वृक्षों में कल्प वृक्ष श्रेष्ठ है। गायों में कामधेनु और देवताओं में विष्णु जी श्रेष्ठ हैं। नदियों में गंगा और अस्त्र-शस्त्रों में चक्र श्रेष्ठ है। धातुओं में सोना और रत्नों में कौस्तुभ मणि श्रेष्ठ है, ठीक इसी तरह हिन्दी पंचांग के सभी 12 महीनों में वैशाख महीना श्रेष्ठ है।

स्कंदपुराण के अनुसार

न माधवसमो मासो न कृतेन युगं समम्।
न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गङ्गया समम्।।

ज्योतिषाचार्य ने बताया किस्कंद पुराण के इस श्लोक के अनुसार वैशाख के समान कोई और मास नहीं है। सत्ययुग के समान कोई युग नहीं है। वेद के समान को शास्त्र नहीं है और गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं है।वैशाख मास शुक्रवार से शुरू होगा और शुक्रवार को ही खत्म होगा। मान्यता है कि इस माह में किए गए पूजा-पाठ से अक्षय पुण्य मिलता है और भगवान की कृपा से भक्त की सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। ये महीना वृक्षों में कल्पवृक्ष के समान और शिवजी, विष्णु को प्रसन्न करने वाला माना गया है।

पद्मपुराण, पातालखण्ड के अनुसार

यथोमा सर्वनारीणां तपतां भास्करो यथा ।
आरोग्यलाभो लाभानां द्विपदां ब्राह्मणो यथा।।
परोपकारः पुण्यानां विद्यानां निगमो यथा।
मंत्राणां प्रणवो यद्वद्ध्यानानामात्मचिंतनम् ।।
सत्यं स्वधर्मवर्तित्वं तपसां च यथा वरम्।
शौचानामर्थशौचं च दानानामभयं यथा ।।
गुणानां च यथा लोभक्षयो मुख्यो गुणः स्मृतः।
मासानां प्रवरो मासस्तथासौ माधवो मतः ।।

जैसे सम्पूर्ण स्त्रियों में पार्वती, तपने वालों में सूर्य, लाभों में आरोग्यलाभ, मनुष्यों में ब्राह्मण, पुण्यों में परोपकार, विद्याओं में वेद, मन्त्रों में प्रणव, ध्यानों में आत्मचिंतन, तपस्याओं में सत्य और स्वधर्म-पालन, शुद्धियों में आत्मशुद्धि, दानों में अभयदान तथा गुणों में लोभ का त्याग ही सबसे प्रधान माना गया है, उसी प्रकार सब मासों में वैशाख मास अत्यंत श्रेष्ठ है।

महाभारत अनुशासन पर्व अध्याय 106 के अनुसार निस्तरेदेकभक्तेन वैशाखं यो जितेन्द्रियः। नरो वा यदि वा नरी ज्ञातीनां श्रेष्ठतां व्रजेत्।। जो स्त्री अथवा पुरूष इन्द्रिय संयम पूर्वक एक समय भोजन करके वैशाख मास को पार करता है, वह सहजातीय बन्धु-बान्धवों में श्रेष्ठता को प्राप्त होता है।। दत्तं जप्तं हुतं स्नातं यद्भक्त्या मासि माधवे।तदक्षयं भवेद्भूप पुण्यं कोटिशताधिकम् ।। माधवमास में जो भक्तिपूर्वक दान,जप, हवन और स्नान आदि शुभकर्म किये जाते हैं, उनका पुण्य अक्षय तथा सौ करोड़ गुना अधिक होता है।प्रातःस्नानं च वैशाखे यज्ञदानमुपोषणम्।हविष्यं ब्रह्मचर्यं च महापातकनाशनम् ।। वैशाख मास में सवेरे का स्नान, यज्ञ, दान, उपवास, हविष्य-भक्षण तथा ब्रह्मचर्य का पालन - ये महान पातकों का नाश करने वाले हैं।

स्नान और जलदान का महत्व

स्कंद, पद्म, ब्रह्मवैवर्त पुराण और महाभारत में वैशाख महीने को बहुत खास बताया गया है। इन ग्रंथों में कहा गया है कि वैशाख मास में सूर्योदय से पहले स्नान करने, जलदान और तीर्थ में नहाने से हर तरह के दुख खत्म हो जाते हैं। वैशाख महीने में इन कामों को करने से कई गुना पुण्य फल मिलता है।

भगवान विष्णु की पूजा

सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल या किसी पवित्र नदी का जल मिलाकर नहाएं। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य दें। भगवान विष्णु की पूजा करने का संकल्प लें। पूजा किसी ब्राह्मण से करवाएंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा।भगवान विष्णु को पंचामृत से स्नान कराएं। चरणामृत ग्रहण करें। पूजा में ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करना चाहिए। भगवान को फूल, धूप, नैवेद्य आदि सामग्री चढ़ाएं। दीपक जलाएं। विष्णु सहस्त्रनाम का जाप करें। व्रत की कथा सुनें। दूसरे दिन यानी द्वादशी पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान देकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

वैशाख मास में करे शुभ काम

सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।भगवान विष्णु के साथ ही देवी महालक्ष्मी की पूजा भी करें।किसी मंदिर जाएं और ध्वज यानी झंडे या पानी से भरे मटके का दान करें।शिवजी के सामने दीपक जलाएं और श्रीराम नाम का जाप 108 बार करें।शिवलिंग पर जल चढ़ाएं, काले तिल चढ़ाएं।इस माह में हमें सूर्यादय से पहले उठ जाना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत करें।वैशाख में तीर्थ दर्शन करें और नदियों में स्नान करें। अगर यात्रा नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।ये गर्मी का समय है। इस महीने में पानी का दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगाएं या किसी प्याऊ में मटके का दान करें। इस माह में जो व्यक्ति प्याउ लगवाता है, वह देवता, ऋषि और पितर सभी को तृप्त करता है। प्यासों के लिए पानी और धूप से बचने के लिए छाते का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान करें। आप चाहें तो किसी मंदिर में पंखों का दान भी कर सकते हैं।

वैशाख मास नहीं करना चाहिए

वैशाख मास में सुबह देर तक सोने से बचना चाहिए। इन दिनों में सूर्योदय जल्दी हो जाता है, ऐसे में जल्दी उठें और उगते सूर्य को जल चढ़ाएं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ देर व्यायाम जरूर करें। उठने में देरी करेंगे तो गर्मी बढ़ जाएगी और व्यायाम करने का मन नहीं होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। गर्मी के दिनों में उचित मात्रा में पानी जरूर पिएं। खाने में ऐसी चीजें लें, जिन्हें पचाना आसान हो। जहां तक संभव हो सके ताजा खाना ही खाएं। बासी खाना खाने से बचें, क्योंकि गर्मी की वजह से खाना जल्दी खराब हो जाता है। गर्मी के दिनों में धूप में बहुत ज्यादा घूमने से बचना चाहिए। अगर धूप में जाना बहुत जरूरी हो तो छाता लेकर जा सकते हैं। स्कंद और पद्म पुराण में लिखा है कि इस महीने में स्नान-दान करने से अश्वमेध यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा के अलावा अन्य देवी-देवताओं की पूजा से मिलने वाला पुण्य बढ़ जाता है। वैशाख महीने में कई तीज-त्योहार रहेंगे जिनमें व्रत-उपवास करने से जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म हो जाते हैं।

संकष्टी चतुर्थी (27 अप्रैल):- इस दिन विकट चौथ व्रत किया जाएगा। गणेशजी के विकट रूप की पूजा होगी और सूर्यास्त के बाद चंद्र पूजन कर के अर्घ्य देकर व्रत खोला जाएगा।

वरुथिनी एकादशी (4 मई):- इस दिन वरुथिनी एकादशी होने से भगवान विष्णु की विशेष पूजा, अभिषेक और व्रत रखा जाएगा। इस व्रत से कई यज्ञों का पुण्य मिलता है।

वैशाख अमावस्या (8 मई):- इस दिन वैशाख महीने की अमावस्या है। ये पितरों की पूजा का पर्व है। इस दिन स्नान-दान करना पुण्यदायी माना जाता है।

अक्षय तृतीया (10 मई):- ये स्नान-दान और खरीदारी का महा पर्व है। इस दिन भगवान परशुराम का प्रकट्य उत्सव भी मनाते हैं।

गंगा सप्तमी (14 मई):- इस दिन गंगा पूजा और स्नान करने की परंपरा है। वैशाख महीने की इसी सप्तमी तिथि पर जन्हु ऋषि ने देवी गंगा को अपने कान से मुक्त किया था।

मेष संक्रांति (14 मई):- इस दिन सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के राशि परिवर्तन के इस पर्व पर स्नान-दान करने से जो पुण्य मिलता है उसका शुभ फल कभी खत्म नहीं होता।

सीता नवमी (16 मई):- कुछ ग्रंथों और मान्यता के मुताबिक वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर देवी सीता प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन देवी सीता की पूजा होती है।

मोहिनी एकादशी (19 मई):- वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी होने से ये दिन बहुत पुण्य देने वाला माना गया है। इसी तिथि पर भगवान विष्णु ने मोहिनी अवतार लिया था।

वैशाख पूर्णिमा (23 मई):- ये वैशाख महीने की आखिरी तिथि रहेगी। इस दिन स्नान-दान से कई यज्ञ करने जितना पुण्य मिलता है। इस दिन बुद्ध जयंती मनाई जाएगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शुक्रवार को राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जप, दूर हो जाएंगे सभी कष्ट

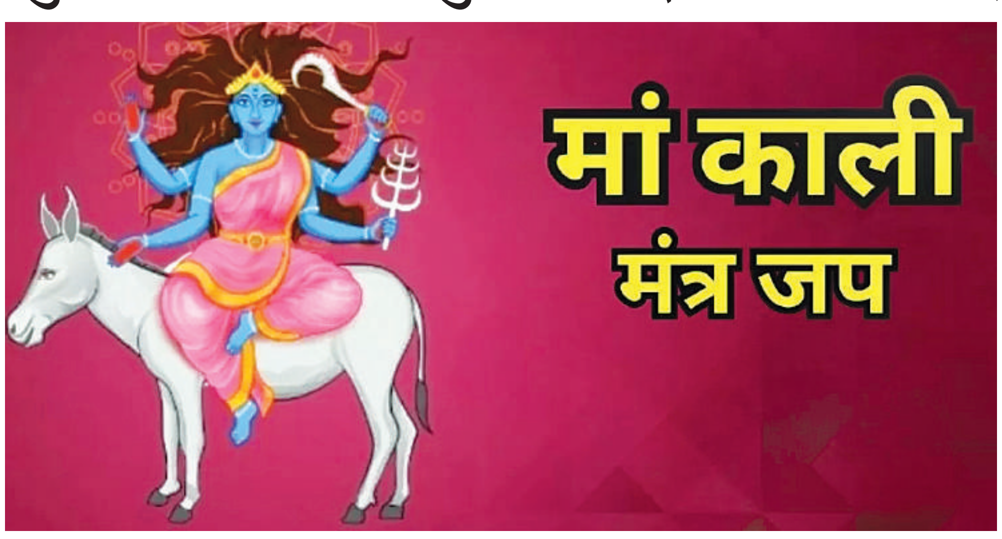

सनातन धर्म में जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा और उनके विभिन्न शक्ति स्वरूपों की पूजा-उपासना की जाती है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। लक्ष्मी वैभव व्रत करने से साधक को आर्थिक संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो शुक्रवार के दिन मां काली की उपासना करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख, संकट, काल, क्लेश दूर हो जाते हैं। अतः साधक शुक्रवार के दिन ममता की देवी मां काली की कठिन पूजा-भक्ति करते हैं। अगर आप भी मां काली की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन विधि-विधान से मां लक्ष्मी एवं मां काली की पूजा करें। साथ ही राशि अनुसार मां काली के नामों का मंत्र जप करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक शुक्रवार के दिन विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कान्तायै नमः मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक जीवन में व्याप्त दुख और संकट से निजात पाने के लिए पूजा के समय ॐ कालरात्र्यै नमः मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक शुक्रवार के दिन पूजा के समय ॐ कामिन्यै नमः मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक शुक्रवार के दिन मां काली की पूजा भक्ति करें। साथ ही पूजा के समय मॐ कुलीनायै नमःफ मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक शुक्रवार के दिन विधि पूर्वक मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कामधेन्वै नमः मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक मां काली की कृपा पाने के लिए शुक्रवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद ॐ कामाख्यायै नमः मंत्र का एक माला जप करें।

तुला राशि के जातक स्नान-ध्यान के बाद विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कलहायै नमः मंत्र का एक माला जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक शुक्रवार के दिन धन प्राप्ति हेतु विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करें। पूजा के समय ॐ कामेश्वर्यै नमः मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कामकान्तायै नमः मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए ॐ कामदात्र्यै नमः मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक शुक्रवार के दिन श्रद्धा भाव से मां लक्ष्मी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कुमुदायै नमः मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने हेतु पूजा में कमल पुष्प अर्पित करें। साथ ही पूजा के समय ॐ कुलपूजितायै नमः मंत्र का जप करें।

सनातन धर्म में क्या है विद्यारंभ संस्कार

जानें साल 2024 के शुभ मुहूर्त

विद्यारंभ संस्कार, जिसे अक्षररांभ संस्कार या मुहूर्त संस्कार भी कहा जाता है, सनातन धर्म के 16 संस्कारों में से नौवां संस्कार है । यह संस्कार उस समय किया जाता है जब बच्चा शिक्षा ग्रहण करने के लिए तैयार होता है। इस संस्कार के माध्यम से बच्चे को ज्ञान और शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है। यह संस्कार बच्चे में विद्याप्रेम और विद्यादेवी के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करता है। विद्यारंभ संस्कार विद्या ग्रहण करने के लिए शुभ मुहूर्त का चयन करने का भी अवसर प्रदान करता है।

विद्यारंभ संस्कार कैसे करते हैं ?

यह संस्कार किसी भी शुभ दिन किया जा सकता है। विद्यारंभ संस्कार शुभ मुहूर्त देखकर करें। अब ये भी जान लें कि ये संस्कार कैसे किया जाता है। सबसे पहले बच्चे और घर की शुद्धि की जाती है। भगवान गणेश, विद्या के देवता, की पूजा की जाती है। माता सरस्वती, ज्ञान और विद्या की देवी, की पूजा की जाती है। बच्चे को अक्षरों का परिचय कराएं। बच्चे को देवनागरी लिपि के अक्षरों का परिचय कराया जाता है। बच्चे को स्वस्ति मंत्र लिखवाया जाता है। किसी मंत्र या श्लोक का अक्षर अभ्यास करवाया जाता है। अंत में, बच्चे को आशीर्वाद दिया जाता है और उसे शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विद्यारंभ संस्कार के लिए क्या चाहिए ?

शिक्षा सामग्री: कलम, दवात, कागज, पेन आदि।

पूजा सामग्री: दीप, अगरबत्ती, फूल, फल, मिठाई आदि।

नए कपड़े: बच्चे के लिए नए कपड़े।

साल 2024 में विद्यारंभ संस्कार के शुभ मुहूर्त और तिथियां

विद्यारंभ का पहला मुहूर्त:- 03 जुलाई 2024 को है, इस दिन रोहिणी नक्षत्र होगा। सुबह 05:28 बजे से सुबह 06:29 बजे तक रहेगा।

विद्यारंभ का दूसरा मुहूर्त:- 07 जुलाई 2024 को है, इस दिन पुष्य नक्षत्र होगा। शाम 07:50 बजे से रात 09:32 बजे तक रहेगा।

विद्यारंभ का तीसरा मुहूर्त: 10 जुलाई 2024 को है। इस दिन मघा नक्षत्र होगा और सुबह 07:37 बजे से सुबह 09:22 बजे तक शुभ मुहूर्त रहेगा।

विद्यारंभ का चौथा मुहूर्त:- 11 जुलाई 2024 को गुरुवार की शाम 07:49 बजे से रात 09:16 बजे तक संस्कार का शुभ मुहूर्त रहेगा और इस दिन पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र होगा।

विद्यारंभ संस्कार की आयु के बारे में बात करें को विद्यारंभ संस्कार आमतौर पर 5 से 7 वर्ष की आयु के बीच किया जाता है। हालांकि, कुछ समुदायों में यह संस्कार 3 वर्ष की आयु में भी किया जाता है। विद्यारंभ संस्कार सनातन धर्म में एक महत्वपूर्ण संस्कार है जो शिक्षा के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है। यह संस्कार बच्चे के जीवन में सफलता और समृद्धि लाने का आशीर्वाद देता है। विद्यारंभ संस्कार एक महत्वपूर्ण संस्कार है जो बच्चे के जीवन में शिक्षा और ज्ञान का द्वार खोलता है। वैसे विद्यारंभ संस्कार के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आपको किसी विद्वान ब्राह्मण या धार्मिक गुरु से सलाह लेनी चाहिए।

धन-वृद्धि और तरक्की के लिए इस तरह करें देवी लक्ष्मी के साथ गणेश जी की पूजा

भगवान गणेश जी को विघ्नहर्ता और माता लक्ष्मी जी को धन-वृद्धि की देवी माना जाता है। इन दोनों देवी-देवताओं की एक साथ पूजा करने से धन-दौलत, समृद्धि, सुख-शांति और तरक्की प्राप्त होती है। भगवान गणेश जी और माता लक्ष्मी जी की पूजा अगर सही विधि से की जाए तो जीवन में खुशियां आने में समय नहीं लगता। धन लक्ष्मी और गणेश जी की एक साथ पूजा का महत्व बहुत उच्च माना जाता है। धन लक्ष्मी और गणेश जी दोनों ही हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण देवताओं में से हैं, और उनकी पूजा से धन, समृद्धि, और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

धन लक्ष्मी धन, समृद्धि, और सौभाग्य की देवी हैं, जबकि गणेश जी विज्ञान, बुद्धि, और समृद्धि के प्रतीक हैं। इसलिए, इन दोनों देवताओं की साथ में पूजा करने से व्यक्ति को सम्पूर्ण समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। गणेश जी की पूजा से द्वारा मनुष्य की समस्याओं और विघ्नों का निवारण होता है, जबकि धन लक्ष्मी की पूजा से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और धन और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसलिए, इन दोनों देवताओं की साथ में पूजा करने से व्यक्ति को सफलता, समृद्धि, और खुशियों की प्राप्ति होती है।

पूजा की सामग्री: भगवान गणेश जी और माता लक्ष्मी जी की मूर्ति/प्रतिमा, चौकी, लाल कपड़ा, चंदन, रोली, हल्दी, सिंदूर, धूप, दीपक, फूल, फल, मिठाई, सुपारी, पान और दक्षिणा

पूजा की सही विधि: सबसे पहले स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान को साफ करके लाल कपड़े से ढक दें. चौकी पर भगवान गणेश जी और माता लक्ष्मी जी की मूर्ति/प्रतिमा स्थापित करें. मूर्तियों को चंदन, रोली, हल्दी और सिंदूर से तिलक लगाएं। दीपक और धूप जलाएं। फूल, फल, मिठाई, सुपारी और पान अर्पित करें। भगवान गणेश जी और माता लक्ष्मी जी का ध्यान करें और उनसे प्रार्थना करें। ॐ श्री गणेशाय नमः और ॐ श्री महालक्ष्मीये नमः मंत्र का जाप करें। पूजा के अंत में दक्षिणा अर्पित करें।

पूजा करते समय ध्यान रखें कि पूजा सुबह जल्दी उठकर करना शुभ होता है। पूजा करते समय मन में शुद्ध भाव रखें। लाल रंग को शुभ माना जाता है, इसलिए पूजा में लाल रंग का अधिक प्रयोग करें। पूजा के बाद किसी जरूरतमंद को दान दें। पूजा-पाठ से अकेले ही धन-वृद्धि नहीं होती है। इसके लिए कड़ी मेहनत और लगन भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। लेकिन, भगवान गणेश जी और माता लक्ष्मी जी की पूजा से आपको उनका आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपको अपने लक्ष्यों ।

उर्वशी रौतेला ने रेड बॉडीकॉन ड्रेस पहन बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की कातिल अदाओं ने बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

उर्वशी रौतेला बॉलीवुड की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अपने अद्भुत अभिनय कौशल के लिए जानी जाती हैं। वह एक मॉडल भी हैं और उन्होंने खुद को बहुत अच्छे से मेंटेन करके रखा है। वह बेहद हॉट दिखती हैं और अपने आउटफिट को खूबसूरती से स्टाइल करती हैं। इंडस्ट्री में अपना जलवा बिखेर रही हैं और उन्होंने अपने करियर में काफी कुछ हासिल किया है। वह अपने कातिलाना लुक के लिए फैंस द्वारा पसंद की जाती हैं। एक्ट्रेस को आमतौर पर आउटफिट पहने हुए देखा जाता है और वह शानदार दिखती हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला हमेशा अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाती हैं। एक बार फिर वह सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से धमाल मचा रही हैं। हाल ही में, उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह रेड बॉडीकॉन ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। इस ड्रेस में उर्वशी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने लुक को स्टाइलिश सिल्वर नेकलेस और खुले बालों से पूरा किया है। उर्वशी की इन तस्वीरों को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। तस्वीरों पर सोशल मीडिया पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप तो कितनी खूबसूरत हैं उर्वशी जी। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, आपका यह लुक कमाल का है। उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

वरुण धवन के फैंस को मिला सरप्राइज

फिल्म बेबी जॉन का नया पोस्टर रिलीज

वरुण धवन इन दिनों अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। फिल्म निर्माताओं ने बेबी जॉन का नया पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर में वरुण धवन एकदम अलग अवतार में नजर आ रहे हैं। दर्शकों ने इससे पहले उन्हें इस लुक में नहीं देखा होगा। यही वजह है कि लोग सोशल मीडिया पर इस नए पोस्टर को लेकर जमकर बातचीत कर रहे हैं।फरवरी में फिल्म के नाम की घोषणा होने के बाद से ही दर्शक इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आज वरुण धवन के 37वें जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म का नया पोस्टर रिलीज किया गया है। वरुण के चाहने वालों के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं है। दर्शकों को उम्मीद है कि इस फिल्म में उन्हें शानदार एक्शन देखने को मिलेगा।फिल्म बेबी जॉन के नए पोस्टर को फिल्म के निर्माता मुराद खेतानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रिलीज किया है। पोस्टर में वरुण धवन शर्टलेस नजर आ रहे हैं। इसमें उनके लंबे बाल और दमदार बॉडी को भी साफ देखा जा सकता है। पोस्टर में वरुण धवन बारिश के बीच किसी आदमी की गर्दन को पकड़े हुए दिख रहे हैं। उनके चेहरे पर गुस्सा झलक रहा है। इस पोस्टर के साथ मुराद खेतानी ने कैप्शन में लिखा, बेबी जॉन की ताकत वरुण धवन को जन्मदिन की शुभकामनाएं। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। बेबी जॉन जल्द आ रही है।फिल्म का निर्देशन ए। कालीस्वरन ने किया है। मुराद खेतानी के साथ-साथ एटली ने भी इसका निर्माण किया है। फिल्म में वरुण धवन के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी अभिनय करती नजर आएंगी। बता दें कि बेबी जॉन से अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही है।

रजनीकांत की जेलर के सीक्वल को लेकर बड़ा अपडेट

हुकुम होगा फिल्म के अगले भाग का नाम!

बीते साल सुपरस्टार रजनीकांत फिल्म जेलर में नजर आए। नेल्सन द्वारा निर्देशित जेलर ने अपनी रिलीज के साथ ही इतिहास रच दिया। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने जबर्दस्त सफलता हासिल की। इसके साथ ही जेलर तमिल सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। बीते कुछ समय से जेलर के सीक्वल को लेकर अटकलें सामने आ रही हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के निर्देशक नेल्सन बीते कई महीनों से जेलर 2 पर काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही रजनीकांत के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ सकती है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के निर्देशक नेल्सन जून से जेलर 2 की तैयारी शुरु कर देंगे।

चर्चा है कि जेलर 2 का पहला ड्राफ्ट फाइनल कर लिया गया है। मुथुवेल पांडियन ने फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक दमदार सीक्वल तैयार किया है, जिसे लेकर रजनीकांत और सन पिक्चर्स से भी मंजूरी मिल गई है। खबर है कि नेल्सन जून 2024 से इसके प्री-प्रोडक्शन पर काम करना शुरू कर देंगे।कहा जा रहा है कि निर्देशक नेल्सन फिल्म के लिए दो नामों पर विचार कर रहे है। पहला जेलर 2 और दूसरा हुकुम। चर्चा ये भी है कि टीम के ज्यादातर सदस्यों को हुकुम ज्यादा पसंद आ रहा है। वहीं, इस साल के अंत तक फिल्म को फ्लोर पर ले जाने पर विचार किया जा रहा है, तब तक वे रजनीकांत लोकेश कनगराज की थलाइवर 171 की शूटिंग पूरी कर लेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रजनीकांत ने हाल ही में लोकेश कनगराज की फिल्म के प्रोमो की शूटिंग पूरी की, जिसका जल्द ही एलान किया जाएगा। लोकेश कनगराज की इस फिल्म की शूटिंग मई या फिर जून 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। इसे फिल्म को लेकर अभी से तमिल सिनेमा में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

तेजा सज्जा की फिल्म मिराई टीजर को 15 मिलियन से अधिक बार देखा गया

यूट्यूब पर नंबर 1 पर कर रहा ट्रेंड

हनु-मान के बाद देश भर में लोकप्रिय हुए तेजा सज्जा कार्तिक घट्टामनेनी द्वारा निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित एक्शन-एडवेंचर मिराई में सुपर योद्धा के रूप में आ रहे हैं। फिल्म के टाइटल की घोषणा एक झलक के जरिए की गई थी जिसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। जैसा कि टीजर में दिखाया गया है, मिराई बड़े पैमाने पर शुरू किया गया एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। तेजा सज्जा जबरदस्त स्टंट करते नजर आए। खासकर छड़ी लड़ाई ने सभी को प्रभावित किया। लेखन, प्रस्तुतिकरण, दृश्य, ध्वनियाँ, उत्पादन, हर चीज़ एक शीर्ष मानक उत्पाद का वादा करती है। फिल्म ने अपनी प्रभावशाली घोषणा से बहुत अच्छी प्रत्याशा हासिल की है।टीजर यूट्यूब पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है और इसे अब तक 15 मिलियन से अधिक डिजिटल बार देखा जा चुका है। सिर्फ तेलुगु ही नहीं, टीजर ने अन्य भाषाओं में भी धूम मचा दी है। मिराई ने सोशल मीडिया पर भी धूम मचा दी। चूंकि यह फिल्म तेजा के लिए ब्लॉकबस्टर हनुमान के ठीक बाद है, इसलिए स्पष्ट रूप से इसकी अच्छी चर्चा थी और निर्माताओं ने एक दिलचस्प झलक के साथ इसका प्रभावी ढंग से उपयोग किया।फिल्म को सिनेमैटोग्राफर से निर्देशक बने कार्तिक घट्टामनेनी द्वारा लिखा और निर्देशित किया जा रहा है, जबकि टीजी विश्वप्रसाद इसे पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री के तहत बड़े पैमाने पर बना रहे हैं। फिल्म में रितिका नायक मुख्य भूमिका में हैं और इसका संगीत गौरा हरि ने तैयार किया है। बताया जा रहा है कि मिराई 18 अप्रैल, 2025 को बहु-भाषाओं (तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, मराठी और चीनी) में रिलीज होगी।

पुष्पा 2: द रूल के पहले गाने पुष्पा पुष्पा का धमाकेदार प्रोमो आउट

फुट-टैपिंग नंबर की पहली झलक से ही मचा तहलका

आखिरकार इंतजार खत्म हुआ । अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की पुष्पा 2: द रूल से लिरिकल प्रोमो रिलीज हो गया है। ये पहला टीजर होगा जहां पुष्पा 2 के ट्रैक की धुन सुनने को मिली है। मेकर्स ने शानदार टीजर और डायनामिक पोस्टर के साथ दर्शकों का दिन बना दिया है। इतना ही नहीं, पहले गाने की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। चलिए आपको भी दिखाते हैं ट्रेक का लिरिकल प्रोमो। अल्लू अर्जुन की फिल्म के पहले सिंगल का नाम पुष्पा पुष्पा है। जैसा कि टाइटल से पता चलता है, यह गाना एक आकर्षक फुट-टैपिंग गाना होने का वादा करता है जो अल्लू अर्जुन के किरदार पुष्पा राज को बयां करने में बेस्ट साबित होगा। इस गाने को देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है।सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने कैप्शन दिया, प्त पुष्पा 2 फर्स्टसिंगल पुष्पा पुष्पा 1 मई को 11:07 बजे होगा रिलीज। इसका मतलब ये कि पुष्पा 2 से पहला गाना 1 मई को रिलीज होगा। तब फिल्म से तगड़े विजुअल्स भी देखने को मिल सकते हैं। फिल्म की बात करें तो इस महीने की शुरुआत में 8 अप्रैल को अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर निर्माताओं ने पुष्पा 2: द रूल की एक झलक दिखाई थी। जहां अल्लू अर्जुन के आकर्षक लुक ने लोगों को एक बार हैरान कर दिया था। फिर मेकर्स ने रश्मिका मंदाना का लुक भी रिलीज किया था।

पुष्पा 2 द रूल 15 अगस्त, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। जिसे एक बार फिर सुकुमार ने निर्देशित किया है। साथ ही माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

हॉरर कॉमेडी में धमाल मचाने को पूरी तरह तैयार सनी लियोन

फिल्म मंदिरा का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

हॉरर कॉमेडी शैली के अंतर्गत आने वाली फिल्मों की अच्छी मांग है। जो लोग हॉरर और थ्रिलर तत्वों को पसंद करते हैं, और जो लोग मनोरंजन पसंद करते हैं वे भी उन्हें समान रूप से पसंद करेंगे। खैर, सनी लियोन आगामी हॉरर कॉमेडी में मंदिरा के रूप में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।विजन मूवी मेकर्स के बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन आर युवान कर रहे हैं।

यह साई सुधाकर कोमलपति द्वारा निर्मित और कोमलपति श्रीधर द्वारा प्रस्तुत किया गया है। अंतरिम तौर पर मेकर्स इस फिल्म का अपडेट लेकर आए हैं। मंदिरा से सनी लियोन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया। हालांकि वह रानी के रूप में खूबसूरत लगती हैं, लेकिन भूत के रूप में वह जो किरदार निभाती हैं वह दर्शकों को डराने वाला है। पोस्टर ने निश्चित रूप से फिल्म के प्रति उत्सुकता पैदा कर दी है।इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी थी। फिल्म यूनिट पोस्ट-प्रोडक्शन गतिविधियों में व्यस्त है। बाकी विवरण जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

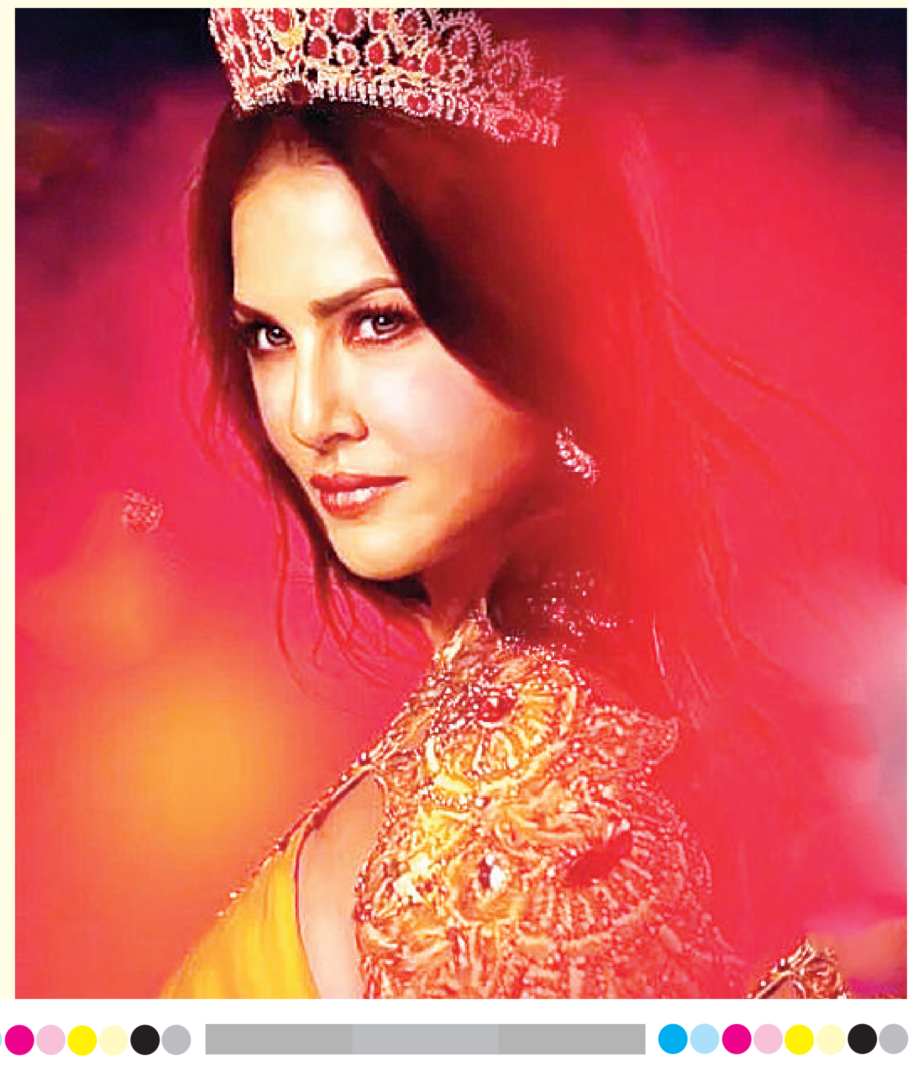

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक होंगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है । जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते है जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , वह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 26 अप्रैल 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रात: 07:48 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 03:40 तक
योग : वरियान उत्तर रात्रि 04:18 तक
करण : गर प्रात: 07:48 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल उत्तर रात्रि 03:41 से , भद्रा रात्रि 08:06 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में दूसरे चरण का मतदान आज

बिरला, गहलोत, वसुंधरा, शेखावत सहित कई नेताओं की दांव पर लगी प्रतिष्ठा

जयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव–2024 के द्वितीय चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों में शुक्रवार को होने वाले चुनाव में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं कैलाश चौधरी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सी पी जोशी एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी सहित कई नेताओं की राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं।

इस चुनाव में श्री बिरला कोटा से तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं जहां उनका उनका मुकाबला भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आये पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल से माना जा रहा है। श्री गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत जालोर से कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ रहे हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के लुंबाराम चौधरी से हैं। इसी तरह झालावाड़ में पिछले 35 सालों से राजनीतिक दबदबा कायम रखने वाली श्रीमती राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह इस बार लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने के लिए झालावाड़–बारां संसदीय क्षेत्र से फिर चुनाव मैदान में हैं और उनका सीधा मुकाबला उनके पुरानी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार उर्मिला जैन भाया से होने के आसार हैं। इस कारण श्री गहलोत एवं श्रीमती राजे सहित इन नेताओं की राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर हैं।

श्री शेखावत जोधपुर से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी करणी सिंह उचियारड़ा से हैं। इसी तरह श्री कैलाश चौधरी बाड़मेर से दूसरी बार चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं जहां उनका मुकाबला त्रिकोणीय स्थिति में कांग्रेस उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल एवं निर्दलीय प्रत्याशी एवं विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी के साथ माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी चित्तौड़गढ़ से लगतार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं जहां उनका सीधा मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना से हैं और दोनों नेताओं की राजनीतिक साख दावं पर हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी भीलवाड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के महामंत्री एवं प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल से होने की संभावना हैं और दोनों नेताओं की राजनीतिक साख दावं पर लगी है। इसी तरह सांसद भागीरथ चौधरी अजमेर, सुखबीर सिंह जौनपुरिया टोंक–सवाईमाधोपुर एवं पी पी चौधरी पाली से भाजपा प्रत्याशी, पूर्व सांसद एवं विधायक हरीश मीणा टोंक–सवाईमाधोपुर से कांग्रेस, विधायक राजकुमार रोत बासंवाड़ा से भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) एवं निर्दलीय विधायक रविन्द्र सिंह भाटी बाड़मेर लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़ने पर उनकी भी राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इसी प्रकार कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आये पूर्व मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय बांसवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव मैदान में हैं जहां उनका मुकाबला बीएपी के श्री रोत से माना जा रहा हैं। हालांकि बांसवाड़ में कांग्रेस उम्मीदवार अरविंद सीता डामोर भी चुनाव मैदान में ताल ठोक रखी हैं लेकिन कांग्रेस का समर्थन बीएपी उम्मीदवार को बताया जा रहा हैं।

इनके अलावा अजमेर से कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़ रहे रामचन्द्र चौधरी की भी राजनीतिक साख दांव पर हैं जहां उनका मुकाबला सांसद भागीरथ चौधरी से माना जा रहा है।

नाराजगी की खबरों के बीच बिश्नोई से मिले सैनी

हिसार, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार लोकसभा सीट से टिकट न मिलने से नाराज चल रहे भाजपा नेता और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई से मिलने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को उनके दिल्ली आवास पहुंचे। मिली जानकारी के अनुसार श्री सैनी के मनाने के बाद श्री बिश्नोई ने एलान किया कि वह लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिये प्रचार करेंगे। आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री बिश्नोई ने नाश्ते पर बुलाया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं है।

हिसार लोकसभा सीट से भाजपा ने रणजीत चौटाला को उम्मीदवार बनाया है, जिसके बाद से श्री बिश्नोई ने चुनाव प्रचार से दूरी बना रखी है। वह खुद हिसार लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाह रहे थे। टिकट न मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर नाराजगी भी जाहिर की थी।

इसके बाद उन्होंने रणजीत चौटाला के प्रचार से भी दूरी बना ली। वह एक बार भी उनके कार्यालय नहीं गये। यहां तक अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह फिर कांग्रेस में जा सकते हैं। इसी बीच श्री बिश्नोई ने सफाई देते हुए कहा था कि सोशल मीडिया पर उनके कांग्रेस में जाने की कुछ खबरें चल रही हैं, जो कि पूरी तरह से भ्रामक एवं निराधार हैं। उन्होंने संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी का साधारण कार्यकर्ता बनकर काम किया है और आगे भी करते रहेंगे।

मतदाताओं को शादी की तरह निमंत्रण पत्र भेजे जायेंगे : अग्रवाल

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में लोकसभा चुनाव में इस बार मतदाताओं को मतदान करने के लिए बुलाने हेतु ब्याह–शादी की तरह निमंत्रण पत्र भेजे जायेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल की ओर से यह एक अनोखी पहल की गयी है, जिसके तहत मतदाताओं को शादी समारोह की तरह बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं का स्वागत करेंगे। इस बार राज्य में 75 प्रतिशत तक मतदान कराने का लक्ष्य है। राज्य में छठे चरण के तहत 25 मई को मतदान होना है और 29 अप्रैल को चुनावों की अधिसूचना जारी होगी।

उन्होंने बताया कि शादी की तरह निमंत्रण पत्र तैयार किया गया है, जिसमें लिखा गया है कि भेज रहे हैं, स्नेह निमंत्रण, मतदाता तुम्हें बुलाने को, 25 मई भूल न जाना, वोट डालने आने को। इतना ही नहीं, निमंत्रण पत्र में मतदाताओं के नाम संदेश भी दिया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार लोकसभा चुनाव–2024 के मंगल उत्सव की पावन बेला पर मतदान करने के लिये आप तय दिवस व समय पर सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम स्थल आपका मतदान केंद्र है। उन्होंने बताया कि मतदान 25 मई को प्रातः सात बजे से शाम छह बजे तक होगा।

पुष्कर सरोवर में डूबने से युवक की मौत

अजमेर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। तीर्थराज पुष्कर के पवित्र सरोवर में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर सरोवर के नरसिंह घाट पर अज्ञात परिस्थितियों में एक युवक की डूबने से मौत हो गयी। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशिक्षु भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) गोपीनाथ शरण कांबले तुरंत मौके पर पहुंचे। गोताखोर राहुल पाराशर ने पानी में डूबे युवक को तुरंत बाहर निकाल कर पुष्कर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक लुहार कॉलोनी पुष्कर निवासी ओमप्रकाश पुत्र सूक्खाराम (35) है। मृतक की मृत्यु हादसा है, अथवा आत्महत्या, इस नजरिये से पुलिस पड़ताल में जुटी है।

कनिष्ठ विधि अधिकारी के लिये साक्षात्कार एक से नौ मई तक

अजमेर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान लोकसेवा आयोग की ओर से कनिष्ठ विधि अधिकारी (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) भर्ती–2023 के लिये साक्षात्कार का 5वां चरण एक से नौ मई तक आयोजित किया जायेगा।

अजमेर मुख्यालय पर आयोग सचिव ने बताया कि कनिष्ठ विधि अधिकारी के पदों के लिये साक्षात्कार का पांचवां चरण एक से तीन मई एवं सात से नौ मई 2024 तक आयोजित किया जायेगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार–पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथा समय अपलोड कर दिये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि पांचवें चरण में 126 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जायेगा। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को समस्त मूल प्रमाण–पत्र, विस्तृत आवेदन–पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर दो प्रतियों में भरकर मय मूल प्रमाण–पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा साक्षात्कार से वंचित कर दिया जायेगा।

दूसरे एवं अंतिम चरण में सात महिला प्रत्याशी आजमी रहीं चुनावी भाग्य

जयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में शुक्रवार को होने वाले लोकसभा आम चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में सात महिला उम्मीदवार अपना चुनावी भाग्य आजमी रही हैं। निर्वाचन विभाग के अनुसार दूसरे चरण में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सहित अन्य दलों एवं निर्दलीयों सहित 152 प्रत्याशी अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं उनमें सात महिला प्रत्याशी शामिल हैं।महिला प्रत्याशियों में झालावाड़–बारां संसदीय क्षेत्र से वर्ष 2009 में चुनाव लड़ चुकी एवं बारां जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में इस बार फिर चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमी रही है। इसी तरह राजस्थान राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग की दो बार अध्यक्ष रही संगीता बेनीवाल पाली संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में चुनाव लड़ रही है। इनके अलावा महिमा कुमारी मेवाड़ राजसमंद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा, मंजू मेघवाल जोधपुर से बसपा, शहनवाज बानो जोधपुर से दलित क्रांति दल की प्रत्याशी के रुप में चुनाव में अपना चुनावी भाग्य आजमा रही है जबकि प्रेम लता अजमेर एवं डा सविता कुमारी अहीर उदयपुर (सु) से निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में चुनाव मैदान में हैं।

महिला प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट कर 7.67 करोड़ की ठगी, अब सीबीआई करेगी जांच

झुंझुनूं, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के बिट्स पिलानी की प्रोफेसर से 7.67 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी। साइबर ठगों ने खुद को ईडी और पुलिस अधिकारी बताकर प्रोफेसर से रुपये मांगे। महिला प्रोफेसर श्रीजाता डे साइबर ठगों की डिमांड पूरा करने के लिए 80 लाख रुपए लोन भी ले लिया। बता दें कि तीन महीने तक ईडी, ट्राई और महाराष्ट्र पुलिस आदि का डर दिखाकर उनकी हर एक गतिविधियों पर नजर रखी गई। महिला प्रोफेसर श्रीजाता डे से हर दो घंटे में उनकी गतिविधियों और हर दिन उनकी सेल्स रिपोर्ट तक साइबर ठगों ने मंगवाई, जो एक तरह से डिजिटल अरेस्ट था।

फरवरी में जब मामला खुला और साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई तो पुलिस ने जांच शुरू की। साइबर ठगी इतनी हाईटेक थी कि मामले को पुलिस मुख्यालय के लिए भेज दिया गया था। पुलिस मुख्यालय की मुख्य साइबर सेल ने करीब 200 से अधिक बैंक खातों को खंगाला तो और चौंकाने वाला सच सामने आया। जो पैसे श्रीजाता डे से ठगे गए थे, वो विदेशी बैंकों के खातों में भी डलवाए गए हैं, जिससे पुलिस को शक है कि इस तरह के डिजिटल अरेस्ट प्रकरणों में इंटरनेशल गैंग का हाथ है। अब पुलिस इस मामले को सीबीआई को सौंपने की तैयारी में है। जयपुर में डीजीपी यूआर साहू ने बताया है कि ठगी की रकम बहुत ज्यादा है। जांच में सामने आया कि पैसा विदेश तक गया है, ऐसी स्थिति में सीबीआई जांच जरूरी समझी गई है। इधर, एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि उन्होंने इस फाइल को पुलिस मुख्यालय भेज दिया था। पुलिस मुख्यालय की मुख्य साइबर सेल इसकी जांच कर रही थी।

आगे पुलिस मुख्यालय को ही इस फाइल को लेकर फैसला लेना है।साइबर सेल को दी गई रिपोर्ट में श्रीजाता डे के अनुसार, मेरे पास 29 अक्तूबर 2023 को सुबह 8:39 बजे किसी का फोन आया था। उसने बोला कि मैं दूरसंचार विभाग (ट्राई) से बोल रहा हूं। इस नंबर पर साइबर क्राइम से जुड़ी शिकायत मिली है। आपका फोन नंबर एक घंटे में बंद हो जाएगा। आपके आधार नंबर पर दूसरा मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है। आपके नंबर से अवैधानिक विज्ञापन और उत्पीड़न के मैसेज भेजे गए हैं। मुंबई पुलिस आपके खिलाफ कार्रवाई करेगी। मुंबई पुलिस से फोन आएगा, इसके तुरंत बाद मुझे एक नंबर से चार बार फोन आया।

महिला प्रोफेसर श्रीजाता डे के अनुसार, एक दिन फिर फोन आया। उसने मुंबई पुलिस का सब इंस्पेक्टर बताया। उसने कहा कि आपके खिलाफ क्राइम ब्रांच मुंबई में शिकायत मिली है। स्काइप पर जुड़कर ऑनलाइन मीटिंग करनी होगी, जब मैंने मोबाइल पर स्काइप एप नहीं होने की बात की तो उसने डराकर एप डाउनलोड करा दिया। इसके बाद मीटिंग लिंक भेजकर कहा कि आपकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। ठगों ने मुझसे कहा कि आप नरेश गोयल मनी लॉन्ड्रिंग केस में संदिग्ध हैं। इस मामले में 20 लाख रुपये मिले हैं, जिसकी ट्रांजेक्शन रिसिप्ट हम लोगों के पास है।महिला प्रोफेसर श्रीजाता डे के अनुसार, ठगों ने कहा कि आपके नाम से गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। आपके नाम से एक केनरा बैंक का एटीएम कार्ड है। जब श्रीजाता डे ने मना किया तो ठगों ने गिरफ्तार करने और बैंक खाता फ्रीज करने की धमकी दी। पीड़िता ने ऐसे किसी भी मामले में खुद की संलिप्तता से इनकार किया तो ठगों ने मदद करने के नाम पर मुंबई पुलिस सीबीआई ऑफिसर बताकर आकाश कुलेरी नाम से किसी व्यक्ति से स्काइप पर जुड़वाकर संदीप राव से बात कराई। आकाश कुल्हरी ने कहा कि मामला ईडी से जुड़ा है, सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा।ठगों ने श्रीजाता डे से कहा कि जितना भी रुपया है, उसको डिजिटल वेरीफिकेशन के लिए भेजना पड़ेगा। महिला ने बताया कि वो डर गई थीं।

जातिगत गणना नीतीश कुमार का आइडिया:विजय चौधरी

राजद कांग्रेस के घोषणा पत्र में झूठे वादे

पटना/एजेंसियां।
जदयू मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि बिहार में जातीय गणना सीएम नीतीश ने कराई और कांग्रेस राजद वाले इसका क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने राजद और कांग्रेस के घोषणा पत्र पर जमकर हमला बोला। कोई भी संविधान को खत्म नहीं कर सकता। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जातीय गणना की बात लिखी है और इसको अपना मुद्दा बनाकर चुनाव में आ गए हैं। राहुल गांधी ने यहां तक कह दिया है कि अब यह उनका चुनावी या राजनीतिक मुद्दा नहीं है यह उनके ज़िंदगी का मिशन है। विजय चौधरी ने कहा कि हम बस यह बताना चाह रहे हैं कि यह इतना बड़ा पाखंड है जिसका कोई हिसाब नहीं है। इससे बड़ा पाखंड और लोगों को भ्रमित करने वाली बात कुछ नहीं हो सकती है। यह पूरा देश जानता है कि नीतीश कुमार चाहते थे कि पूरे देश में जनगणना हो। इसके लिए उनके नेतृत्व में दो दो बार बिहार की विधायिका ने सर्व सहमति प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा था। लेकिन केंद्र सरकार ने कहा कि उस समय उनका जनगणना करने का काम काफी बढ़ चुका था, इसलिए इसको फिर से बदलना संभव नहीं है। लेकिन अगर कोई प्रदेश चाहे तो करा सकता है। इस आधार पर बिहार सरकार में फैसला लिया कि हम अपने ही संसाधनों से जातीय जनगणना करवाएंगे। इसके लिए सारी व्यवस्था की गई और सफलता से जातीय जनगणना को संपन्न किया गया। इसके अलावा सभी जातियों के गरीब परिवारों की भी पहचान की गई। उन गरीब परिवारों को चिन्हित कर उनके आर्थिक प्रगति के लिए बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना बनाई। उनको अलग से 2 लाख की सहायता दी जा रही है। आप बिहार सरकार के जातीय जनगणना की बात करते हैं और उनके उपलब्धि की चर्चा नहीं करते हैं यह तो सरासर नाइंसाफी है। जब जनता दल यूनाइटेड की तरफ से यह प्रस्ताव दिया गया था कि इंडिया गठबंधन का मुख्य मुद्दा जाति जनगणना बने तो राहुल गांधी ने ममता बनर्जी के इशारे पर खारिज कर दिया था। वैसे ही राजद के लोगों ने कहा है कि यह करोड़ों नौकरी देंगे और बिजली फ्री कर देंगे। कहां से एक करोड़ लोग को नौकरी देंगे। अब तक विभिन्न सरकार के अनुभव बता रहे हैं कि जहां भी इस तरह के फ्री बिजली दी गई है। उसके अंतिम नतीजे अर्थव्यवस्था पर हो या उपलब्धि के हिसाब से हो वह अच्छे नहीं आ रहे हैं। हम सभी लोगों से आग्रह करते हैं कि उनकी दोहरी बातों के चक्कर में न फंसे। इस देश के संविधान को कोई नहीं बदल सकता। संविधान में संशोधन करना और संविधान में बदलाव करने में अंतर है। संविधान में कई बार संसोधन हो चुके हैं, संसोधन का मतलब ये नहीं की संविधान को खत्म किया जा रहा है।

पटना के होटल में आग, 6 की मौत

20 घायल पीएमसीएच में भर्ती

पटना/एजेंसियां।
पटना जंक्शन से 50 मीटर दूर पाल होटल में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। आग ने आसपास के 3 होटलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। इसमें 3 महिला और 3 पुरुष हैं। सिटी एसपी सेंट्रल सत्यप्रकाश ने बताया कि घायलों में 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। जबकि 20 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है, कोशिश की जा रही है।

आग की लपटों के बीच 35 लोगों को निकाला गया है। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। फायर ब्रिगेड की 51 गाड़ियों का पानी आग बुझाने में लगा। आग बुझाने के बाद रेस्क्यू के लिए टीम होटल के अंदर गई, जहां शव को निकाला गया। आग लगने के कारण पटना स्टेशन जाने वाले रास्ते को बंद किया गया था। बिल्डिंग 4 मंजिला थी। सभी फ्लोर पर आग फैली हुई थी। बिल्डिंग में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा का भी सहारा लिया गया। बताया जाता है कि आग लगने से होटल में रखे सिलेंडर में भी ब्लास्ट हुए। इससे आग भड़क गई। आग ने होटल की पास वाली बिल्डिंग को भी जद में ले लिया था। होटल में नाश्ता करने पहुंचे बीएसएफ जवान ने बताया कि मैं ऑर्डर देने के बाद हाथ धोने गया था। वो लोग मसाला डाल रहे थे। अचानक प्लास्टिक में आग लगी फिर सिलेंडर ने आग पकड़ ली। पहला सिलेंडर ब्लास्ट हुआ फिर दूसरा सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। नीचे से ऊपर आग फैलते चले गई। तीन लोग नीचे कूद गए। एक महिला भी जान बचाने के लिए नीचे कूदी। एक युवक का पैर टूट गया। करीब 45 मिनट के बाद फायर ब्रिगेड पहुंची।

दो दिन से लापता युवक का शव मिला

पटना/एजेंसियां।
भागलपुर के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मिरहट्टी गांव में 22 अप्रैल से लापता एक युवक का लाश गांव के ही ब्राह्मण टोला के ठाकुरवाडी कुआं में बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई। ममले को लेकर बताया जा रहा है कि 22 अप्रैल को युवक लापता हो गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन किया लेकिन कोई अता-पता नहीं चला। 24 अप्रैल की देर रात युवक को शव कुएं से बरामद किया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन व स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों घटनास्थल पर पहुंचे। मरने वाले की पहचान मीरहट्टीगांव निवासी दिलकश बिंद के पुत्र विराट कुमार के रूप में हुई है। विराट 22 अप्रैल की देर शाम 7 बजे घर से लापता हुआ था। इसके बाद उसका कोई अता पता नहीं चला। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कोई जानकारी नहीं लगी। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद सुलतानगंज पुलिस मौके पर पहुंच कर सबको अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले को लेकर सुलतानगंज थाना अध्यक्ष प्रयनिरंजन ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जिला अधिकारी की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता रैली निकाली

भागलपुर/एजेंसियां।
भागलपुर समाहरणालय परिसर से जिला अधिकारी की अध्यक्षता में ढोल-नगाड़े के साथ मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस जागरूकता रैली में करीब हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं एन-सीसी कैडेट, अधिकारी, भागलपुर के आम लोग शामिल हुए। जिलाधिकारी ने मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बता दे की शुक्रवार को जिले में मतदान होना है। इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। लोगों को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से कई तरह की कवायत की जा रही है। गुरुवार को जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी नवल किशोर चौधरी ने

समाहरणालय परिसर से जागरूकता रैली निकालकर घंटाघर चौक होते हुए शहर के कई इलाकों में भ्रमण किया और लोगों से मतदान करने की अपील की। शुक्रवार की सुबह 7 से मतदान की प्रक्रिया शुरू होगी, जो शाम के 6 बजे तक चलेगा। लेकिन जिला प्रशासन की ओर से सुविधा दी गई है कि शाम 6 के बाद भी अगर कोई मतदाता मतदान देने से विलंब हो गया तो उसके लिए देर रात तक भी मतदान प्रक्रिया चलेगी। जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी ने बताया कि शुक्रवार के दिन जिले भर में मतदान होना है। जिसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। लोगों को जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई है। इस रैली में एनसीसी कैडेट के बच्चे, स्कूली एवं कॉलेज के छात्र-छात्राएं आम लोग शामिल हुए हैं। भागलपुर वासियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। इसलिए सभी से अपील कर रहे हैं कि लोकसभा चुनाव 2024 में अपना मत का प्रयोग जरूर करें। इस रैली में जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी, जिला संयुक्त निदेशक पदाधिकारी डीडीसी के अलावा कई अधिकारी एवं हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

ऑटो ट्रक की टक्कर में दो भाई घायल

पटना/एजेंसियां।
जमुई थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरमा के पास अनियंत्रित ऑटो ओवर टेक करने के दौरान ट्रक से टकरा गया। ऑटो पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। दोनों घायल आपस में भाई हैं। घटना जमुई मलयपुर मुख्य मार्ग के खैरमा के पास की है। घायल दोनों भाइयों की पहचान झाझा थाना क्षेत्र के सुंदरीटाड़ गांव निवासी सीताराम दास के पुत्र गोपाल दास और सौदागर दास के रूप में हुई है।

घायल सौदागर दास ने बताया कि दोनों भाई जमुई कोर्ट काम से जा रहे थे। जमुई रेलवे स्टेशन से ऑटो से जमुई कोर्ट जा रहे थे। तभी खैरमा के पास ऑटो ओवर टेक करने के कारण ट्रक से टकरा गया। हादसे में दोनों भाई घायल हो गए। घटना में गोपाल दास की स्थिति गंभीर होने के कारण डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर किया है। घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई।

1 कट्ठा जमीन और 10 लाख रुपए के लिए महिला की हत्या

पटना/एजेंसियां।
पटना में मैरिज एनिवर्सरी के दिन एक बहू की दहेज के लिए हत्या कर दी गई। बुधवार को महिला का शव बालू घाट से निकाला गया। भाई का आरोप है कि ससुराल वाले 1 कट्ठा जमीन और 1 लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे। हमने समय मांगा था। इस बात को लेकर वो बहन को टॉर्चर करते थे। 23 अप्रैल को उसकी हत्या कर दी। 24 को शव बालू घाट में गड़ा मिला। इस घटना के बाद से पति समेत ससुराल पक्ष के लिए लोग फरार हैं। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान श्रीरामपुर गांव निवासी रमेश राय की बेटी सोनी कुमारी के रूप में हुई है। मृतका के भाई ने थाने में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि 2 साल पहले लेखन टोला निवासी छोटन राय के पुत्र धीरज कुमार के साथ सोनी की शादी हुई थी। सोनी के भाई ने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद से ही एक कट्ठा जमीन और 10 लाख रुपए के लिए वो बहन को परेशान करने लगे थे। शादी के पहले ऐसी कोई बात नहीं हुई थी। वो अक्सर उसके साथ मारपीट किया करते थे। वो रो-रोकर फोन करती थी। हम व्यवस्था में लगे थे। बातचीत से भी हल निकालने की कोशिश की जा रही थी। 23 अप्रैल को ससुराल वालों ने बहन की हत्या कर दी। दानापुर डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि महिला के भाई ने थाने में आ-वेदन दिया था। पुलिस की छानबीन चल रही थी, इस बीच बुधवार को जानकारी मिली कि एक महिला के शव को सुरौंधा बालू घाट के पास दफनाया गया है।

मारुति वैन में पिकअप ने मारी टक्कर, दंपती घायल

शेखपुरा/एजेंसियां।
यहां गुरुवार को बरबीघासरमेरा मुख्य सड़क मार्ग पर गांगटी मोड़ के पास मारुति वैन और पिकअप वैन के बीच आमने सामने हुई टक्कर में मारुति वैन पर सवार दंपती बुरी तरह घायल हो गए। घटना के दौरान दोनों वाहन क्षतिग्रस्त होकर सड़क किनारे जा पलटे। घटना में घायल दंपती को स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल बरबीघा में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान बरबीघा शहर में संचालित मां वैष्णवी आंख अस्पताल के संचालक 32 वर्षीय सौरभ कुमार और उनकी पत्नी के रूप में की गई है। घटना में युवक की हालत गंभीर होने के कारण

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर पावापुरी रेफर कर दिया। अस्पताल संचालक अपनी पत्नी के साथ वैन पर सवार होकर प्रख्यात पंच बदन स्थान शिव मंदिर कुसेढ़ी जा रहे थे। वाहन को वे खुद ड्राइव कर ले जा रहे थे। तभी रास्ते में गांगटी मोड़ के समीप सामने से तेज गति में आ रहे एक पिकअप वैन ने उनके वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। चालक कूद कर निकल भागने में सफल हो गया।

बरबीघा थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर वैभव कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्वाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बुजुर्ग व्यक्ति की मौत

भोजपुर/एजेंसियां।
जिले के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा खुर्द के मेन रोड पर गुरुवार सुबह बेलगाम ट्रक ने पैदल जा रहे एक बुजुर्ग को रौंद दिया। मृतक पेशे से ग्रामीण चिकित्सक थे।

हादसे में उनकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना को लेकर परिवार वालों में अफरा तफरी का आलम रहा। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। उधर घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। मृतक सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा खुर्द गांव निवासी स्व निठाली राम के बेटे देमूल राम (62) है। वह पेशे से ग्रामीण चिकित्सक थे और वर्तमान में गांव में ही अपना क्लीनिक चलाते थे। इधर, मृतक के भतीजे विजय कुमार ने बताया कि प्रतिदिन की तरह आज भी नोनाडीह मोड़ की तरफ टहलने के लिए निकले हुए थे। तभी तेज रफ्तार से आ रहे बेलगाम ट्रक ने ओवरटेक करने के कारण उन्हें रौंद दिया। हादसे में उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद अन्य ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। घटना सूचना मिलने के बाद जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो उन्हें मृत पाया। मृतक अपने दो भाई और तीन बहन में सबसे छोटे थे। घर में उनकी पत्नी कौशल्या देवी तीन बेटी नेहा, ममता और गोलू और दो बेटा रंजन विकास और वेद प्रकाश है। वहीं इस घटना के बाद मृतक के घर में चीत्कार मच गया है।

पटना में जदयू नेता की गोली मारकर हत्या, दोस्त घायल

पटना/एजेंसियां।
पटना में बदमाशों ने जदयू नेता सौरभ कुमार (33) की गोली मारकर हत्या कर दी। सौरभ अपने दोस्त मुनमुन के साथ रात 12 बजे कार से एक शादी के रिसेप्शन से लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार 4 बदमाशों ने करीब 5 राउंड फायरिंग की। सौरभ कुमार के सिर में 2 गोली लगी। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जबकि उनके दोस्त मुनमुन कुमार को 3 गोलियां लगी हैं। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पुनपुन थाना क्षेत्र के बढ़िया कॉल गांव का है। सौरभ कुमार प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम किया करते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पाटलिपुत्र सीट से आरजेडी प्रत्याशी और लालू यादव की बड़ी बेटी मीसा भारती ने सौरभ कुमार के परिवार से मुलाकात की। इधर, सरकार ने कहा है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। आरजेडी का कहना है कि सरकार में भी लोग सुरक्षित नहीं हैं। ये कौन सा राज है। हत्या के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल बन गया। आसपास के लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने पुनपुन पटना मार्ग पर जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। हत्या और लोगों के प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सिटी एसपी पूर्वी भारत सोनी सहित पुलिस के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को शांत कराया गया। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शिवनगर निवासी जदयू नेता सौरभ कुमार अपने एक दोस्त मुनमुन कुमार के साथ पुनपुन के बढ़इया कॉल गांव एक शादी की रिसेप्शन पार्टी में गए थे। बढ़इया कॉल गांव में अजीत कुमार के भाई के शादी की रिसेप्शन पार्टी चल रही थी। रिसेप्शन पार्टी के बाद अपने दोस्त के साथ लौटने के लिए सौरभ अपनी कार में बैठ रहे थे। इसी दौरान बाइक से आए 4 अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस घटना में दोनों घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए पटना के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने जदयू नेता सौरभ कुमार को मृत घोषित कर दिया। फायरिंग में सौरभ कुमार के दोस्त मुनमुन कुमार को दो गोली लगी है। मुनमुन कुमार की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। मुनमुन कुमार को पटना के कंकड़बाग स्थित एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सिटी एसपी पूर्वी भारत सोनी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन चल रही है। घटना के कारण पूछे जाने पर उन्होंने फिलहाल कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर डॉग स्कायड और एफएसएल टीम के माध्यम से छानबीन कर रही है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com